गुरूर्गुरूतमो धाम
NCTE

सत्यमेव जयते

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

NATIONAL MISSION FOR MENTORING

राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन

मार्गदर्शिका

Maithili-मैथिली

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

जी-7, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन (एनएमएम) केर लोगो परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक एक सहयोगी एजेंसीक प्रतीक अछि, जतए पारस्परिक व्यावसायिक विकासक लेल क्षमता-निर्माणक दिशामे, सीखबा, चिंतन आ साझा करबाक भावनाकेँ बढ़ावा देल जा रहल अछि। एहि लोगोमे नारंगी रंग सकारात्मकता, आशावाद, गतिशीलता, उत्साह आ सौहार्दक प्रतीक थिक आ शाही नील रंग ज्ञान, विश्वसनीयता आ उत्तरदायित्वक प्रतीक। वस्तुतः ई सभटा गुण परामर्श प्रदान करबाक लेल आवश्यक अछि।

Dharmendra Pradhan
Hon'ble Education Minister;
Skill Development and
Entrepreneurship
Government of India
Shastri Bhawan
New Delhi-110001

सत्यमेव जयते

धर्मेंद्र प्रधान
माननीय शिक्षा;
कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री,
भारत सरकार,
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110001

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एकटा परिवर्तनकारी शैक्षिक प्रणालीक परिकल्पना करैत अछि जे शिक्षक लोकनिकेँ प्रत्येक छात्रक हेतु समावेशी आ न्यायसंगत शिक्षण वातावरणक निर्माण करएबाक लेल सशक्त बनबैत अछि। मुदा ई दृष्टि जाहि महत्त्वपूर्ण तत्त्व पर निर्भर करैत अछि, ओ अछि : सशक्त वा योग्य शिक्षक।

ई नीति हमरा सभक राष्ट्रक भविष्यकेँ आकार देबामे शिक्षक लोकनिक महत्त्वपूर्ण भूमिकाक पहिचान करैत अछि। एहि दृष्टिकोणक अनुसार, राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन (एनएमएम) केर उद्देश्य भारतक सभ विद्यालयी शिक्षक लोकनिकेँ परामर्शी सहायता प्रदान करब आ परामर्शदाता लोकनिक एकटा नेटवर्क बनएबाक अछि जे शिक्षक लोकनिकेँ हुनक शिक्षण अभ्यासकेँ उत्तम बनएबा आ हुनक समग्र पेशेवर विकासकेँ बढ़एबाक लेल समर्थ आ सशक्त बनाओत। ई मिशन मात्र समर्थ बनएबाक संबंधमे नहि अपितु क्षमताकेँ विकसित करबाक संबंधमे सेहो अछि। दृढ़ आ निरंतर मार्गदर्शनक माध्यमसँ, शिक्षक लोकनि अपन छात्र लोकनिक विविध शिक्षण आवश्यकताकेँ पूर्ण करबाक लेल स्वयं केर कौशलकेँ विकसित आ परिष्कृत करबामे सक्षम हेताह आ हुनका सभक जीवन पर सकारात्मक प्रभाव देबामे सफल हेताह।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) एनएमएम पर एकटा मार्गदर्शिका तैयार केलक अछि। ई व्यापक दस्तावेज एकटा नियमावलीसँ कतहुँ बेसी महत्त्वक अछि, ई उत्कृष्टताक लेल एकटा रोडमैप अछि, जाहिमे शिक्षक आ प्रशिक्षु दुनूक लेल स्पष्ट उद्देश्य, प्रभावी रणनीति आ व्यावहारिक दिशा-निर्देश देल गेल अछि। ई शिक्षक लोकनिकेँ 21म सदीमे कौशलसँ युक्त करबाक लेल एकटा सुनियोजित ढाँचा प्रदान करैत अछि, जेकर उपयोग ओ अपन विद्यार्थी लोकनिकेँ शिक्षित करबामे कए सकताह आ एकटा एहन पीढ़ीक निर्माण कए सकताह जे आबएवला गतिशील विश्वमे ने केवल उच्चस्तरीय जीवनक लेल तैयार भ' सकताह अपितु जीवन-पथ पर अग्रसर हेबाक लेल तैयार भ' सकताह।

हम एहि पहल केर अगुआई करबाक लेल एनसीटीई केँ हृदयसँ धन्यवाद देबए चाहैत छी। हमरा पूर्ण विश्वास अछि जे ई दस्तावेज शिक्षक आ प्रशिक्षु दुनूक लेल एकटा मूल्यवान संसाधनक रूपमे काज करत, जे हुनका सभकेँ शिक्षण आ सीखबामे उत्कृष्टताक दिस मार्गदर्शन करत।

(धर्मेंद्र प्रधान)

NMM
NATIONAL MISSION FOR
MENTORING

संदेश

अन्नपूर्णा देवी
माननीय शिक्षा राज्य मंत्री
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा एनएमएम पर मनोयोगपूर्ण तैयार कएल गेल मार्गदर्शिका एकटा अभिनव मीलक पाथर दिस संकेत करैत अछि। विद्यालयी शिक्षकक लेल विभिन्न पेशेवर परामर्शदाताक रूपमे मान्यता द' कए जे प्रशिक्षु (मेंटी) क रूपमे काज करैत अछि, राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन (एनएमएम) शिक्षाक लेल एकटा परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करैत अछि। प्रौद्योगिकीक उपयोग करैत गतिशील परामर्शदाता-प्रशिक्षुक बीच अन्योन्य क्रियाक लेल मिशन एक दोसराकेँ पेशेवर आकार देबामे शिक्षकक अमूल्य भूमिका पर जोर दैत अछि। ई दस्तावेज एहि अभूतपूर्व शिक्षक-केन्द्रित कार्यक्रमक संबंधमे व्यापक जानकारी प्रदान करैत अछि, जे एनसीटीई दल केर समर्पणकेँ दर्शाबैत अछि।

हम हुनक प्रयासक सराहना करैत छी आ आशा करैत छी जे एनएमएम शिक्षक लोकनिकेँ सशक्त बनाओत आ हमरा देशमे प्रबुद्ध शिक्षाक भविष्यकेँ बढ़ावा देत।

सफलताक कामनाक संग।

****

संदेश

संजय कुमार, आईएएस
सचिव
विद्यालय शिक्षा एवं
साक्षरता विभाग,
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 शिक्षण-अधिगममे लचीलापन, रचनात्मकता आ नवाचारकेँ बढ़ावा द' कए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल दैत अछि। शिक्षकक लेल राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन (एनएमएम) व्यावसायिक आ विशेषज्ञ लोकनिक हेतु एकटा मंच प्रदान करत, जतए ओ परामर्शदाताक रूपमे शिक्षक-प्रशिक्षुक संग ज्ञान, कौशल आ विशेषज्ञता साझा कए सकैत अछि आ प्रभावी शिक्षक बनबाक ओकर यात्रामे ओकर सहायता कए सकैत अछि। एनएमएम-ब्लूबुक परामर्श सहयोगक अवधारणासँ ल' कए परामर्शी कार्यक्रमक कार्यान्वयन धरि परामर्श-प्रक्रियाक समग्र समझ प्रदान करैत अछि।

हम एनएमएम ब्लूबुक केर अवधारणासँ ल' कए आ एकरा तैयार कए प्रस्तुत करबाक एहि सहयोगात्मक कार्यक लेल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषदकेँ बधाई दैत छी।

शुभकामना!

NMM
NATIONAL MISSION FOR
MENTORING

संदेश

प्रो. योगेश सिंह
अध्यक्ष,
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद,
नई दिल्ली

एनईपी 2020 शैक्षिक आकांक्षाकेँ पूरा करबामे प्रभावी शिक्षकक महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर दैत अछि। संबंधक शक्तिक पहिचान करैत शिक्षाविद आ नेता सभक समर्थन 21म सदीक मांग अछि। राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन (एनएमएम) संरचित परामर्श संबंधक माध्यमसँ संस्थागत सहायता प्रदान करबाक लेल प्रतिबद्ध अछि। एनएमएम पर ब्लूबुक शिक्षक लोकनिक भविष्यकेँ आकार देबा, समालोचनात्मक सोच आ अनुकूलनशीलताकेँ बढ़ावा देबामे सशक्त बनबैत अछि। हम सभ शिक्षकसँ आग्रह करए चाहब जे ओ एहि अवसरक लाभ उठाबैथ आ एहि मिशनमे सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करथि।

हम एहि दस्तावेजकेँ बनएबामे आ एकर अनुकरणीय काजक लेल एनसीटीई दल केर हार्दिक अभिनंदन करैत छी। आउ हम सभ मिलिकए अपन विद्यालय आ व्यापक शिक्षण समुदायमे मार्गदर्शन आ समर्थनक संस्कृतिक निर्माण करी।

संदेश

केसांग वाई. शेरपा
आईआरएस
सदस्य सचिव, राष्ट्रीय अध्यापक
शिक्षा परिषद, नई दिल्ली

शिक्षक लोकनिकेँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति, (एनईपी) 2020 केर संकल्पनाक अनुरूप, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद शिक्षकक सशक्तीकरणक लेल राष्ट्रीय परामर्श मिशनक शुरुआत केलक अछि। प्रौद्योगिकी केर उपयोगसँ एनएमएम भौगोलिक सीमाकेँ पार क' कए भौतिक बाधा सभकेँ दूर करैत, निर्बाध 'परामर्शदाता-प्रशिक्षु' संपर्ककेँ बढ़ावा दैत अछि। ई डिजिटल सेतु, व्यक्तिगत आवश्यकताक अनुरूप गहन एवं निरंतर परामर्श प्रक्रियाकेँ सक्षम बनबैत अछि। परामर्शदाताक रूपमे अनुभवी व्यावसायिक आभासी परामर्श आ सहयोगी मंचक माध्यमसँ प्रशिक्षुक मार्गदर्शन करैत अछि। एनएमएम-ब्लूबुक एहि कार्यक्रममे व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान करैत अछि।

एनएमएम द्वारा शिक्षक लोकनिकेँ सशक्त करबा आ भारतीय शिक्षाक उज्ज्वल भविष्यकेँ आकार देबाक लेल सहयोगी वरिष्ठ सदस्य लोकनि, प्रतिबद्ध एनसीटीई दल आ हितधारक लोकनिक प्रति हमर आभार।

NMM
NATIONAL MISSION FOR
MENTORING

विषय-सूची

प्रस्तावना	I - V
विषय-सूची	**VII**
चित्र-सूची	**X**
तालिका-सूची	**X**
कार्यकारी सारांश	XI
अध्याय I: भारतमे शिक्षा	
1.1. भारतमे शिक्षा: वर्तमान स्थिति	2
1.2. शिक्षकक भूमिका	3
1.3. जटिल एवं ज्वलंत चुनौती सभ	4
1.4. प्रासंगिकता आ संदर्भ	4
1.5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) परामर्शक विजन	4
1.5.1. विद्यार्थी लोकनिक लेल	4
1.5.2. शिक्षक लोकनिक लेल	5
1.5.3. विद्यालयी नेतृत्वकर्ता लोकनिक लेल	5
1.5.4. शैक्षिक नेतृत्वकर्ता आ संस्था सभक लेल	5
अध्याय II: परामर्शक परिचय	
2.1. परामर्शक अवधारणा	8
2.2. परामर्शक सिद्धान्त	9
2.3. परामर्शसँ संबंधित आम मिथक धारणा	10
अध्याय III: राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशनक परिचय	
3.1. राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशनक आवश्यकता	12
3.2. ई मिशन पूरा कोना होएत?	12
3.3. मिशनक अपेक्षित परिणाम की सभ अछि?	15

अध्याय IV: परामर्शदाताक समाधान

4.1. परामर्शदाताक चयन 18

4.1.1. परामर्शदाताक चयन प्रक्रिया 18

4.2. परामर्शदाताक गुण 18

4.3. प्रशिक्षुक गुण 21

4.4. परामर्शदाताक विकास 22

4.4.1. परामर्शदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम 22

4.4.1.1. परामर्शक आधार (मौलिक कौशल) 22

4.4.1.2. परामर्शक प्रकार 23

4.4.2. परामर्शदाताक लेल सतत व्यावसायिक विकास 25

4.5. परामर्शक क्षेत्र 26

4.6. परामर्श संवाद 29

अध्याय V: परामर्श कार्यक्रमक तत्त्व

5.1. कार्यक्रमक रूपरेखा आ योजना 32

5.1.1. परामर्शदाताक प्रगति 32

5.2. कार्यक्रम प्रबंधन 33

5.3. कार्यक्रम संचालन 33

5.3.1. भूमिका आ उत्तरदायित्व सभ 34

5.3.2. परामर्श कार्यक्रमक विभिन्न चरणक संचालन हेतु संस्तुति 34

5.4. कार्यक्रम मूल्यांकन 36

5.5. संस्थानीकरण 38

5.6. प्रोत्साहन 39

5.7. परामर्श कार्यक्रमक चुनौती सभ 39

5.8. शिकायत निवारण तंत्र 41

अध्याय VI: राष्ट्रीय परामर्श अवसंरचना

6.1. परिचय 44

6.2. सिद्धान्त निर्माण 44

6.3. परामर्शदाता-प्रशिक्षुक बीच विचार-विमर्शकेँ सक्षम बनाएब 46

6.4. तकनीकी घटक सभ 46

6.5. एकीकृत परामर्श इंटरफेस (यूएमआई) 48

6.5.1 खोजशीलता 48

6.5.2. विश्वसनीयता 48

6.6. एकीकृत परामर्श नेटवर्क 48

6.7. मंच प्रबंधन 48

अध्याय VII: यात्रा आ आगामी मार्ग

7.1. एनएमएम केर यात्रा 52

7.2. आगामी मार्ग 52

संदर्भ 54

अनुलग्नक 55

अनुलग्नक - I 56

अनुलग्नक- II 59

अनुलग्नक- III 61

अनुलग्नक– IV 62

चित्र-सूची

चित्र 1: भारतमे शिक्षा 2

चित्र 1.2: शिक्षकक भूमिका 3

चित्र 3.1: कार्यकर्ता एक इकाईक रूपमे विचार-विमर्शमे शामिल होइत अछि आ लक्ष्यक दिस आगू बढ़ैत अछि 13

चित्र 3.2: परामर्शक नायक 14

चित्र 3.3: हितधारकक बीच विचार-विमर्शक सिद्धान्त 14

चित्र 3.4: मिशनक प्रमुख चरण 15

चित्र 5.1: परामर्शदाताक प्रगति 33

चित्र 5.2: परामर्शदाताक लेल मूल्यांकन माप 36

चित्र 6.1: राष्ट्रीय परामर्शदाता अवसंरचनाक योजना सिद्धान्त 44

चित्र 6.2: तकनीकी अवसंरना पर सक्षम मुख्य क्रिया सभ 46

चित्र 6.3: एकीकृत परामर्श नेटवर्क (UMN) –घटक स्तरक दृश्य 47

चित्र 7.1: आगामी मार्ग 53

तालिका-सूची

तालिका 4.1: कौशल, घटक आ विवरण 22

तालिका 4.2: परामर्शक विधि 25

तालिका 4.3: परामर्शदाता प्रशिक्षण एवं कौशलक स्तर 26

तालिका 4.4: परामर्शक क्षेत्र आ परिभाषा 26

तालिका 5.1: हितधारक एवं उत्तरदायित्व 34

तालिका 5.2: उद्देश्य आ प्रभाव-संकेत 38

तालिका 5.3: प्रोत्साहनक प्रकार 39

तालिका 6.1: मानदंड आ प्रश्न 49

कार्यकारी सारांश

भारतमे विभिन्न स्तर पर शैक्षणिक गतिविधिसँ जुड़ल लोक ई महसूस केने छथि जे विद्यार्थी सभकेँ सीखबाक व्यापक मिशनमे प्रभावी योगदान देबाक लेल शिक्षक लोकनिकेँ निरंतर सीखबा आ विकास करबाक आवश्यकता अछि।'परामर्शदाता हेतु ब्लूबुक' एहि बढ़ैत आवश्यकताकेँ पूरा करबाक प्रयासक परिणाम थिक। 'परामर्श' (मेंटरिंग) शब्दक प्रयोग कोनो एहन लोकक बीच विचार-विमर्शकेँ संदर्भित करबाक लेल कएल जाइत अछि जे अपन कार्यमे अनुभवी छथि, दक्ष छथि परामर्शदाता (मेंटर) हेताह आ जे किओ हुनक अनुभवसँ सीखए चाहैत छथि ओ प्रशिक्षु (मेंटी) हेताह, एहि मार्गदर्शिका केर मूलमे इएह अछि। ई शिक्षाक परिदृश्यमे विभिन्न हितधारकक हेतु एक परामर्श केर रूपमे काज करबाक प्रयास करैत अछि, जे एहि प्रणालीक भीतर उपलब्ध विशेषज्ञताक लाभ उठएबाक लेल समाधानक रूपमे 'परामर्शदाता' केर खोज करैत अछि। ई मार्गदर्शिका *सात अलग-अलग* अध्यायमे विभाजित अछि—

अध्याय I मे भारतमे शिक्षाक स्थिति पर संक्षिप्त विवरण देल गेल अछि। एहिमे एखन धरिक सरकारी पहल केर सफलताकेँ शामिल कएल गेल अछि, संगहि किछु प्रभाव संकेतक आ शिक्षामे चलि रहल राष्ट्रव्यापी नीति परियोजना सभक उद्देश्य पर चर्चा कएल गेल अछि। एहिमे शिक्षण-प्रणालीक ज्वलंत चुनौती सभक संग-संग एनईपी 2020 केर अनुरूप परामर्शक आवश्यकता पर सेहो चर्चा कएल गेल अछि।

अध्याय II परामर्शक अवधारणा पर ध्यानाकर्षण करैत अछि। ई ओहि सिद्धान्तक चर्चा करैत अछि जेकर आधार पर परामर्श कार्यक्रमक कल्पना कएल जाएत। एहि अध्यायमे परामर्शक संबंधमे प्रचलित मिथक केर उल्लेख सेहो कएल गेल अछि।

अध्याय III मे 'राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन' केर आवश्यकता पर चर्चा कएल गेल अछि। एहिमे 'परामर्शदाता', 'प्रशिक्षु' आ 'प्रशासन'केँ परामर्श संरचनामे तीन मुख्य अग्रणी कार्यकर्ताक रूपमे पहिचान कएल गेल अछि आ हुनका सभक बीच विचार-विमर्शक संबंधमे चर्चा कएल गेल अछि। एकरा सभक अतिरिक्त, एहिमे विभिन्न चरणक सुझाव देल गेल अछि, जेकर माध्यमसँ एहि मिशनकेँ अपन लक्ष्य धरि पहुँचबाक लेल तैयार कएल जा सकए।

अध्याय IV मे विविध पहलू जेना परामर्शदाताक चयन, परामर्शदाता आ प्रशिक्षु केर विशेषता आदि पर विस्तारसँ चर्चा कएल कएल गेल अछि। ई परामर्श कौशलक आधारशिला, परामर्शक प्रकार आ परामर्शदाता केर सतत व्यावसायिक विकास पर सेहो ध्यान केन्द्रित करैत अछि। एहि भागमे ओहि महत्त्वपूर्ण क्षेत्र पर सेहो चर्चा कएल गेल अछि जाहिमे परामर्श देल जा सकैत अछि।

अध्याय V मे कार्यक्रमक रूपरेखा आ योजना, कार्यक्रम प्रबंधन, हितधारक लोकनिक भूमिका आ उत्तरदायित्व, परामर्श कार्यक्रमक विभिन्न चरणक संचालनक लेल संस्तुति, कार्यक्रम मूल्यांकन आ विद्यालय/संस्थान सभ पर कार्यक्रमक प्रभाव केर चर्चा कएल गेल अछि। एहिमे कार्यक्रमक संस्थानीकरण आ प्रोत्साहन पर सेहो चर्चा कएल गेल अछि।

अध्याय VI मे राष्ट्रीय परामर्शदाता अवसंरचना (एनएमआई) केर स्थापना, एकर डिजाइन सिद्धान्त आ प्रौद्योगिकी घटक पर चर्चा कएल गेल अछि; एहिमे एकीकृत परामर्श इंटरफेस (यूएमआई) केर उल्लेख सेहो कएल गेल अछि।

अध्याय VII एनएमएम के यात्रा आ आगामी मार्गक दिस ध्यान आकर्षित करैत अछि।

NMM
NATIONAL MISSION FOR
MENTORING

अध्याय
I

भारतमे शिक्षा

अध्याय I: भारतमे शिक्षा

1.1.भारतमे शिक्षा: वर्तमान स्थिति

भारतमे शिक्षा संबंधी पहल बहुत विचार-विमर्श वला सिद्धान्त पर निर्देशित रहल अछि, जाहिसँ प्रगतिक लेल महत्त्वपूर्ण परिणाम प्राप्त कएल जा सकए। अतीतमे अनेको नवीन शैक्षिक पहल कएल गेल अछि आ कार्यान्वयन केर जटिलताक अछैत ओ सभ सकारात्मक बदलाव लएबामे योगदान देलक अछि। एहिमे मुख्य रूपसँ प्राथमिक स्तर पर ठोस आधार सुनिश्चित करैत शिक्षाकेँ सर्वत्र उपलब्ध करएबा पर ध्यान केन्द्रित कएल गेल अछि। बच्चा सभक लेल अनुकूल स्थानक रूपरेखा तैयार करबा सहित ओकरा सभकेँ विकसित, समायोजित, आत्मविश्वासी वयस्क बनएबाक नीक अवसर भेटए ई तथ्य व्यवहारमे रहल अछि। एहन संरचना सभ जे शिक्षक लोकनिकेँ सुविधादाताक रूपमे देखैत एवं सहयोगात्मक वातावरणक निर्माण करैत शिक्षार्थी लोकनिक प्रगतिक आकलन करबामे सहायक होइत अछि, प्रभावी सिद्ध होइत अछि।

एहि बातमे कोनो संदेह नहि जे एहिमे शिक्षकक भूमिका एक आवश्यक कारकक रूपमे उभरल अछि, जे शिक्षण प्रणालीक परिदृश्यकेँ बदलि सकैत अछि एवं गुणवत्ता, पहुँच आ समानताक बीच संतुलनक चुनौतीक सामना करबाक लेल प्रणालीकेँ सक्रिय कए सकैत अछि। यूडीआईएसई केर तात्कालिक आंकड़ाक अनुसार, भारतक विद्यालयमे लगभग 95 लाख शिक्षक कार्यरत छथि जाहिमे स्थायी, संविदा आ अर्ध-शिक्षक (शिक्षामित्र आ नियोजित शिक्षक) छथि। शिक्षकक योग्यता आ चरित्र, शिक्षाक गुणवत्ता आ राष्ट्रीय विकासमे एकर योगदानकेँ निर्धारित करबामे महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत अछि। एनईपी 2020मे शिक्षक लोकनिक सतत व्यावसायिक विकास आ प्रशिक्षण पर जोर देल गेल अछि। एहिमे अध्यापक शिक्षण कार्यक्रमक विभिन्न पहलूक मार्गदर्शन करबाक लेल अध्यापक शिक्षण हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफटीई) केर मसौदा तैयार करब सेहो शामिल अछि।'शिक्षक सशक्तीकरणक संवर्धन' केँ सेहो उचित महत्त्व देल जाएत, जाहिमे अनिवार्य रूपसँ शिक्षक लोकनिकेँ विद्यालयक लक्ष्य आ नीति-निर्धारण करबामे भाग लेबाक अधिकार देब आ *की आ कोना पढ़एबाक अछि,* एहि संबंधमे अपन पेशेवर निर्णयक उपयोगक अधिकार देब शामिल अछि।

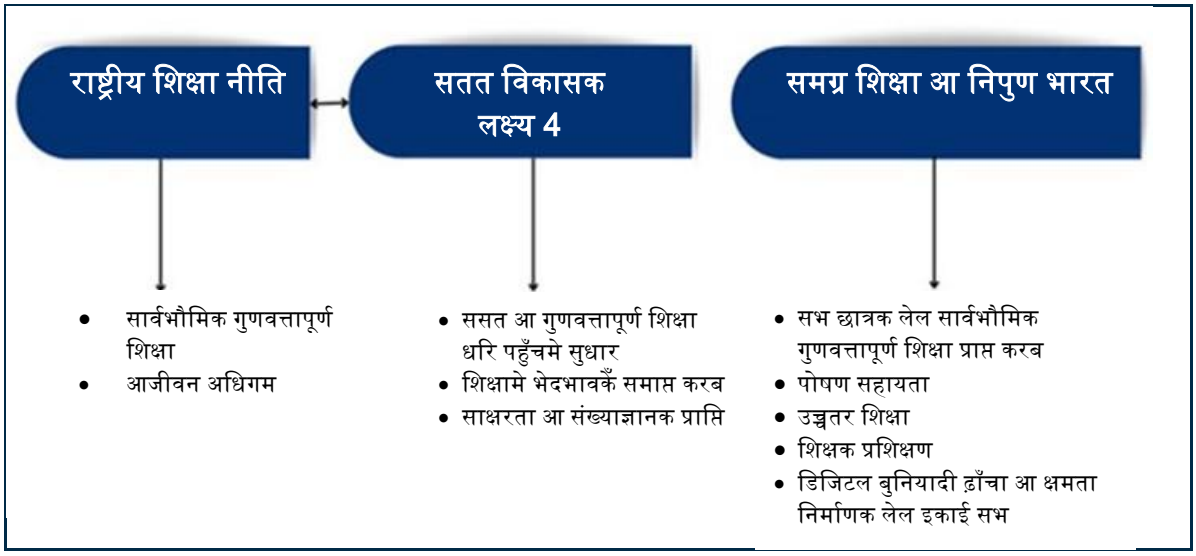

चित्र 1.1: भारतमे शिक्षा

एनईपी 2020 आ संयुक्त राष्ट्रक एसडीजी 4 सार्वभौमिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आ जीवनपर्यंत अधिगमक लक्ष्यकेँ साझा करैत अछि। एकर अतिरिक्त, एसडीजी 4 ससत आ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा धरि पहुँचमे सुधार, शिक्षामे भेदभावकेँ समाप्त करबा आ बुनियदी साक्षरता आ संख्यात्मकताक प्राप्ति पर केन्द्रित अछि। भारत सरकारक प्रमुख योजना, समग्र शिक्षा आ निपुण भारतक उद्देश्य सभ छात्रक लेल सार्वभौमिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करब अछि। पोषण सहायता, उच्च शिक्षा आ शिक्षक शिक्षण पर लक्षित योजना सभ एहि प्रयासक पूरक अछि। बुनियादी ढ़ाँचाक स्तर पर बाधा सभकेँ दूर करबाक लेल डिजिटल शिक्षा, बुनियादी ढ़ाँचा आ क्षमता निर्माणक लेल इकाई स्थापित करबा हेतु संसाधनकेँ निर्देशित कएल जा रहल अछि।

विद्यालय बंद हेबाक कालमे डिजिटल संसाधन शैक्षणिक जीवनरेखाक काज केने छल आ एहि कालमे महामारी पारिस्थितिकी तंत्रकेँ ऑनलाइन शिक्षण-अधिगमक लेल शीघ्रतासँ अनुकूल हेबाक लेल बाध्य केलक। डिजिटल प्रौद्योगिकी द्वारा प्रदान कएल गेल क्षमता महामारीक कालमे अस्थायी समाधानक रूपमे काज करबासँ कतहुँ बेसी छल। एहिसँ शिक्षक लोकनि, नेता आ संपूर्ण समुदायकेँ ई बुझबामे मदति भेटल जे लोक की, कोना, कखन आ कतए सीखैत अछि। ज्ञान प्रदान करबासँ ल' कए ज्ञानक सह-निर्माता, परामर्शदाता, संरक्षक आ मूल्यांकनकर्ताक रूपमे शिक्षकक भूमिका उभरि कए सोझा आएल अछि।

1.2. शिक्षकक भूमिका

छात्र हितकेँ ध्यानमे राखैत, शिक्षण परिणाम प्राप्त करबाक जिम्मेदारी आम तौर पर शिक्षक लोकनि पर होइत अछि। ओ अपन विद्यालय वा अपन क्षेत्रक विद्यालय सभक सांस्कृतिक सारकेँ परिभाषित करबामे सेहो महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत छथि। हुनका कोनहुँ चुनौतीक प्रति अपन प्रतिक्रियात्मक रणनीतिक प्रतिक्रियासँ हटिकए बेसी सक्रिय रणनीतिक प्रतिक्रिया पर ध्यान करबाक होएत। आम तौर पर व्यक्त कएल जाएवला अपेक्षा ई होएत जे रचनात्मक परिवर्तनकेँ सुगम बनाओल जाए आ ओहि परिवर्तनक परिणामस्वरूप होमए वला बदलावक प्रभावी प्रबंधन कएल जाए। विद्यालयमे अपनाओल जाएवला संरचना, नीति, बोर्ड वा अभ्यासकेँ देखैत शिक्षक शिक्षण-अधिगम प्रक्रियामे महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत छथि। अतीतमे चुनौतीसँ प्राप्त अनुभव निरंतर सीखबा आ कौशल निर्माणक आवश्यकताक पुष्टि करैत अछि। पूर्वमे कैक प्रकारक पहल केर शुरूआत कएल गेल अछि जे शिक्षकक क्षमता निर्माण आ सतत व्यावसायिक विकास पर केन्द्रित अछि। निरंतर सीखबा आ विकासक संभावनाकेँ सक्षम करए वला एहि विविध संरचनाक अछैत, एखनहुँ किछु चुनौती सभ एहन अछि जेकर सामना हमर शिक्षक लोकनिकेँ करए पड़ि रहल अछि जे कि विकेन्द्रीकृत आ प्रासंगिक क्षमता निर्माणमे बाधाक रूपमे कार्य करैत अछि।

चित्र 1.2: शिक्षकक भूमिका

1.3. जटिल एवं ज्वलंत चुनौती सभ

शिक्षकक लेल सीखबाक अवसरकेँ समयक मांगक अनुसार रूपांकित आ निर्धारित कएल गेल अछि। यद्यपि बहुत कम अवसर पर हुनका अपन व्यावसायिक विकासक भागक रूपमे चर्चा, सत्र वा शिक्षण मंडलीकेँ चुनबाक अवसर भेटैत अछि। समुदायक भीतर विशेषता सीमित रूपमे मौजूद रहैत अछि, जाहि कारणेँ एकर सर्वोत्तम तरीकासँ उपयोग करब कठिन भ' गेल अछि।

जे शिक्षक सीखबामे रूचि राखैत छथि, ओ अलग-अलग परिवेशसँ अबैत छथि। एहिलेल एकसमान कठिनाई केर सामना कए रहल लोकक लेल सेहो समस्याक समाधानक लेल एक संग मिलिकए काज करब, चर्चा करब आ अपन विशेषज्ञता विकसित करब कठिन रहल अछि। कठिन, नव आ निरंतर विकसित होइत मुद्दासँ निपटबाक प्रयास करैत काल व्यक्ति एसगर आ हताश महसूस करैत अछि, जे अंततः स्थितिकेँ आओरो जटिल बना दैत अछि। महामारी एकटा जीवंत समुदायक महत्त्वकेँ रेखांकित केलक अछि जे आम चिंतासँ निपटबाक लेल निरंतर सीख, अनुभव, चुनौती आ समाधानकेँ साझा करैत अछि। कैक बेर शिक्षक लोकिनकेँ अपन सोझा आबए वला चुनौती समाधान निकालबामे आ विलंबक सामाना करए पड़ैत अछि। ई विलंब मुख्य रूपसँ एहिलेल होइत अछि जे शिक्षककेँ एहि बातक जानकारी नहि होइत छनि जे ओ एहन मंच, तकनीक वा विशेषज्ञ धरि कोना पहुँचथि जाहिसँ हुनका विशिष्ट सहायता भेटि सकनि।

शिक्षक लोकनि अपन भूमिकाक तहत कैक प्रकारक जिम्मेदारीक निर्वहन करैत छथि। अपन भूमिकाक माँगक अनुसार कार्यकेँ संतुलित करैत क्षमता आ व्यावसायिक विकासक लेल समयक प्रबंधन करब बहुत चुनौतीपूर्ण भ' जाइत अछि, विशेष रूपसँ तखन, जखन हुनक शारीरिक उपस्थिति अनिवार्य होइत छनि।

1.4. प्रासंगिकता आ संदर्भ

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र, भूमिका आ विषय-क्षेत्रमे शिक्षकक व्यावसायिक विकासक आवश्यकता हुनक संदर्भ, चुनौती आ रूचिक अधार पर भिन्न भ' सकैत अछि। एहिलेल प्रत्येक शिक्षक अपन समस्याक समाधानक लेल अभिविन्यास आ नेटवर्किंग केर एक अलग तरीका अपना सकैत छथि। किछु शिक्षक सीधे अपन संगी लोकनिसँ सीखब पसिन्न करैत छथि जखन आन समान चुनौतीक सामना कए रहल समुदायक पैघ समूहसँ जुड़ैत छथि। किछु विशेष स्थितमे, विशेषज्ञक राय हुनका समाधान ताकबामे सक्षम बनबैत अछि। एहिलेल एकटा एहन मंचक आवश्यकता अछि जतए शिक्षक लोकनिकेँ पेशेवर सहायता भेटि सकए।

1.5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) परामर्शक विजन

एनईपी 2020 मे गुणवत्तापूर्ण शिक्षाक सतत विकास लक्ष्य 4 केर अनुरूप शिक्षा संरचनाक सभ पहलूकेँ नव रूप देबाक प्रस्ताव अछि।[1] एहिमे परिणामक गुणवत्तामे सुधारक लेल विभिन्न स्तर पर परामर्शकेँ एक समाधानक रूपमे प्रस्तावित कएल गेल अछि।

1.5.1. विद्यार्थी लोकनिक लेल

विद्यालय छोड़बाक दरकेँ कम करबा, सभक लेल शिक्षा धरि पहुँच सुनिश्चित करबाक प्रयासमे, विद्यालयी छात्र लोकनिकेँ पूर्व छात्र आ समुदायक सदस्य द्वारा परामर्श देल जाएत, जाहिसँ सीखबाक बेहतर परिणाम आ निरंतर रूचि उत्पन्न भ' सकए।

[1] Ministry of Human Resource Development. (2020, July 29). National Education Policy 2020. Government of India.

1.5.2. शिक्षक लोकनिक लेल

एनईपी 2020 शिक्षक तैयारीक प्रक्रियाकेँ *"बहुविषयक दृष्टिकोण आ ज्ञान, स्वभाव आ मूल्यक निर्माण आ सर्वोत्तम परामर्शदाताक तहत अभ्यासक विकास" केर रूपमे मान्यता देने अछि।*[2] एहिलेल ई शिक्षक विकासक लेल समग्र रूपसँ परामर्शकेँ सहायक केर रूपमे प्रस्तावित करैत अछि।

अ. एहिमे विद्यालय शिक्षा विभागक समूह संसाधन केन्द्र द्वारा आँगनवाड़ी/बालवाटिकामे ईसीसीई शिक्षकक लेल परामर्श संरचना स्थापित करबाक संग-संग सतत मूल्यांकनक लेल मासिक बैसारक सुझाव देल गेल अछि। व्यावसायिक रूपसँ योग्य ईसीसीई शिक्षककेँ तैयार करबाक दीर्घकालिक प्रस्तावमे, व्यावसायिक प्रशिक्षण, परामर्श तंत्र आ कैरियर मानचित्रणक संयोजनक उपयोग कएल जाएत।

ब. व्यावहारिक प्रशिक्षणक अतिरिक्त सेवारत प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक आ अपन योग्यता बढ़एबाक इच्छुक सेवारत शिक्षकक लेल एकटा उपयुक्त, सुदृढ़ परामर्श व्यवस्था लागू कएल जाएत।

स. शिक्षक लोकनिकेँ दीर्घकालिक व्यावसायिक सहायता प्रदान करबाक लेल एकटा राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशनक स्थापना कएल जाएत, जेकरा उत्कृष्ट पेशेवर समूह द्वारा सुगम बनाओल जाएत।

1.5.3 विद्यालयी नेतृत्वकर्ता लोकनिक लेल

एहिमे शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाक प्रबंधन करबा, निरंतर गुणवत्ता सुधारक लेल मानदंड स्थापित करबा, शिक्षक विकासक लेल निरंतर समर्थन प्रदान करबा आ एकटा सहयोगी शिक्षण संगठन बनएबाक लेल शैक्षणिक प्रमुखक रूपमे शैक्षिक नेताक क्षमता निर्माणक लेल परामर्श संरचनाक सुझाव देल गेल अछि।

1.5.4 शैक्षिक नेतृत्वकर्ता आ संस्था सभक लेल

एनईपी 2020 शैक्षिक नेतृत्वकेँ शामिल क' कए शैक्षणिक संस्थानमे परामर्शक आवश्यकता पर जोर दैत अछि। उच्च शिक्षण संस्थानक लेल एनईपी 2020 केर प्राथमिक ध्यान प्रभावी प्रशासन आ बेहतर नेतृत्वक दिशामे परामर्शक माध्यमसँ ओकर पुनर्गठन आ समेकन करब छल।

अ. उच्च शिक्षण संस्थानमे सशक्तीकरण आ स्वायत्त नवाचारक संस्कृतिकेँ बढ़ावा देबाक लेल, एकटा श्रेणीबद्ध मान्यता प्रदान करबाक व्यवस्था कएल जाएत, जेकरा लेल महाविद्यालय सभकेँ मानक केर कसौटी पूरा करबाक लेल परामर्श देल जाएत। प्रत्येक विश्वविद्यालय अपन संबद्ध महाविद्यालयकेँ "शैक्षणिक पाठ्यचर्या संबंधी मामिला, शिक्षण आ मूल्यांकन, शासन सुधार, वित्तीय स्थिरता, आ प्रशासनिक दक्षता" मे क्षमता विकसित करबामे मदति करबाक लेल परामर्श देत जाहिसँ ओ स्वायत्त डिग्री प्रदान करएवला महाविद्यालयमे बदलाव होएत।

ब. एकर अतिरिक्त, एनआरएफ केर प्राथमिक भूमिकामे सँ एक शैक्षणिक संस्थानक मार्गदर्शन करब होएत ताकि सभ क्षेत्रमे गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अनुसंधानकेँ बढ़ावा भेटि सकए।

[2] Ministry of Human Resource Development. (2020, July 29). National Education Policy 2020. Government of India.

एनईपी 2020 द्वारा प्रस्तुत संस्तुतिक अतिरिक्त, भारतमे शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्रमे विभिन्न उद्देश्यक लेल परामर्श संरचना स्थापित करबाक अपार संभावना अछि। विभिन्न हितधारक लग उपलब्ध ज्ञान आ विशेषज्ञताक उपयोग शिक्षा पारिस्थिकी तंत्रक विभिन्न संवर्गमे प्रभावी आ कुशलतापूर्वक सूचना आ मार्गदर्शन प्रसारित करबाक लेल कएल जा सकैत अछि।

अध्याय
II

परामर्शक परिचय

अध्याय II : परामर्शक परिचय

2.1. परामर्शदाताक अवधारणा

परामर्शदाता (मेंटरिंग) शब्दक प्रयोग दीर्घकालसँ कोनो एहन लोकक बीच विचार-विमर्शकेँ वर्णित करबाक लेल कएल जाइत रहल अछि जे अपन कार्यमे अनुभवी अछि आ जे कोनो एहन लोकक बीच जे ओहि अनुभवसँ सीखए चाहैत अछि। एहन मानल जाइत अछि जे परामर्शदाता आ प्रशिक्षु, दुनूक लेल व्यावसायिक आ व्यक्तिगत विकासक ज्ञान प्राप्त करबाक लेल ई एकटा उत्तम तरीका अछि।[3] एहन विचार-विमर्शमे प्रशिक्षु केर प्रश्नक उत्तर, सहायता, गहन परामर्श, जटिल आ चुनौतीपूर्ण समस्या आदिक समाधान आदि करब शामिल भ' सकैत अछि। परामर्शक संबंध एक दीर्घकालिक, संरचित सहजीवी संबंध अछि, जे समान क्षेत्रक पेशेवरक बीच अनुकूलित विचार-विमर्श पर आधारित होइत अछि, जे मुख्य रूपसँ प्रशिक्षुकेँ पेशेवर विकासक दिस अग्रसर करैत अछि।

<u>परामर्शदाता-प्रशिक्षुक संबंधक कहानी</u>

दुनिया भरिमे परामर्श शब्दक जड़ि प्राचीन इतिहासमे देखल जा सकैछ। अंग्रेजी शब्द 'मेंटर' केर पहिल लिखित प्रमाण यूनानी पाठमे भेटैत अछि। महाभारतमे श्रीकृष्ण अर्जुनकेँ धर्मक मार्ग पर चलबा आ युद्धक मैदानमे अपन कर्त्तव्यक निष्पक्षतासँ पालन करबाक शिक्षा देने छलाह। बौद्ध धर्म मे कमल सूत्र परामर्शदाता-प्रशिक्षु संबंधकेँ मौलिक मानैत अछि, जाहिमे *"लोकक कल्याणक लेल मिलिकए काज करबा आ ओकरा दुखसँ मुक्त करबाक साझा प्रतिज्ञा"*[4] प्राप्त होइत अछि।

परामर्शकेँ लोकक बीच एक साझा संवादक रूपमे प्रस्तुत कएल गेल अछि जाहिमे एक विचारोत्तेजक प्रश्न पुछैत अछि आ दोसर लोक स्वयं प्रश्न पूछिकए ओहिमे शामिल होइत अछि, जे चर्चाक माध्यमसँ आलोचनात्मक सोचकेँ बढ़ावा देबाक सुकरातीय पद्धतिक समान अछि। एकर अर्थ ई अछि जे गुरुकुल प्रणालीक माध्यमसँ भारतीय इतिहासमे शिक्षामे परामर्शक महत्त्वपूर्ण भूमिका रहल अछि। परामर्श देबए वला गुरू होइत छलाह आ प्रशिक्षु शिष्य। ई प्रणाली शिष्यकेँ प्रेरणा आ प्रोत्साहनक माध्यमसँ मार्गदर्शन करैत छल, जाहिसँ ओ अपन क्षमताकेँ साकार करबाक नजदीक पहुँच सकए।[5] चाणक्य द्वारा चंद्रगुप्त मौर्यकेँ पाटलिपुत्रक राजा बनबा आ तत्पश्चात् एक महान सम्राट बनबाक लेल परामर्श देबाक उल्लेख विभिन्न साहित्यिक संदर्भमे कएल गेल अछि।

आब प्राचीन इतिहाससँ कने आगू बढ़ैत, आधुनिक इतिहासमे सेहो सभटा सफल सार्वजनिक व्यक्तित्वक जीवनमे गुरू अथवा परामर्शदाता महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन केने छथि -अरस्तू द्वारा सिकंदर महान सँ ल' कए डॉ. बेंजामिन एलिजा मेस द्वारा मार्टिन लूथर किंगकेँ परामर्श देबा धरि। आब परामर्श सीखबा आ कौशल निर्माणकेँ बढ़एबाक लेल एक महत्त्वपूर्ण आ प्रभावी विधिक रूपमे पुनः उभरए लागल अछि।[6]

[3] Together Platform. "Mentor Handbook." Together Platform.
[4] Soka Gakkai. (2020). The Oneness of Mentor and Disciple. Soka Gakkai (Global).
[5] 5Kukreja, S., Arora, R., & Singh, T. (2020). Mentorship Program: Modern Outlook of Traditional Knowledge. International Journal of Applied & Basic Medical Research.
[6] Hansman, C. A. (2002). Critical Perspectives on Mentoring. Center on Education and Training for Employment, College of Education, The Ohio State University.

जखन कि परामर्शक एकटा सामान्य अर्थ सेहो भ' सकैत अछि जेकर उपयोग वैयक्तिक आ व्यावसायिक आवश्यकताक अनुरूप कएल जाइत अछि, एकरा एक संरचनाक रूपमे परिभाषित कएल गेल अछि—*"लोककेँ सीखबाक प्रवृत्तिक प्रबंधन करबाक लेल समर्थन आ प्रोत्साहन देब जाहिसँ ओ अपन क्षमताकेँ विसंसित कए सकए, कौशल विकसित कए सकए, अपन प्रदर्शनमे सुधार कए सकए आ ओ, ओ लोक बनि सकए जे ओ बनए चाहैत अछि।"*[7]

2.2 परामर्शक सिद्धान्त

यद्यपि, पारस्परिक विचार-विमर्शक काल प्रतिभागीक आवश्यकताक अनुरूप परामर्श विविध प्रकारक भ' सकैछ, तथापि किछु परामर्शक सिद्धान्त संरचनाक सारकेँ बनाकए राखबामे मदति कए सकैत अछि। परामर्श संरचना सभसँ बेसी सफल तखन होएत जखन परामर्शदाता आ प्रशिक्षु, दुनू प्रक्रियामे शामिल होएत। सिद्धान्तक निम्नलिखित सूची नोल्स[8] द्वारा प्रचारित वयस्क शिक्षण सिद्धान्तक अनुरूप बनएबाक लेल तैयार कएल गेल अछि, आ ई ध्यानमे राखल गेल अछि जे ओ परामर्श संरचनाक प्रतिभागी द्वारा आवश्यक रूपसँ निवेशकेँ बढ़ावा देत।

क. प्रशिक्षु निर्देशित : प्रशिक्षु लोकनिकेँ अपन शिक्षाक योजना बनएबा, क्रियान्वयन करबा आ मूल्यांकन करबाक प्रक्रियामे शामिल कएल जएबाक चाही। प्रशिक्षुकेँ संबंधक लेल आगू बढएबाक चाही आ ओकरा अपन विकासक लेल बेसी-सँ-बेसी जिम्मेदारी लेबाक लेल प्रोत्साहित कएल जएबाक चाही। परामर्शदाताक एजेंडा वा दबाव परामर्श विचार-विमर्शक मुख्य आधार नहि हेबाक चाही। परामर्शदाताकेँ प्रशिक्षुकेँ अपन लक्ष्य निर्धारित करबा, चुनौतीक पहिचान करबा आ प्रशिक्षुक आवश्यकताक अनुरूप प्राथमिकता तय करबामे मदति करबाक चाही।

ख. व्युत्पन्न: अनुप्रयोग-उन्मुख : परामर्शक प्रक्रियासँ प्राप्त अंतर्दृष्टिकेँ वास्तविक जीवनक समस्या वा प्रक्रियामे क्रियान्वित करबामे मदति भेटबाक चाही।

ग. अनुप्रयोग-उन्मुख: परामर्शसँ प्राप्त अंतर्दृष्टिकेँ वास्तविक जीवनक समस्या वा प्रक्रिया सभमे क्रियान्वित करबामे सहायता करबाक चाही।

घ. सुविधायुक्त : परामर्शदाताक ध्यान एहन स्थानकेँ सुविधायुक्त बनएबा पर हेबाक चाही जे स्व-निर्देशित, व्युत्पन्न आ अनुप्रयोग-उन्मुख परामर्श अनुभवक लेल आवश्यक परिस्थितिकेँ बढ़ावा देमए आ ओकर समर्थन करए।

ङ. सुरक्षित : यद्यपि परामर्श अनुभव सभ प्रतिभागीक लेल स्वैच्छिक हेबाक चाही, तथापि स्थान सुरक्षित करबाक लेल निरंतर प्रयास कएल जएबाक चाही। संरचनामे विश्वास, गोपनीयता, आपसी सम्मान आ संवेदनशीलता स्थापित करबाक अनुमति हेबाक चाही। परामर्शदाताकेँ प्रशिक्षुक संग सीमा आ आधारभूत नियम पर सहमत भ' कए शुरुआत करबाक चाही जाहिसँ ओकरा बीचक शंकाक समाधान भ' सकए।

च. सहजीवी: परामर्शक प्रक्रियामे प्रशिक्षु आ परामर्शदाता, दुनूक सतत विकास पर ध्यान केन्द्रित रहबाक चाही। जखन कखनहुँ आवश्यक होमए, ओ अपन परामर्श संबंधी संवादकेँ आगू बढएबाक लेल

[7] Parsloe, E., & Leedham, M. (2009). Coaching and mentoring: Practical conversations to improve learning. Kogan Page Publishers.
[8] Knowles, M. S. (1980). The modern practice of adult education: From pedagogy to andragogy. Englewood Cliffs, NJ: Cambridge Adult Education.

सलाह वा सहायता लए सकैत अछि। संवादक लाभ सभसँ बेसी सलाहकारकेँ तखन भेटत जखन ओ स्वीकार करत जे एहि प्रक्रियासँ ओकरा लाभ हेतैक।

2.3. परामर्शसँ संबंधित आम मिथक धारणा

परामर्शसँ जुड़ल आम मिथक धारणा निम्नवत अछि:

क. **परामर्श संबंधसँ मात्र प्रशिक्षुकेँ लाभ भेटैत अछि।** परामर्श एकटा सहजीवी व्यवस्था अछि जाहिमे परामर्शदाता आ प्रशिक्षु, दुनू एक दोसरासँ सीखैत अछि, भनहि एहिसँ प्रशिक्षुकेँ बेसी लाभ देखाइत हो।

ख. **परामर्श देबाक संबंध व्यक्तिगत रूपसँ हेबाक चाही।** परामर्श देबाक लेल सोझा-सोझीक वार्तालाप केर एक अलग लाभ अछि, यद्यपि सलाह देबाक तरीका अतुल्यकालिक वा ऑनलाइन सेहो भ' सकैत अछि।

ग. **एक प्रशिक्षु लग एक समयमे मात्र एकहि परामर्शदाता भ' सकैछ।** अलग-अलग परामर्शदाता अपन विशिष्ट ज्ञान आ कौशलकेँ परामर्श अनुभवमे जोड़ैत छथि आ एहिसँ लोकक पेशेवर अनुभवमे बहुत बेसी सुधार भ' सकैत अछि।

घ. **जखन आवश्यक हो, तखन परामर्श संबंधकेँ सुलभ नहि कएल जा सकैत अछि।** परामर्शक संबंध स्वाभाविक रूपसँ विकसित होइत अछि आ जखन आवश्यक होइत अछि, तखन सुलभ कएल जा सकैत अछि। एकटा संचरित परामर्श संबंध जाहिमे एक पूर्व निर्धारित आवृत्ति आ अंतमे पूरा कएल जाएवला उद्देश्यक एक सूची शामिल होइत अछि।

ङ. **परामर्शदाताक आयु प्रशिक्षुसँ बेसी हेबाक चाही।** परामर्शदाता चुनबाक सभसँ आदर्श तरीका ई अछि जे हुनक विशेषज्ञता, योग्यता, साख आ संग मिलिकए सीखबाक मानसिकताक आधार पर मूल्यांकन कएल जाए।

च. **कोनो लोक परामर्शदाता वा प्रशिक्षु भ' सकैछ।** अपना दम पर उपयोगी परामर्शदाता संबंध बनएबाक लेल आवश्यक कौशल प्राप्त करबाक लेल परामर्शदाताकेँ स्वयं केर परामर्शदाताक आवश्यकता होइत अछि। परामर्शदाता लग स्वयं केर परामर्शदाता होइत अछि जे हुनक पेशेवर विकासमे हुनक मदति करैत छथि।

अध्याय III

राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशनक परिचय

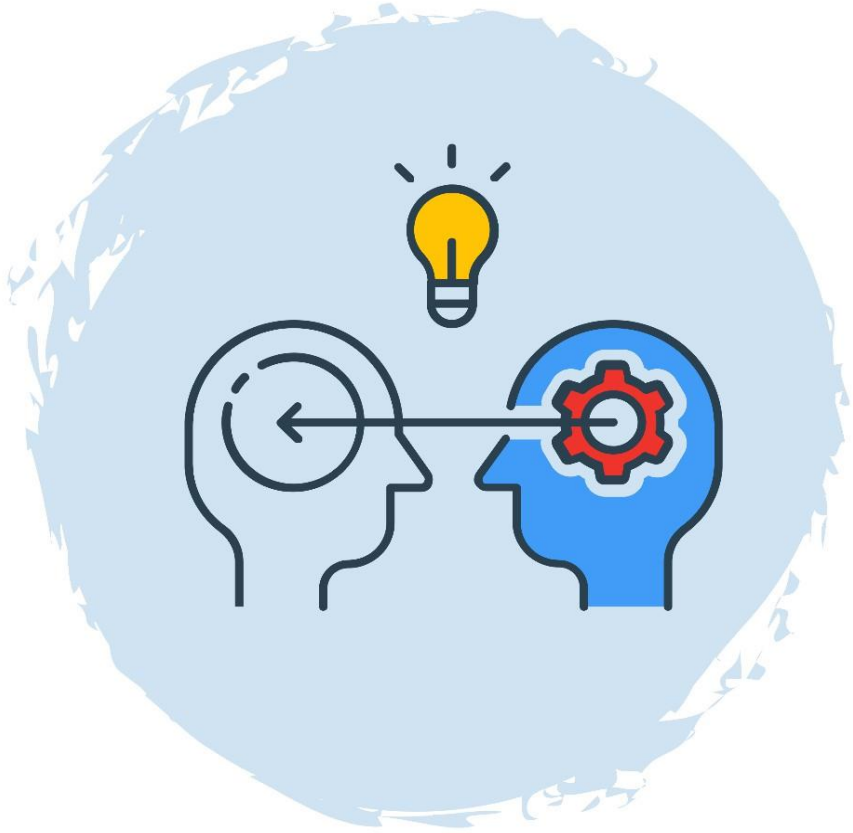

अध्याय III: राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशनक परिचय

पारस्परिक व्यावसायिक विकासक लेल विचारक आदान-प्रदानकेँ बढ़ावा देबाक लेल राष्ट्रीय परामर्श मिशन (एनएमएम) मौजूदा संसाधनक लाभ उठबैत भारतीय शिक्षण प्रणालीक विकासमे द्रुत गतिसँ काज करबामे सहायक होएत। एकरहि ध्यानमे राखैत एनसीईटी विद्यालय शिक्षकक ज्ञान, कौशल आ मूल्यक अधिग्रहण आ साझाकरणमे सुधारक हेतु परामर्शक लेल एक राष्ट्रव्यापी मिशनक प्रस्ताव करैत अछि।

3.1. राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशनक आवश्यकता

आजुक अभूतपूर्व माँग आ चुनौतीमे शिक्षक लोकनिकेँ नव समाधानक आवश्यकता अछि। शिक्षाक क्षेत्रमे शिक्षक लोकनिक समुदाय अपना-आपमे विशेषज्ञतासँ समृद्ध छथि, जिनका लग समस्या समाधान आ संगी केर क्षमता निर्माणमे योगदान देबाक हेतु ज्ञान आ कौशल छनि। जे कोनो प्रणाली निरंतर बदलैत परिवेशक संग अनुकूलन करबामे सक्षम अछि, ओ अपन नागरिककेँ कौशलक सही मिश्रण प्रदान कए सकैत अछि, जाहिसँ ओ संतुष्टिपूर्ण व्यक्तिगत आ व्यावसायिक जीवनमे सक्षम भ' सकए। एहिसँ समावेशी आ दीर्घकालिक आर्थिक विकास होइत अछि। एहिलेल परामर्श प्रणाली वर्तमान कमीकेँ बेसी विकेन्द्रीकृत तरीकासँ दूर करबाक समाधान प्रदान करैत अछि। ई अछि विशेषज्ञता धरि पहुँच, निरंतर व्यावसायिक विकास, समान परिस्थिति वला संगीसँ जुड़बामे अंतराल आ परस्पर-शिक्षणक लाभ उठएबाक लेल एकटा मंचक अभाव। परामर्श लोककेँ एक अनुभवी पेशेवरक संग सीखबाक अवसर प्रदान करैत अछि। परामर्शदाता-प्रशिक्षुक बीच परस्पर विचार-विमर्शक विभिन्न तरीकासँ शिक्षक लोकनिक लेल कौशल आ क्षमता निर्माण संभव भ' सकैत अछि। एहिसँ विशेषज्ञक संग नेटवर्क बनएबा, मंच पर सीखब आ सर्वोत्तम अभ्यासक आदान-प्रदान करबा आ विद्यालय नेतृत्व आ प्रबंधन, पाठ्यक्रम, शिक्षणशास्त्र, शैक्षिक नीति आ मूल्यांकन आदि सन विभिन्न क्षेत्रमे निष्कर्षकेँ प्रसारित करबाक अवसर भेटैत अछि।

सूचना आ सीखबाक पदानुक्रमिक, एकदिशात्मक, ऊपरसँ नीचाक प्रवाह, जेकरा प्रायः प्रशिक्षणक कार्यक्रमक रूपमे तैयार कएल जाइत अछि, वर्तमान शिक्षा प्रणालीमे व्याप्त समस्या सभ अछि। परामर्शक माध्यमसँ पदानुक्रमक सीमाकेँ सिथिल करबा आ मौलिक प्रतिमानमे परिवर्तन लएबाक अवसर भेटैत अछि। एहि तरहेँ सीखब आर बेसी सहकर्मी आ समुदाय आधारित भ' जाएत। एहिसँ सीखब आर बेसी व्यक्तिगत आ निरंतर भ' जाएत।

परामर्शसँ हितधारकक लेल एक सहयोगी एजेंसीक निर्माण होइत अछि, जतए समुदाय क्षमता निर्माणक लेल सीखबा, चिंतन आ साझा करबाक भावनाकेँ बढ़ावा दैत अछि।

3.2 ई मिशन पूरा कोना होएत?

एहि मिशनकेँ कैक कार्यकर्ता द्वारा एक साझा लक्ष्यकेँ प्राप्त करबाक लेल परस्पर क्रियाक रूपमे वर्णित कएल जा सकैत अछि। एकरा शिक्षा क्षेत्रक सभ स्तर पर क्रियान्वित कएल जा सकैत अछि।

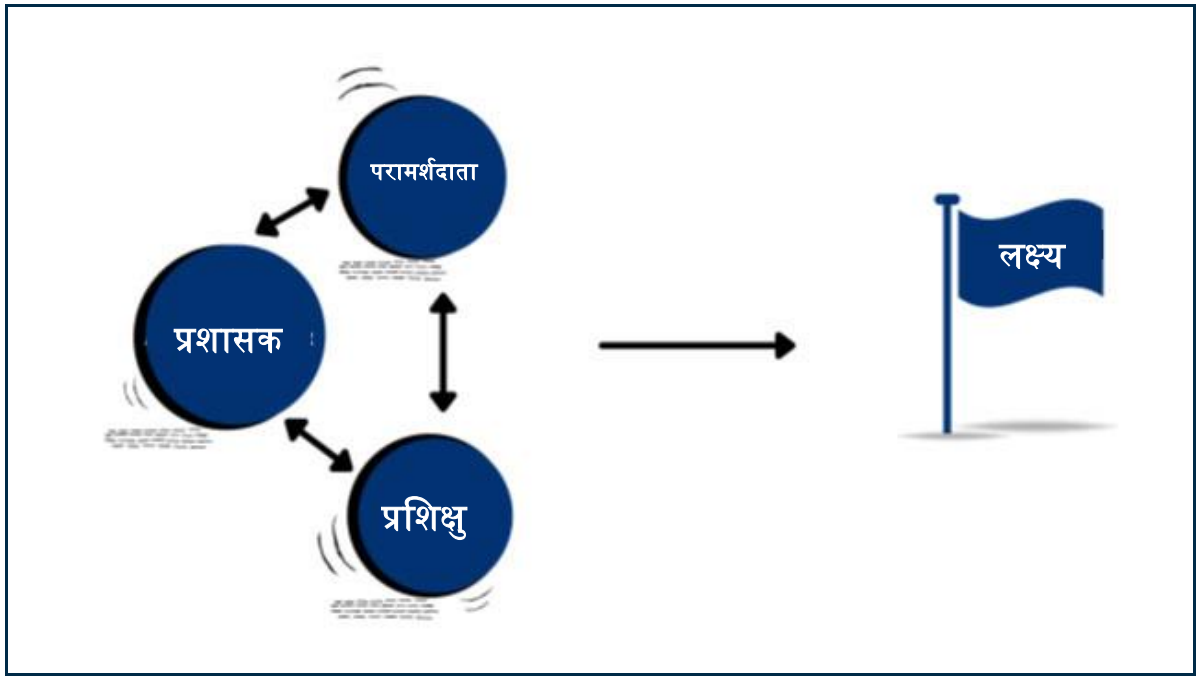

चित्र 3.1: नायक एक इकाईक रूपमे विचार-विमर्शमे शामिल होइत छथि आ अपन लक्ष्यक दिस आगू बढ़ैत छथि।

नायक

एहि परामर्श मिशनक मुख्य कार्यकर्ता परामर्शदाता आ प्रशिक्षु अछि। प्रशिक्षु शिक्षाक क्षेत्रक कोनो संवर्गसँ संबंधित एहन लोक होइत अछि जे कोनो क्षेत्रमे व्यावसायिक विकासक अभिलाषी अछि। परामर्शदाता ओहि कैडर वा ओहिसँ ऊपरक लोक होइत छथि जे किछु समय ओहि क्षेत्रमे व्यावसायिक विकासक खोज कए रहल छथि आ "खोज"क अनुकूल चर्चा आ वार्तालापकेँ सुविधाजनक बनएबामे कुशल छथि।

यद्यपि एक परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक भूमिका छोट स्तर पर परामर्शक गतिविधिकेँ संचालित करबाक लेल पर्याप्त अछि, तथापि मिशनमे एक तेसर तत्वकेँ शामिल कएल गेल अछि जे बहुत वृहत स्तर पर परामर्शक संरचनाकेँ सुविधाजनक बना सकैत अछि। *प्रशासक* (व्यक्तिगत वा इकाई) परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक बीच होमए वला संवादक गुणवत्ता आ आवृत्तिमे निरंतर सुधार लएबाक लेल जिम्मेदार अछि। एकर अतिरिक्त, ओ परामर्श संरचनाक निरंतर विकास आ पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा एकर संस्थानीकरणकेँ सुनिश्चित करैत अछि। किएक तँ पारिस्थितिकी तंत्रमे कोनो परामर्श कार्यक्रमक पैमाना बहुत पैघ हेबाक संभावना अछि, एहिलेल आन सभ हितधारकक लेल परामर्शकेँ एक सहज अनुभव बनएबाक लेल तकनीकी आ ऑनलाइन मंच विकसित करबाक अपार संभावना अछि।

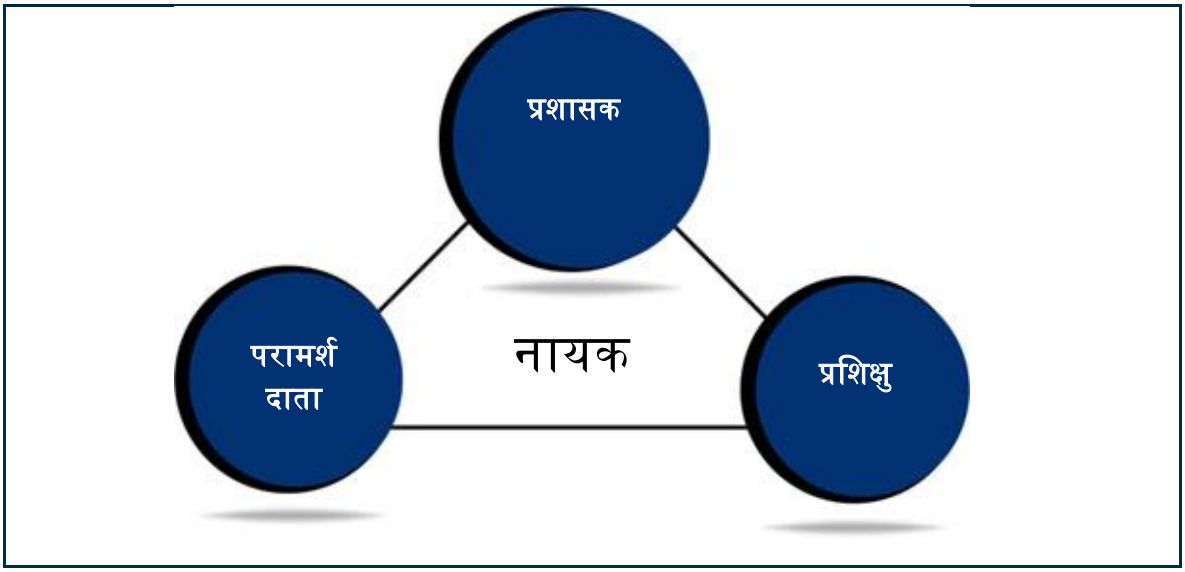

चित्र 3.2: परामर्शक नायक

एहि हितधारक सभक बीच विचार-विमर्श मुख्य रूपसँ ज्ञान कौशल, मूल्य आ सर्वोत्तम विधिक आदान-प्रदान पर केन्द्रित होएत। उदाहरणक लेल, एक परामर्शदाता नव शिक्षकक उन्मुखीकरणक हेतु सर्वोत्तम विधि केर संबंधमे चर्चाकेँ सुगम बनएबाक लेल प्रशिक्षु लोकनिक एक समूहक संग वार्तालापमे संलग्न होइत अछि, संरचनाक प्रशासक परामर्शदाताक संग एक कौशल-निर्माण सत्रमे संलग्न होइत अछि, जाहिमे ओकरा ई सिखाओल जाइत अछि जे विषय-आधारित चर्चाकेँ कोन प्रकारें सुगम बनाओल जाए।

विचार-विमर्शक प्रभावशीलता चारि तत्त्व द्वारा निर्देशित होइत अछि, अर्थात् आश्वासन, सर्वसम्मति, संरचना आ उपकरण।

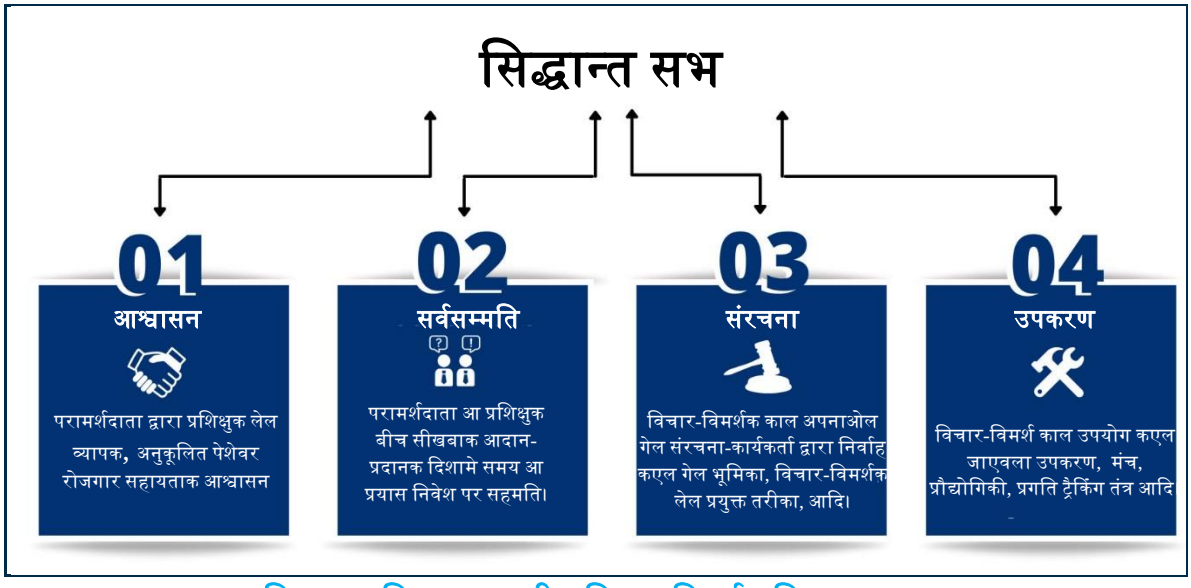

चित्र 3.3: हितधारकक बीच विचार-विमर्शक सिद्धान्त

3.3 मिशनक अपेक्षित परिणाम की सभ अछि?

भारतीय शिक्षण-प्रणालीमे ज्ञान, कौशल आ मूल्यक अधिग्रहण आ हस्तांतरणमे सुधार लएबाक साझा लक्ष्यकेँ प्राप्त करबाक लेल ई सभ कार्यकर्ता एक-दोसराक संग विचार-विमर्श करैत छथि। ई शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्रक सभ स्तर पर वृहत स्तर पर विकेन्द्रीकृत, प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त परामर्श संरचनाकेँ शामिल क' कए प्राप्त कएल जाएत।

अंतिम लक्ष्य शिक्षामे उन्नत, विकेन्द्रीकृत नेतृत्वक माध्यमसँ विद्यालयी शिक्षामे सुधार करब अछि। उदाहरणक लेल—शिक्षक लोकनिक बीच कौशल निर्माणमे गति लएबाक लेल परामर्शक उपयोग कएल जएबाक चाही जाहिसँ हुनक ज्ञानक आधारक विकास भ' सकए, हुनक कौशल विकास भ' सकए आ हुनका कक्षामे चुनौतीक सामना करबाक लेल नीक जकाँ तैयार कएल जा सकए, जाहिसँ छात्रक एक समूहक लेल शिक्षाक दैनिक प्रसारमे सुधार भ' सकए, विद्यालय सभक लेल एक महान शिक्षण संस्थानमे विकसित हेबाक एक गतिशील आ प्रभावी तरीका सिद्ध भ' सकैत अछि। ई मिशन राज्य वा जिला स्तर पर संबंधित हितधारक/संस्था सभकेँ परामर्शकेँ बढ़ावा देबामे भूमिकाक निर्वहन करबाक अनुमति दए क्षमता निर्माणक लेल बेसी विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण अवसर सेहो देत। आगू चलिकए, मिशनकेँ विद्यालयक नेता आ शैक्षिक प्रशासकक लेल परामर्श धरि सेहो बढ़ाओल जा सकैछ। यद्यपि एहि लक्ष्यकेँ प्राप्त करब एक सतत यात्रा अछि, मुदा मिशनक किछु ठोस चरण अछि जे एकर प्रगतिकेँ इंगित करैत रहत।

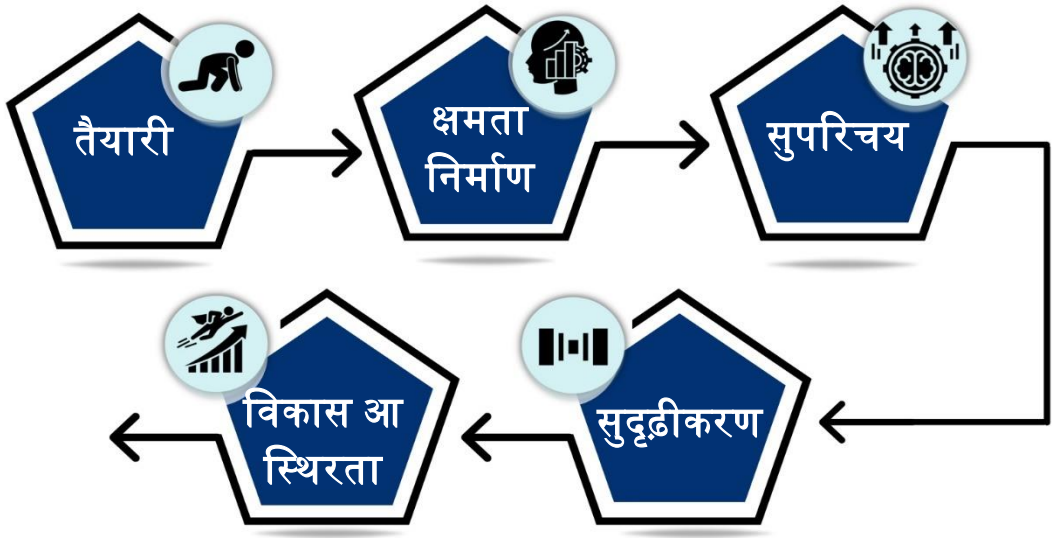

चित्र 3.4: मिशनक प्रमुख चरण

चरण 1: तैयारी

कोनहुँ प्रणालीमे हितधारक व्यावसायिक विकासक लेल आवश्यकताक आकलन कए सकैत अछि आ आवश्यकताक पूर्तिक लेल परामर्श कार्यक्रमक क्रियान्वयन हेतु पर्याप्त संसाधनक रूपरेखा तैयार कए सकैत अछि। एखन सिस्टमक कार्यकर्ता एहि मार्गदर्शिका सन संसाधनक उपयोग कए स्वयंकेँ वृहत स्तर पर परामर्श प्रणालीक कार्यान्वयनक दिशामे उन्मुख कए सकैत अछि।

चरण 2: क्षमता निर्माण

एकबेर जखन परामर्शदाताक भर्ती भ' जाइत अछि, तँ ई चरण आवश्यक परामर्श कौशल आ तकनीकक संग-संग क्षेत्रसँ संबंधित कौशलमे ओकर क्षमता निर्माण करबाक अवसर दैत अछि।

चरण 3: परिचय

एहि चरणक समयावधिमे, परामर्शदाता नियंत्रित वातावरणमे चरण 2 केर समयावधिमे सीखल गेल कौशलक अभ्यास कए सकैत अछि। एहि चरणक उपयोग, परामर्श विचार-विमर्श समयावधिमे कएल गेल गुणवत्ता आ मूल्य पर परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिसँ प्राप्त प्रतिक्रियाक आधार पर चरण 2 मे क्षमता निर्माणक लेल प्रयुक्त कार्यप्रणालीकेँ परिष्कृत करबाक लेल सेहो कएल जा सकैत अछि।

चरण 4: सुदृढ़ीकरण

एक बेर जखन कार्यकर्ता आत्मविश्वासक संग नियंत्रित वातावरणमे परामर्श संरचनाकेँ क्रियान्वित करए लागैत अछि, तँ परामर्शदाता अपन विशेषज्ञताक क्षेत्रमे परामर्शक अनुभव प्राप्त करब आरंभ कए दैत अछि। ई चरण निरंतर क्षमता निर्माण सत्रक माध्यमसँ परामर्शदाताक निरंतर विकासक अनुमति दैत अछि। एहि समय, परामर्श संबंधक अंतिम परिणामक दिस मीट्रिक्सकेँ ट्रैक कएलासँ परामर्श संरचनाक प्रभावशीलताकेँ बुझबा आ निर्धारित परिणामकेँ प्राप्त करबाक लेल एकरा पुनः संरेखित करबामे मदति भेटत।

परिणाम, परामर्श कार्यक्रमक लेल निर्धारित उद्देश्यक अनुरूप हेबाक चाही। उदाहरणक लेल—शिक्षक लोकनिकेँ सहकर्मी मार्गदर्शन मंडलक माध्यमसँ आधारभूत साक्षरता आ अंकगणितमे छात्र लोकनिकेँ सीखबाक परिणामकेँ बढ़एबाक लेल एक कार्यक्रममे, मूल्यांकन करबाक लेल एक परिणाम आधारभूत साक्षरता आ अंकगणित मूल्यांकनमे छात्रक प्रदर्शनमे प्रतिशत (%) वृद्धि अछि।

चरण 5: विकास आ स्थिरता

ई चरण परामर्श संरचनाक परीक्षणसँ ध्यान हटाकए परामर्शमे अभ्यासक समुदाय केर निर्माणक दिस ल' जाइत अछि। आब परामर्श संरचनाकेँ एहि तरहेँ बढ़ाओल जा सकैत अछि जे सिस्टममे सभ संबंधित हितकारक लोकनिक भागीदारी सुनिश्चित होमए आ ओ ओ एहिमे निरंतर रूचि बनौने राखए। एकरा निम्नलिखित तंत्रकेँ आरंभ क' कए प्राप्त कएल जा सकैछ:

अ. मूल्य प्रस्तावक प्रदर्शन क' कए भागीदारीक आवश्यकताकेँ बढ़ावा देब।

ब. सभक भागीदारीकेँ सक्षम करबाक लेल संस्थागत बनाएब आ

स. प्रासंगिक प्रोत्साहनक माध्यमसँ संरचनामे निरंतर भागीदारीक लेल कार्यकर्ताकेँ प्रेरित करब।

निम्नलिखित अनुभाग मिशनक उपर्युक्त चरणबद्ध प्रसारकेँ पूरा करबाक लेल परामर्श प्रणालीमे सभ कार्यकर्ताक बीच विचार-विमर्शक मूल्यकेँ प्रभावी ढ़ंगसँ बढ़एबाक लेल किछु संरचनाकेँ चित्रित कएल गेल अछि।

अध्याय IV

परामर्शदाताक समाधान

अध्याय-IV: परामर्शदाताक समाधान

4.1 परामर्शदाताक चयन

परामर्श संरचनाक लेल संरचनाकेँ सुगम बनएबा आ प्रक्रियाकेँ दीर्घ समय धरि बनाकए राखबाक लेल एक प्रशासक (लोक वा इकाई) केर अतिरिक्त नामित परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक आवश्यकता होइत अछि। एहि खंडमे एहि बात पर विचार कएल गेल अछि जे परामर्शदाताक चयनक प्रक्रिया केहन भ' सकैत अछि, आ परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिक कोन-कोन गुण अछि जे परामर्श संरचनाकेँ सफल बनएबामे सहायक होएत।

4.1.1 परामर्शदाताक चयन प्रक्रिया

परामर्शक संबंधमे, परामर्शक पर संरचनामे शामिल आन हितधारक केर विश्वास होएब आवश्यक अछि। परामर्शदाताक चयनक लेल अपनाओल गेल प्रक्रिया परामर्शदातामे विश्वास विकसित करबामे महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत अछि, आ एकर परिणामस्वरूप परामर्श संबंधी विचार-विमर्शक तरीकामे सेहो महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत अछि। एतए महत्त्वपूर्ण अछि जे परामर्शदाताक चयन प्रक्रियामे निम्नलिखित बातक अनुमति हेबाक चाही:

अ. सहकर्मी द्वारा नामांकित वा संभावित उम्मीदवार द्वारा रूचिक अभिव्यक्ति

ब. परामर्श चयन मानदंडक माध्यमसँ उम्मीदवारक आवेदनक मूल्यांकन

स. परामर्शदाताक अभिविन्यास आ क्षमता निर्माण

विभिन्न क्षेत्र/विषयसँ समाजशास्त्री, मनोवैज्ञानिक आ शिक्षाविदकेँ सेहो उपयुक्त परामर्शदाता चयन प्रक्रिया तैयार करबामे मदतिक लेल शामिल कएल जा सकैत अछि। एहिसँ सिस्टमक आवश्यकताक आधार पर चयन प्रक्रियाकेँ प्रासंगिक बनएबामे सेहो मदति भेटि सकैत अछि।

परामर्शदाता चयन प्रक्रिया सभ इच्छुक उम्मीदवारक लेल सुलभ हेबाक चाही। उदाहरणक लेल, एहन संभावित उम्मीदवार भ' सकैत अछि जे तकनीकक संग सहज नहि छथि वा हुनका तकनीक धरि पहुँच नहि छनि। एहि तरहेँ, जँ परामर्श संरचना आन क्षेत्रसँ परामर्शदाताक चयन करबाक इच्छा राखैत अछि, जेना अखिल भारतीय/राज्य सेवा अधिकारी, तँ आवेदन करबाक लेल चयन प्रक्रिया हुनका लेल स्पष्ट हेबाक चाही। संभावित अभ्यर्थीक लेल परामर्शदाता चयन प्रक्रिया कोनो बाधा नहि हेबाक चाही।

4.2 परामर्शदाताक गुण

किछु एहन गुण अछि जे परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लग हेबाक चाही, जेकरा हुनका तैयारी करबाक चाही आ सीखबाक चाही, जाहिसँ ओ परामर्श संबंधसँ पहिने ओहि अवधिमे अधिकतम लाभ उठा सकथि। परामर्शदाता लोकनिमे आकांक्षात्मक गुण हेबाक चाही, जिनका कारणेँ कार्यक्रमसँ वांछित परिणाम प्राप्त भेल होमए। किछु विशेषता एहन होइत अछि जेकरा परामर्शदाताक संबंधमे भूमिकाक निर्वहन करबाक लेल आवश्यक मानल जा सकैत अछि, जखन कि किछु विशेषताकेँ परामर्शदाता प्रशिक्षण आ सतत क्षमता निर्माण कार्यक्रमक माध्यमसँ विकसित कएल जा सकैत अछि।

परामर्श व्यवस्थाक संदर्भक आधार पर, एतए विशेषताक एक सूची देल गेल अछि जे परामर्शदाताक चयनक

लेल प्रासंगिक बिंदुक रूपमे कार्य कए सकैत अछि आ परामर्शदाता प्रशिक्षणक लेल संदर्भक रूपमे सेहो कार्य कए सकैत अछि।

क. विविधताक प्रति जागरूकता:एहि संदर्भमे, विविधताक प्रति जागरूक हेबाक अर्थ अछि परामर्श कार्यक्रमक अवधिमे देल गेल वातावरणमे विभिन्न लोक, समूह आ विचारक अस्तित्वक प्रति जागरूक होएब। एहिमे विभिन्न प्रकार परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिक सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, लिंग, आयु, संस्कृति, जाति, धर्म आ आन पहलूसँ संबंधित व्यक्तिगत अंतरक प्रति जागरूक होएब आवश्यक अछि।

ख. प्रभावी संप्रेषण : प्रभावी संप्रेषण परामर्शदाताक प्रमुख गुण अछि। एहिमे विचार, अवधारणा, ज्ञान, सोच आ भावनाकेँ संक्षिप्त आ विश्वसनीय तरीकासँ संप्रेषित करबाक क्षमता शामिल अछि। एकर अतिरिक्त, सक्रिय रूपसँ सुनब, बुझब आ दोसराकेँ जवाब देब सेहो परामर्शदाताक लेल महत्त्वपूर्ण गुण अछि। एहिलेल, सफल कार्यक्रम कार्यान्वयनक लेल प्रभावी संप्रेषण बहुत बेसी आवश्यक अछि।

ग. संवेदना :परामर्शदाता लोकनिकेँ अपन प्रशिक्षुक प्रति सहानुभूति राखबाक चाही, हुनक दृष्टिकोण, भावना, विचार आ अनुभवकेँ बुझबाक चाही आ हुनकासँ जुड़बाक चाही। एहिसँ परामर्शदाताकेँ उचित मार्गदर्शन आ सहायता प्रदान करबामे सहायता भेटैत अछि।

घ. अनुभव :एहि स्थितिमे अनुभव महत्त्वपूर्ण अछि, किएक तँ कार्यक्रममे परामर्शदाता आ प्रशिक्षु, दुनू महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत अछि। अनुभवसँ तात्पर्य ओहि ज्ञान, कौशल आ क्षमतासँ अछि जे परामर्शदाता अपन व्यावसायिक विकासक क्रममे अर्जित केने छथि। प्रशिक्षु केर समान संवर्गमे परामर्शदाता केर समृद्ध अनुभव प्रशिक्षु द्वारा सामना कएल जा रहल परिस्थिति आ चुनौतीसँ जुड़बा आ सर्वोत्तम अभ्यासक उदाहरण प्राप्त करबा आ ओकरा साझा करबाक लेल आवश्यक अछि।

ङ. विशेषज्ञता: विशेषज्ञता शब्दक प्रयोग कोनो एहन लोकक वर्णन करबाक लेल कएल जाइत अछि जेकरा लग कोनो विषय, पेशा वा क्षेत्रमे उच्च स्तरक ज्ञान, कौशल वा दक्षता होइत अछि। प्रशिक्षुकेँ अपन क्षेत्र गंभीर समझ विकसित करबाक लेल, परामर्शदाताकेँ ओहि संबंधित क्षेत्र वा विषय-क्षेत्रक विशेषज्ञ हेबाक चाही एवं अंतर्दृष्टि आ सर्वोत्तम अभ्यास प्रदान करबामे सक्षम हेबाक चाही।

च. लचीलापन : परामर्शक दृष्टिकोणसँ ओकरामे लचीलापन होएब, परामर्शदाताक महत्त्वपूर्ण विशेषतामे सँ एक अछि। परामर्श कार्यक्रमक अवधिमे, परामर्शदाताकेँ प्रशिक्षु केर आवश्यकताक अनुसार विषय-वस्तु आ दृष्टिकोणकेँ अनुकूलित आ संशोधित करबामे सक्षम हेबाक चाही। ओकरा लग सभ प्रशिक्षुक लेल विषय-वस्तुकेँ आसानीसँ सुलभ बनएबाक लेल प्रस्तुतीकरण विभिन्न तरीकाक उपयोग करबाक क्षमता हेबाक चाही। प्रक्रिया आ दृष्टिकोणमे लचीलापन, दुनू परामर्श कार्यक्रममे महत्त्वपूर्ण भूमिकाक निर्वहन करैत अछि।

छ. प्रेरणादायक : सफल परामर्शदातामे प्रेरणादायक गुण हेबाक चाही। परामर्शदाता जे अपन प्रशिक्षुकेँ प्रेरित करैत अछि, ओकरामे जोश, उत्साह आ प्रेरणाक भावना जगा कए ओकरा अपन सभसँ पैघ क्षमता प्राप्त करबामे मदति करैत अछि। एक प्रेरणादायक परामर्शदाता प्रशिक्षुकेँ महानताक लेल प्रयास करबाक हेतु प्रेरित करैत अछि एवं ओकरासँ उच्च प्रदर्शनक अपेक्षा राखैत अछि। ओ अपन स्वयं केर कार्य आ सफलताक माध्यमसँ ई उदाहरण द'कए जे महान चीज प्राप्त कएल जा सकैत अछि, ओ अपन प्रशिक्षुकेँ अपन सुविधा क्षेत्रसँ आगू बढ़बा आ अपन उद्देश्यकेँ प्राप्त करबाक लेल प्रेरित करैत अछि।

ज. नेतृत्व कौशल : एक समान लक्ष्य वा उद्देश्यक दिस दोसराक नेतृत्व करबा, ओकरा प्रभावित करबा आ प्रेरित करबाक लेल परामर्शदातामे नेतृत्व गुण आ व्यवहार हेबाक चाही। अपन प्रशिक्षुकेँ प्रोत्साहित करबा आ ओकर मार्गदर्शन करबाक लेल परामर्श संबंधकेँ प्रभावित करबाक लेल नेतृत्व कौशल परामर्शदाताक लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

झ. समालोचनात्मक चिंतन: परामर्शदाताक लेल तर्क आ कारणक आधार पर विचार, परिस्थिति आदिक विश्लेषण आ मूल्यांकन करब महत्त्वपूर्ण अछि। परामर्शदाताकेँ प्रायः समस्याक समाधान तार्किक रूपसँ करबाक चाही आ साक्ष्य खोज कएने बिना तथ्य वा जानकारीकेँ स्वीकार करबाक ठाम पर विभिन्न दृष्टिकोण पर विचार करबाक चाही। आलोचनात्मक चिंतन, परामर्शदाताकेँ प्रशिक्षु लोकनिकेँ चुनौती आ बाधासँ निपटबा, ओकर दृष्टिकोणक मूल्यांकन करबा, परिस्थितिक अनुसार अनुकूलन करबा आ उचित प्रतिक्रिया देबामे सहायता करबामे सक्षम बनबैत अछि।

ञ. रचनत्मकता: रचनात्मकता परामर्शदाताकेँ नव विचारक निर्माण आ नवोन्मेषी समाधान उत्पन्न करबामे सक्षम बनबैत अछि, जाहिसँ प्रशिक्षु चुनौती पर विजय प्राप्त कए सकए। इहो महत्त्वपूर्ण अछि जे परामर्शदाता अपन प्रशिक्षुकेँ विभिन्न दृष्टिकोणक पता लगएबा आ नव समाधानक लेल नव विचार, अवधारणा आ परिप्रेक्ष्यक संग प्रयोग करबाक लेल प्रोत्साहित करए।

ट. प्रतिबिंबन: चिंतनशील कौशल परामर्शदाताकेँ आत्मचिंतनक लेल अपन विचार आ विचारकेँ संसाधित करबा, परामर्श सत्रक मूल्यांकन करबा, प्रशिक्षु लोकनिसँ सक्रिय रूपसँ प्रतिक्रिया लेबा आ परामर्शदाताक रूपमे निरंतर विकसित हेबामे सक्षम बनबैत अछि। ई परामर्शदाताकेँ अपन रणनीतिकेँ परिष्कृत करबा, परामर्शक आवश्यकताक संबंधमे ओकर समझकेँ गंभीर करबा आ सार्थक मार्गदर्शन आ सहायता प्रदान करबामे सहायता करैत अछि। इहो महत्त्वपूर्ण अछि जे परामर्शदाता प्रशिक्षु लोकनिकेँ चिंतनशील कौशल विकसित करबाक लेल प्रोत्साहित करए।

उपर्युक्त विशेषताक अतिरिक्त, परामर्शकमे अपन प्रशिक्षुक चुनौतीकेँ बुझबा आ ओकरा पर्याप्त समर्थन देबाक लेल उच्च भावनात्मक बुद्धिमता हेबाक चाही। परामर्शदताक व्यक्तित्वक किछु उदाहरण नीचाँ देल गेल अछि:

परामर्शदाताक व्यक्तित्व 1

सुश्री अस्मिता पंत केन्द्रीय विद्यालयमे प्रिंसिपल छथि। ओ विगत 20 वर्षसँ विद्यालय प्रधान छथि आ 10 वर्ष पहिने केन्द्रीय विद्यालयमे प्रिंसिपलक रूपमे पदभार ग्रहण केलनि। एक शिक्षिकाक रूपमे ओ समयक संग शिक्षणमे विशेषज्ञता प्राप्त केलनि आ अपन ज्ञान आ अनुवभवक उपयोग विद्यालय सुधारक लेल करए लागलीह। ओ किछु नेतृत्व मॉडल पूरा क' कए अपन समझकेँ उन्नत करैत विद्यालय दल आ संस्थान प्रबंधनमे सुधार करबाक शुरूआत कएलनि। ओ अपन विद्यालयक शिक्षक आ कर्मचारी लोकनिक बात सुनलनि आ ओहि सभ क्षेत्रक पहिचान केलनि जाहिमे सुधारक आवश्यकता छल। ओ ई बात नीक जकाँ बुझैत छलीह जे अलग-अलग लोकक काज करबाक अलग-अलग शक्ति आ विकास क्षेत्र होइत अछि, अतः शिक्षक आ कर्मचारीसँ चुनौतीपूर्ण क्षेत्रक संबंधमे बात करैत समय ओ अपन दिमाग एकदम खुजल राखैत छलीह। प्रतिक्रिया दैत काल ओ ताकत आ विकास क्षेत्रक पहिचान कए ओकर सबूत देखब/सुनब सुनिश्चित करैत छलीह एवं रचनात्मक आलोचना पर अपन ध्यान केन्द्रित करैत छलीह। ओ अपन कार्य आ ओकर परिणाम पर बेर-बेर चिंतन करैत छलीह आ ओहि चिंतनक उपयोग अपन कार्यकेँ बदलबा आ ओहि तरीकाकेँ तोड़बाक लेल करैत छलीह जे हुनक काजमे अकुशलता आ नकारात्मकताक दिस संकेत

करैत छल। प्रायः सीखबाक प्रवृत्तिसँ ओत-प्रोत ओ दोसरो कैं सीखैत रहबाक प्रेरणा दैत रहैत छलीह। एकरा लेल ओ विद्यालयक कर्मचारीक लेल कार्यशालाक आयोजन करैत छलीह जाहिसँ ओ लोकनि अपन कौशलमे वृद्धि कए सकथि आ उदाहरण प्रस्तुत कए सकथि जे जँ सीखब जारी राखल जाए तँ कोना निरंतर सुधार संभव भ' सकैछ। एहन करैत काल ओ प्रायः प्रयास करैत छलीह जे हुनक शिक्षक आ कर्मचारी लोकनि सुरक्षित आ सहज रहथि जाहिसँ आवश्यकता पड़ला पर हुनका सभक सहायता लेल जा सकए। आइ ओ विद्यालय सुधार परियोजनाक नेतृत्व करबामे अपन अनेको वर्षक अनुभवक बल पर देश भरिक विद्यालयमे सुधार करबाक दिशामे कार्यरत नेता सभक लेल एक आदर्श छथि आ देश भरिक विद्यालय नेतृत्व हुनक विभिन्न संदर्भसँ आर बेसी सीखबाक दिशामे काज कए रहल अछि संगहि ओ विद्यालय विकास हेतु परामर्श देबाक क्षेत्रमे अपन अभिरुचि राखैत छथि।

परामर्शदाताक व्यक्तित्व 2

श्री अमरपाल बालेंग सीबीएसई संबद्ध विद्यालयमे भूगोलक शिक्षक छथि। ओ विगत 20वर्षसँ विद्यालयमे पढ़ा रहल छथि आ अपन विद्यालयक शिक्षक लोकनिक निरंतर प्रेरणा स्रोत रहलाह अछि। एक शिक्षकक रूपमे अपन कौशलक अतिरिक्त ओ प्रायः विद्यालयक सभ शिक्षक लोकनिक बात बड़ मनोयोगसँ सुनैत छथि आ नव शिक्षक लोकनिकैं विद्यालयक संस्कृतिमे सहजतासँ ढालबामे सहायता करैत छथि। हुनकामे विद्यालयक सभ शिक्षक आ कर्मचारी लोकनिक सहायता करबाक गुण छनि एहिलेल हुनक ख्याति एक व्यापक प्रेरणादायक नेताक रूपमे छनि। ओ कार्यस्थल पर सुरक्षा, व्यावसायिकता आ कार्य नैतिकताक उच्च मानक आ महत्त्व एवं लाभकैं बुझैत छथि आ ओ अपन व्यवहार आ कार्यक माध्यमसँ एकरा स्पष्ट करैत रहैत छथि। ओ अपन विशेषज्ञताक उपयोग विद्यालयक आन शिक्षक लोकनिक समर्थन, परामर्श आ सहजता महसूस करएबाक लेल करए चाहैत छथि जाहिसँ हुनका सभक पेशेवर जीवन सफल भ' सकए।

4.3 प्रशिक्षुक गुण

परामर्श संबंधकैं सफल बनएबाक लेल, प्रशिक्षु लोकनिकैं लक्ष्योन्मुख हेबाक चाही, पहल करबाक चाही, चुनौतीक खोज करबाक चाही, सीखबाक लेल उत्साह देखएबाक चाही आ जिम्मेदारीकैं स्वीकार करबाक चाही। ओकरा कार्यक्रममे सक्रिय भागीदारी करबाक चाही, आलोचनात्मक क्षमताकैं बनाकए राखबाक चाही, ज्ञानक अतिरिक्त नव क्षमताक खोज करबाक चाही, जिम्मेदारी उठएबाक चाही आ सफलताक लेल विभिन्न प्रभावक प्रति खुलल रहबाक चाही।[9] प्रशिक्षु केर व्यक्तित्वक किछु उदाहरण नीचाँ देखल जा सकैछ:

प्रशिक्षु केर व्यक्तित्व 1

श्री सेल्वा कुमार केन्द्रीय विद्यालयमे शिक्षक छथि। ओ विगत 12 वर्षसँ शिक्षक छथि। आर बेसी सीखबा आ अपन भूमिकामे आगू बढ़बाक हुनक इच्छा हुनका विद्यालयी शिक्षा पर किछु पाठ्यक्रम लेबाक लेल प्रेरित केलक अछि। हुनका विद्यालयमे औसत दर्जासँ उत्कृष्टताक दिस बढ़बा आ सभ छात्र लोकनिक लेल उत्तम अनुभव बनएबाक अपार संभावाना देखार पड़ैत छनि। आब ओ अपन विद्यालय सुधार यात्राक लेल परामर्शदातासँ परामर्श लेबए चाहैत छथि आ किछु नब सीखबाक लेल उत्साहित छथि।

[9] National Institute of Technical Teachers Training and Research. (2020, September). Making Mentoring Relevant: NEP 2020 PERSPECTIVE.

प्रशिक्षु केर व्यक्तित्व 2

सुश्री संगीता प्रधान जवाहर नवोदय विद्यालयमे अंग्रेजीक शिक्षिका छथि। शिक्षणमे पेशेवर प्रशिक्षणक बाद ई हुनक पहिल पूर्णकालिक शिक्षिकाक नोकरी छनि। विद्यालयमे काज शुरु कएलाक पश्चात् हुनका अपन प्रशिक्षणक अनरूप ओकरा कक्षामे लागू करबामे किछु समय लागलनि। 7म आ 8म कक्षाक छात्र वला कक्षामे काज करबामे हुनका लग कैकटा चुनौती छलनि, जाहिमे अलग-अलग छात्रकेँ संबोधित करब सेहो शामिल छल। सुश्री प्रधान समय निकालि कए समायोजन करबाक निर्णय लेलनि आ विद्यालयमे आ अपन नेटवर्कक माध्यमसँ आन अध्यापकसँ सहयोग लेबाक निर्णय लेलनि। ओ सीखबा आ परामर्श लेबा हेतु उत्सुक छलीह आ अपन संगी लोकनिक संग वार्तालाप, कार्यशालामे भाग लेबा आ निरंतर चिंतनक माध्यमसँ कक्षामे आबएवला कठिनाईकेँ दूर करबामे सक्षम छलीह।

4.4 परामर्शदाताक विकास

परामर्शदाता लोकनिकेँ परामर्श संबंधकेँ आर बेसी समृद्ध आ सक्षम बनएबाक लेल उपकरण आ अवसर सभ प्रदान कएल जएबाक चाही। परामर्शदाता विकास कोनो परामर्श कार्यक्रमक एकटा भाग हेबाक चाही आ ई दू चरणमे हेबाक चाही:

अ. एकबेर जखन परामर्शदाताक चयन भ' जाइत अछि, तँ परामर्श प्रशिक्षण कार्यक्रम परामर्शदाताकेँ परामर्श संबंधी बातचीतकेँ सुविधाजनक बनएबाक लेल नीक जकाँ तैयार हेबामे मदति कए सकैत अछि।

ब. जेना-जेना परामर्श कार्यक्रम आगू बढ़ैत अछि, सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) केर अवसरक एकटा सेट परामर्शदाताकेँ समर्थित महसूस करबा आ सलाहकारक रूपमे विकसित हेबामे मदति कए सकैत अछि।

4.4.1 परामर्शदाताक प्रशिक्षण कार्यक्रम

परामर्शदाता लग विविध प्रकारक कौशल होइत अछि, जेना कि अनुशासनमे विशेषज्ञता, संप्रेषण, सहानुभूति आ भावनात्मक बुद्धिमता, समस्या समाधान कौशल, समय प्रबंधन आ नेतृत्व कौशल। ई व्यावसायिक कौशल हुनका परामर्श कार्यक्रमक अवधिमे अपन प्रशिक्षुकेँ सहायता वा परामर्श देबामे सक्षम बनबैत अछि। परामर्श प्रशिक्षण कार्यक्रमकेँ परामर्शदाताक दू क्षेत्रमे विकसित हेबामे मदति करबाक चाही:आधारभूत परामर्श कौशलक विकास आ परामर्श प्रकारक प्रति अभिविन्यास।

4.4.1.1 परामर्शक आधारशिला (मौलिक कौशल)

एहि तरहक प्रशिक्षणसँ किछु कौशल विकसित कएल जा सकैत अछि:

तालिका 4.1: कौशल, घटक आ विवरण

कौशल	अवयव	विवरण
सम्प्रेषण	सक्रिय श्रवण	परामर्शमे सक्रिय श्रवणक महत्त्व आ मुख्य तत्त्व
	चिंतनशील आ गहन प्रश्न पूछब	विभिन्न परिस्थितिक लेल विभिन्न प्रकारक प्रश्न पूछिकए सार्थक वार्तालापकेँ निर्देशित करब।
	प्रतिपुष्टि आदान-प्रदान	प्रभावी रूपसँ रचनात्मक प्रतिपुष्टिक आदान-प्रदान हेतु युक्ति सभ

नेतृत्व	परिवर्तन प्रबंधन	संगठनात्मक परिवर्तन आ एकरा संबंधमे संप्रेषणक माध्यमसँ लोकेकेँ सकारात्मक रूपसँ नेतृत्व आ प्रेरित करबाक तरीका सभ
	दृष्टि आ लक्ष्य निर्धारित करब	परामर्शक संबंधक लेल सार्थक दृष्टिकोण आ SMART लक्ष्य निर्धारित करब
	उत्तरदायित्वक निर्माण	दलमे सफलतापूर्णक उत्तरदायित्वक निर्माण करब आ काज सौंपबा ,निगरानी करबा आ प्रतिपुष्टिमे कौशल प्रदर्शित करब
	विकासात्मक सोच विकसित करब	विकास मानसिकताक आवश्यकताकेँ स्पष्ट करब एवं स्वयं केर आ अपन प्रशिक्षुक विकास मानसिकताकेँ बढ़एबाक लेल सहयोगात्मक रणनीति बनाएब
	समय प्रबंधन	समय आ कार्यकेँ प्रंबंधित करबा आ प्राथमिकता देबाक लेल सुझाव
	संस्कृति निर्माण	उत्तम टीम/प्रशिक्षु समूह संस्कृतिक निर्माणक लेल अवसरक पहिचान आ ओकरा क्रियान्वित करब
अन्य उभरैत कौशल	नेटवर्किंग	उद्देश्यपूर्ण समस्या समाधानक लेल एक महत्त्वपूर्ण साधनक रूपमे नेटवर्किंग केर महत्त्वकेँ बुझब
	परामर्श आ एकर महत्त्व	परामर्श आ एकर महत्त्वकेँ परिभाषित करब ,संगहि परामर्शक तरीका सेहो बताएब।

4.4.1.2 परामर्शक प्रकार

परामर्श विचार-विमर्श वर्चुअल आ फिजिकल, दुनू तरीकासँ समकालिक वा असमकालीन तरीकासँ संचालित कएल जा सकैत अछि। परामर्शकेँ निम्न प्रकारसँ विभाजित कएल जा सकैत अछि:

परामर्शक अनुभव परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिक लेल रचनात्मक तखन भ' जाइत अछि जखन वार्तालाप चारि प्रमुख क्रियाकेँ उत्प्रेरित करैत अछि, *अधिगम करब, साझा करब, समाधान करब आ संपर्क करब*, जाहिसँ प्रशिक्षु लोकनिकेँ अपन-अपन संदर्भमे समस्याकेँ सोझरएबाक क्षमता विकसित भ' सकए, जेहन कि नीचाँ चित्रित कएल गेल अछि:

अ. व्यक्तिगत परामर्श

व्यक्तिगत परामर्श एक व्यक्तिगत ज्ञान-साझाकरण वार्तालाप अछि जे प्रतिभागी अपन पसिन्नक विषय पर कए सकैत अछि। ई परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिक बीच केन्द्रित चर्चा अछि। प्रशिक्षुकेँ साझा करबा, सीखबा आ चर्चा करबाक लेल कोनो विश्वसनीय लोक (परामर्शदाता वा सहकर्मी) सँ जुड़बाक अवसर भेटैत अछि। परामर्शदाता प्रशिक्षुकेँ ओकरा द्वारा अर्जित कौशल आ ज्ञानकेँ सुदृढ़ करबामे सहायता करैत अछि आ ओकरा बुझबैत अछि जे ओ अपन सोझा आबए वला चुनौतीमे अपन ज्ञान आ कौशलकेँ कोना लागू करए। एक-पर-एक परामर्शक माध्यमसँ जुड़ब प्रशिक्षु लोकनिक लेल एकटा अंतर्दृष्टि यात्रा बनि जाइत अछि, किएक तँ ओकरा व्यक्तिगत आ व्यावसायिक रूपसँ विसकित हेबामे सहायता करैत अछि, संगहि ओकर क्षमतामे एक दृढ़ विश्वासक निर्माण करैत अछि। ई प्रशिक्षु केर विकासमे मदति करैत अछि। परामर्शदाताक लेल, ई ओहि

समुदायमे योगदान करबाक अवसर प्रदान करैत अछि जेकरासँ ओ जुड़ल छथि।

ब. सामूहिक परामर्श

सामूहिक परामर्शमे प्रशिक्षु लोकनिक एहन समूह शामिल होइत अछि जे समान चुनौतीक सामना कए रहल छथि। ई ओहि प्रशिक्षु लोकनिक लेल सहायक अछि जे अपन संगी लोकनिसँ सीखए चाहैत छथि आ नेटवर्क बनाबए चाहैत छथि।

क. परिचर्चा मंडल (ज्ञानांतरण संबंधी परामर्श)

चर्चा मंडल (मेंटरिंग सर्किल) केर माध्यमसँ समुदायक आवश्यकतासँ संबंधित अवधारणा (नीति, योजना आदि) आ सर्वोत्तम अभ्यासकेँ सुगम बनाओल जा सकैत अछि। ई स्थान ओहि विशेषज्ञक लेल खुलल रहि सकैत अछि जे अपन ज्ञान, अनुभव आ सीखकेँ साझा करबाक लेल परामर्शक केर भूमिकाक निर्वहन करैत अछि। परिचर्चा मंडल परामर्शक सुंदरताकेँ क्रियात्मक तत्त्वक संग जोड़ैत अछि। एहि मंडलक उपयोग प्रशिक्षु लोकनिकेँ सामूहिक रूपसँ सीखबा आ प्रगति करबाक लेल प्रेरित करबाक लेल कएल जा सकैत अछि। एहिमे समान चुनौतीक सामना कए रहल लोक वा सामूहिक ज्ञानक निर्माण करबाक इच्छुक लोकक लेल एक संग आबिकए अन्वेषण आ चर्चा करब आसान भ' जाइत अछि, जखन कि ओकरा कोनो एहन लोक द्वारा परामर्श वा सलाह देल जाइत अछि जेकरा लग ओहि विशेष अवधारणाक ज्ञान, अनुभव आ विशिष्टता अछि : परामर्श मंडलकेँ चुनबाक अवसर, जेकर ओ हिस्सा बनए चाहैत अछि, प्रशिक्षु लोकनिकेँ ई चुनबाक स्वतंत्रता दैत अछि जे ओ की सीखए चाहैत अछि आ ककरासँ सीखए चाहैत अछि।

ख. सहकर्मी परामर्श

एहि प्रकारमे पेशेवरक एकटा समूह जे विशिष्ट चुनौती सफलतापूर्णक सामना केने छथि वा किछु क्षेत्रमे विशेषता विकसित केने छथि, अपन संगीक लेल चर्चा आ परामर्शक आयोजन करैत छथि। सहकर्मी परामर्श सत्रमे विभिन्न दृष्टिकोणसँ ज्ञान आ अनुभव साझा क' कए सहकर्मीक बीच सहायक संबंधकेँ बढएबाक संभावना रहैत अछि। ई प्रशिक्षु लोकनिकेँ समान परिस्थिति वला लोकक विश्वसनीय नेटवर्क प्रदान करैत अछि, जेकरा संग ओ अपन सर्वोत्तम अभ्यास साझा कए सकैत अछि, संगहि-संग ओ अपन ज्ञानमे सेहो अभिवृद्धि कए सकैत अछि। सहकर्मी परामर्शसँ तात्पर्य दूतरफा, पारस्परिक रूपसँ लाभकारी शिक्षण प्रक्रियासँ अछि। किएक तँ परामर्शदाता आ प्रशिक्षु दुनू ज्ञान आ अनुभव साझा करैत अछि, एहिलेल ई दुनू पक्षक लेल लाभदायक अछि। जखन सहकर्मी परार्शदाता प्रशिक्षुकेँ परामर्श आ सहायता प्रदान करैत अछि तँ प्रशिक्षु स्वयंकेँ ज्ञानकेँ बुझबा आ ओकरा विभिन्न तरीकासँ लागू करबाक लेल प्रयास करैत पबैत अछि, जाहिसँ ओकरा सीखबामे मदति भेटैत अछि। ई 'सर्वोत्तम अभ्यास साझाकरण'क लेल एक मंचक रूपमे सेहो काज करैत अछि।

ग. समस्या-आधारित परिचर्चा (स्थितिजन्य परामर्श)

एहि प्रकारमे, प्रशिक्षु अपन सोझा आबए वला कोनो विशिष्ट समस्याकेँ ल' कए नेटवर्क/परामर्शदाता लग पहुँचैत अछि, जाहिसँ समाधानक आशा कएल जा सकए। ई प्रकार सामूहिक समस्या समाधानक लेल एक महान अवसरक रूपमे काज करैत अछि।

घ. फ्लैश मेंटरिंग (त्वरित परामर्श)

क्षणिक परामर्श अल्पकालीन परामर्श अछि जे संक्षिप्त आ केन्द्रित समयावधिमे होइत अछि। एकर प्रयोग आमतौर पर ओहि स्थितिमे कएल जाइत अछि जतए लोककेँ कोनो विशिष्ट मुद्दा वा विषय पर त्वरित परामर्शक

सहायता आ आवश्यकता होइत अछि। ई कम समयमे मूल्यवान जानकारी आ समर्थन प्राप्त करबाक एकटा कुशल तरीका अछि।

यद्यपि ऊपर बताओल गेल प्रकारक उद्देश्य परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिक बीच वार्तालापकेँ प्रोत्साहित करब अछि तथापि परामर्श वार्तालापकेँ क्रियान्वित करबाक अतिरिक्त तरीका सेहो संभव अछि ई ऑनलाइन आ ऑफलाइन माध्यमक संयोजनसँ समकालिक, असमकालीन तरीकाक उपयोग क' कए भ' सकैत अछि, जेना कि निम्नलिखित तालिकामे देखाओल गेल अछि:

तालिका 4.2 परामर्शक विधि

विधि→ मीडिया↓	समकालिक	असमकालीन
ऑनलाइन	ऊपर वर्णित सभ मोड, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण उपयोग करैत *ई वृहत स्तर पर परामर्श कार्यक्रमक लेल उपयोगी संयोजन भ' सकैत अछि, जतए व्यक्तिगत सत्र संभव नहि भ' सकैत अछि, किएक तँ परामर्शदाता आ प्रशिक्षु अलग-अलग भौतिक स्थान पर भ' सकैत अछि।*	कार्य सौंपबा आ प्रतिक्रियाक आदान-प्रदान करबाक लेल ऑनलाइन उपकरण, जेना चिंतनशील असाइनमेंट, संबंधित प्रश्नक संग केस-स्टडी आदि। *एकर प्रयोग आत्मचिंतन आ आत्म-शिक्षण समयकेँ प्रोत्साहित करबाक लेल ऑनलाइन-समकालिक कार्यक्रमक अतिरिक्त कएल जा सकैछ।*
ऑफलाइन	ऊपर वर्णित सभ विधि व्यक्तिगत सेटिंगमे *ई संयोजन लघु स्तर पर कार्यक्रमक लेल सभसँ बेसी उपयोगी भ' सकैत अछि आ संचार केवल ऑनलाइन माध्यम धरि सीमित नहि राखि कए परामर्श संबंधी वार्तालापकेँ बढ़ाओत।*	पुस्तक गतिविधि किट, अनुभवात्मक कार्यक्रम आदि सन ऑफलाइन उपकरण सौंपल जा सकैछ *एहि संयोजनक उपयोग स्व-शिक्षणकेँ प्रोत्साहित करबाक लेल बेसी अनुकूलित ऑफलाइन/ऑनलाइन-असमकालीन परामर्श कार्यक्रमक अतिरिक्त कएल जा सकैछ।*

4.4.2 परामर्शदाताक लेल सतत व्यावसायिक विकास

परामर्शदाताक प्रशिक्षण क्रमबद्ध हेबाक चाही आ जेना-जेना परामर्शदाता बेसी परामर्शात्मक वार्तालापमे संलग्न होइत अछि, ओकरा आगू बढएबाक चाही। उदाहरणक लेल—परामर्शदाताकेँ विभिन्न कौशलसँ परिचित करएबाक लेल विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण देल जा सकैछ आ एकर बादक घटक ओकर सतत क्षमता-निर्माणमे मदति कए सकैत अछि:

तालिका 4.3: परामर्शदाता प्रशिक्षण एवं कौशलक स्तर

स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
परामर्श आ ओकर सार	परिचर्चा मंडल	उत्तरदायित्वक निर्माण
दृष्टि आ लक्ष्य निर्धारित करब	संस्कृति निर्माण	नेटवर्किंग
समूहगत सुविधा	व्यक्तिगत परामर्श	सहकर्मी परामर्श
समस्या-आधारित चर्चा	जाँच संबंधी प्रश्न पूछब	परिवर्तन
समकालिक सुविधा	प्रतिक्रिया लेब आ देब	विकसित मानसिकता
सक्रिय रुपसँ सुनब		समय प्रबंधन
असमकालीन सुविधा		
खोजपूर्ण प्रश्न पूछब		

एकर अतिरिक्त, परामर्शदाताकेँ प्रशासकीय संस्था द्वारा प्रदान कएल जाएवला क्षमता निर्माण गतिविधिसँ इतर सेहो अवसर भेटबाक चाही, जाहिसँ प्रशिक्षु लोकनिसँ ओकर चर्चाक सीमा व्यापक भ' सकए आ बेसी-सँ-बेसी परिप्रेक्ष्य सोझा आबि सकए। सीपीडीमे समय-समय पर परामर्शदाताकेँ शामिल करबाक संरचना परामर्श विकासक लेल आवश्यक अछि आ एहि विशेष सत्र, वेबिनार, क्षमता निर्माणक लेल ऑनलाइन पाठ्यक्रम आदिक माध्यमसँ पूरा कएल जा सकैछ।

4.5 परामर्शक क्षेत्र

उपर्युक्त प्रकारक परामर्शक उपयोग विभिन्न क्षेत्रमे परामर्शक आधार पर कएल जा सकैत अछि। परामर्श कार्यक्रमक उद्देश्य, हितधारकक आवश्यकता आ संदर्भक आधार पर, कोनो क्षेत्रमे परामर्शक संस्तुति कएल जा सकैछ। सत्रक लेल सभसँ प्रासंगिक परामर्श विषयकेँ खोजबाक लेल निम्नलिखित क्षेत्र (तालिका (4.4 केर उदाहरणक रूपमे उपयोग कएल जा सकैछ। ई पहिचानल गेल क्षेत्र एनईपी 2020केर अनुरूप अछि। आन उभरैत क्षेत्रक सेहो पहिचान कएल जाएत आ ओकरा कार्यक्रमक निरंतरतामे शामिल कएल जाएत।

तालिका 4.4: परामर्शक क्षेत्र आ परिभाषा

परामर्शक क्षेत्र	परिभाषा
पेडागोजिकल कॉन्टेस्ट नॉलेज (पीसीके) – विद्यालयी विषय/विषयक सामग्रीकेँ जानब आ बुझब	पीसीके एक वाक्यांश अछि जे कोनो शिक्षकक विषय आ शैक्षणिक ज्ञानक वर्णन करबाक लेल देल जाइत अछि। विषय-वस्तुक ज्ञानसँ तात्पर्य विशिष्ट विषय जेना गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला आदिसँ संबंधित तथ्य, सिद्धान्त, सिद्धान्त आ अवधारणाकेँ बुझबासँ अछि। दोसर दिस शैक्षणिक ज्ञानसँ तात्पर्य ओहि विधि आ रणनीति सभसँ अछि जेकर उपयोग शिक्षक शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाक अवधिमे शिक्षार्थीक सहायताक लेल करैत अछि।

मौलिक साक्षरता आ गणना	जेहन कि एनईपी 2020 मे कहल गेल अछि, 2025 धरि प्राथमिक विद्यालयमे सार्वभौमिक आधारभूत साक्षरता आ संख्यात्मकताक उपलब्धि सर्वोच्च प्राथमिकता अछि। जाधरि विद्यार्थी कक्षा 3 मे पहुँचैत अछि, ताधरि ओकरा अर्थपूर्ण पढ़बा आ लिखबामे समर्थ हेबाक चाही आ संख्यात्मकसँ संबंधित बुनियादी समय विकसित करबाक चाही। बुनियादी साक्षरता आ अंक-ज्ञान विद्यालय आ कक्षा-कक्षसँ बाहरक जीवनसँ सम्मिलनसँ प्राप्त कएल जा सकैछ।
समान आ समावेशी शिक्षा	एनईपी 2020 समान आ समावेशी शिक्षा पर जोर दैत अछि आ एहि अवधारणाकेँ बढ़ावा दैत अछि जे सभ बच्चाकेँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भेटबाक चाही। एहिमे वंचित समूह द्वारा उठाओल गेल चुनौती पर विचार कए गेल अछि जेना (महिला, ट्रांजेंडर समूह, अनुसूचित जाति आ जनजाति, ओबीसी, दिव्यांग आ आन वंचित समूह)। ई नीति सभ बच्चाक लेल समावेशी शिक्षण वातावरण सृजित करब सुनिश्चित करैत अछि।
योग्यता-आधारित शिक्षा	योग्यता-आधारित शिक्षा एक दृष्टिकोण अछि जे दृष्टिकोण, ज्ञान आ कौशल विकसित करबा पर ध्यान केन्द्रित करैत अछि, जे एक निश्चित पाठ्यक्रम आ समय-सीमाक माध्यमसँ जारी राखबाक ठाम पर अवलोकनीय आ मापनीय होमए। योग्यता-आधारित शिक्षाक उद्देश्य ई सुनिश्चित करब अछि जे छात्रकेँ अपन ज्ञानकेँ वास्तविक जीवनक परिदृश्यमे लागू करबाक क्षमता होमए।
कहानी खेलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र	एनईपी 2020 आ आधारभूत चरणक लेल राष्ट्रीय पाठ्यचर्याक रूपरेखा, 2022 सीखबाक आधारभूत चरणमे बच्चा सभकेँ कहानी सुनएबा आ खेलौना पर आधारित शिक्षाशास्त्रक अत्यधिक अनुशंसा करैत अछि। प्रारंभिक अवस्थामे बच्चा द्वारा अर्जित वैचारिक समझकेँ खेलौना आधारित शिक्षण द्वारा मजगूत कएल जा सकैत अछि। एहिसँ बच्चा सभमे सामाजिक-भावनात्मक विकास, प्रतिभा आ रचनात्मकताकेँ प्रोत्साहन भेटत।
अनुभव आधारित अधिगम	एनईपी 2020 अनुभवात्मक शिक्षाकेँ अपनएबाक सुझाव दैत अछि, जाहिमे “प्रत्येक विषयक मानक शिक्षणक भीतर व्यावहारिक शिक्षा, कला-एकीकृत आ खेल-एकीकृत शिक्षा आ कहानी-कहबा पर आधारित शिक्षाशास्त्रक एकीकरण शामिल अछि।”
भारतीय ज्ञान	भारतीय ज्ञान आ विचार प्रायः ज्ञान, बुद्धि आ सत्यक खोजकेँ शिक्षाक एक अंग मानैत रहल अछि। भारतीय ज्ञानमे शिक्षाक उद्देश्य परम आत्म-साक्षात्कार आ मुक्तिक संग-संग लोककेँ जीवनक लेल तैयार करब अछि। प्राचीन भारतीय ज्ञानक तत्त्वकेँ वैज्ञानिक तरीकासँ संबोधित कएल जा सकैत अछि।
क्रिया अनुसंधान	क्रियात्मक अनुसंधान एक प्रकारक व्यवस्थित जाँच अछि जे कक्षा आ विद्यालयमे विशिष्ट मुद्दा सभ पर ध्यान केन्द्रित करैत अछि। ई शिक्षक द्वारा रणनीतिक संबंधमे अधिक जानबाक लेल आयोजित कएल जाइत अछि आ शिक्षण-अधिगम वातावरणमे निर्णय लेबामे मदति करैत अछि।

नीति ,नैतिकता आ संवैधानिक मूल्य	एक उत्तम शिक्षा प्रणाली सिद्धान्त, नैतिकता आ संवैधानिक मूल्य द्वारा निर्देशित होइत अछि जे सहानुभूति, दोसराक प्रति सम्मान, स्वच्छता, शिष्टाचार, लोकतांत्रिक भावना, सार्वजनिक संपत्तिक प्रति सम्मान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वतंत्रता, जिम्मेदारी, बहुलवाद, समानता आ न्याय पर केन्द्रित होइत अछि।
डिजिटल शिक्षा साक्षरता	एनईपी 2020 सभकेँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करबाक लेल प्रौद्योगिकीक लाभ उठएबाक महत्त्वकेँ स्वीकार करैत अछि। डिजिटल प्लेटफॉर्म आ आईसीटी-आधारित शैक्षिक पहल आवश्यक अछि आ भविष्यक शैक्षिक परिदृश्यक चुनौतीक समाधान करबाक लेल एकरा बढ़ावा देबा आ विस्तारित करबाक आवश्यकता अछि।
व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य आ कौशल	एनईपी 2020 व्यावसायिक आ शैक्षणिक शिक्षाक बीच कोनो कठोर विभाजन नहि करबाक अवधारणाकेँ प्रोत्साहित करैत अछि। विशेष रूपसँ विद्यार्थीकेँ अपन रूचिक अनुसार विषय चुनबाक विकल्प भेटत, जाहिसँ ओ भविष्यमे अपन बाट स्वयं चुनि सकए। इंटर्नशिप केर संभावनाक माध्यमसँ, ई छात्र लोकनिकेँ कमार, माली, कुम्हार आ कलाकार सहित विभिन्न क्षेत्रमे व्यावसायिक विशेषज्ञसँ परिचित करबैत अछि।
कला-एकीकृत शिक्षा	शिक्षण पद्धतिमे कला-एकीकृत शिक्षाकेँ शामिल कएलासँ बच्चा सभक लेल एक आनंदमय शिक्षण वातावरणक सृजन होएत। भारतीय कला आ संस्कृतिक एकीकरण सीखबामे भारतीय लोकाचार आ मूल्यकेँ बनाकए राखत आ शिक्षा आ संस्कृतिक बीचक बन्हनकेँ आर सुदृढ़ करत, जे कोनो देशक शिक्षा प्रणालीक सभसँ महत्त्वपूर्ण पहलू अछि।
खेल-एकीकृत शिक्षा	एनईपी 2020 मे-एकीकृत शैक्षणिक दृष्टिकोणक सेहो सुझाव दैत अछि जे स्वदेशी खेल सहित शारीरिक गतिविधिक उपयोग करैत अछि। एहिसँ छात्र लोकनिकेँ सहयोग, स्व-पहल, स्व-निर्देशन, आत्मानुशासन, टीम वर्क आ उत्तरदायित्व सन कौशल विकसित करबामे मदति भेटत।”
सामुदायिक सहभागिता	विभिन्न प्रकारक अध्ययन प्रभावी शिक्षणक लेल बच्चा सभक शिक्षा प्रक्रियामे समुदायक भागीदारी केर समर्थन केलक अछि। विभिन्न तरीकासँ समुदायक सार्थक भागीदारीसँ बच्चा सभमे सांस्कृतिक सम्मानक भावना विकसित होएत आ सामाजिक-भावनात्मक शिक्षामे वृद्धि होएत। एहिसँ विद्यालयक बाहर समाजक गतिशीलताकेँ जानबामे मदति भेटत।
21म सदी केर कौशल	ई कौशल वा क्षमताक व्यापक शृंखलाकेँ संदर्भित करैत अछि जे विकासशील समाज आ विश्वमे सफल हेबाक लेल व्यक्तिक आवश्यकताक रूपमे उभरल अछि। एहि कौशलमे रचनात्मकता, डिजिटल साक्षरता, समस्या समाधान, संचार, नवाचार आ अनुकूलनशीलता शामिल अछि। नव-नव उभरैत प्रौद्योगिकीक विकासक संग-संग, ई सभ कौशल आब वैश्विक नागरिक बनबाक लेल लोकक हेतु बहुत महत्त्वपूर्ण भ’ गेल अछि।
360डिग्री मूल्यांकनक निर्माण आ क्रियान्वयन (समग्र	एनईपी 2020 बच्चा सभक लेल 360 डिग्री बहुआयामी मूल्यांकनक सुझाव दैत अछि। बच्चा सभक मूल्यांकन शिक्षक, अभिभावक, सहपाठी आ स्व-मूल्यांकन द्वारा समग्र रूपसँ कएल जएबाक चाही। एहिमे संज्ञानात्मक, भावनात्मक आ

मूल्यांकन)	मनोप्रेरक विकासक सभ पहलूकेँ शामिल कएल जाएत।
शिक्षकक मानसिक स्वास्थ्य	वर्तमान शैक्षिक परिदृश्यमे शिक्षक केन्द्रीय भूमिकाक निर्वहन कए रहल छथि आ हुनक पेशा अत्यधिक माँगवला भ' गेल अछि। भावनात्मक माँग, कार्य-जीवन संतुलन आ प्रदर्शनक दबाव किछु एहन कारक अछि जे विद्यालय शिक्षकक मानसिक स्वास्थ्यकेँ प्रभावित करैत अछि। एहिलेल विद्यालयमे सहायक आ स्वस्थ शिक्षण वातावरण बनएबाक लेल शिक्षकक मानसिक स्वास्थ्यक मुद्दाक पहिचान करब महत्त्वपूर्ण अछि।

4.6 परामर्श -संवाद

रचनात्मक परामर्श एक सफल परामर्श संबंधक कुंजी अछि जे परामर्शदाता आ प्रशिक्षु, दुनूकेँ लाभ पहुँचाबैत अछि, यद्यपि परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक बीचक संबंध समयक संग विकसित होइत अछि। संपूर्ण बातचीतक अवधिमे, परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक बीचक संबंध सुसंगत आ विश्वसनीय हेबाक चाही आ हुनका ओहि कारण पर विचार करबाक चाही जेकरा लेल परामर्श संबंधमे भाग लेबाक हेतु निर्णय केने छलाह। कोनो परामर्श कार्यक्रमक लक्ष्य परामर्शदाता आ प्रशिक्षु, दुनूक बीचक वार्तालाप पर निर्भर करैत अछि। एहि परस्पर संवादमे शामिल अछि:

क. विश्वास आ संबंध निर्माण

ख. लक्ष्य निर्धारित करबाक लेल सहयोगात्मक प्रयास

ग. परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिक नियमित संपर्क

घ. एक दोसरक प्रशंसा आ प्रेरणा

ङ. व्यक्तिगत आ व्यावसायिक विकास

च. समर्थन, मार्गदर्शन आ प्रतिपुष्टि

NMM
NATIONAL MISSION FOR
MENTORING

अध्याय V

परामर्श कार्यक्रमक तत्त्व

अध्याय-V: परामर्श कार्यक्रमक तत्त्व

परामर्श कार्यक्रम एक जटिल संरचना होएत, जेकर रूपरेखा बनबैत काल कैक पहलू पर विचार करबाक होएत। निम्नलिखित पहलू परामर्श कार्यक्रमकेँ कुशलतापूर्वक रूपांकित करबा आ कार्यान्वित करबामे मदति कए सकैत अछि:

5.1 कार्यक्रमक रूपरेखा आ योजना

क. लक्ष्य समूह (मेंटीज)

ख. परामर्श कार्यक्रमक प्रकृति

ग. प्रवेशक लेल संभावित परामर्शदाता

घ. सभ संभावित हितधारक लोकनि (परामर्शदाता, प्रशिक्षु, प्रशासक आदि) क लेल दृष्टि, लक्ष्य आ अपेक्षित परिणाम

ङ. सत्रक अवधि आ आवृत्ति

च. परामर्श विचार-विमर्शक तरीका

छ. कार्यक्रमसँ संबंधित सूचनाक प्रसार

ज. निगरानी मूल्यांकन

झ. प्रतिपुष्टि आ अनुवर्तन

5.1.1 परामर्शदाताक प्रगति

परामर्श कार्यक्रम ने केवल परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक बीचक संबंध होइत अछि, अपितु इहो सुनिश्चित कएल जाइत अछि जे परामर्शदाताकेँ लगातार सिस्टमक लेल उपलब्ध राखल जाए, जाहिसँ छात्रक संख्यामे कमी नहि आबए। परामर्श कार्यक्रमकेँ एहि प्रकारेँ रूपांकित कएल जएबाक चाही जे ओ स्थायित्वकेँ समर्थन द' सकए आ प्रणालीकेँ चालू राखबाक लेल प्रायः बाहरी स्रोत पर निर्भर नहि रहबाक चाही। उदाहरणक लेल—परामर्शदाता स्वयं एक निश्चित स्तरक प्रशिक्षण प्राप्त कएलाक पश्चात् नव परामर्शदाताकेँ प्रशिक्षित कए सकैत छथि। एहि चारि चरणीय प्रक्रियाक एक उदाहरण नीचा सूचीबद्ध कएल गेल अछि।

परामर्श कार्यक्रमक प्रगतिकेँ परामर्श संबंधी प्रगतिकेँ ध्यानमे राखैत रूपांकित कएल जएबाक चाही।

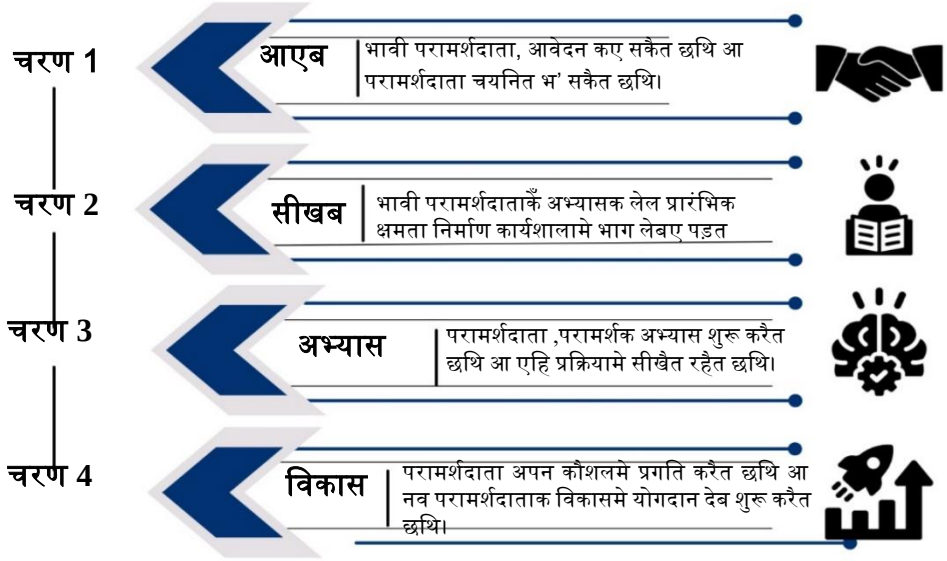

चित्र 5.1: परामर्शदाताक प्रगति

5.2 कार्यक्रम प्रबंधन

परामर्श कार्यक्रमक प्रभावी कार्यान्वयनक लेल, एकटा कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (पीएमयू) वा प्रशासक केर टीम स्थापित कएल जा सकैत अछि जाहिमे निम्नलिखित तत्त्व शामिल भ' सकैत अछि:

क. सलाहकार समूहक स्थापना
ख. कार्यक्रमक प्रबंधनक लेल प्रणाली
ग. विकास योजना आ संसाधन रूपांकन
घ. कार्यक्रम निगरानीक लेल एकटा प्रणाली
ङ. हितधारक लोकनि, संस्थान आ कार्यक्रमक लेल एकटा प्रतिपुष्टि तंत्र
च. मानव संसाधन विकासक लेल रणनीति सभ
छ. प्रभावी जनसंपर्क आ संप्रेषण प्रयास
ज. कार्यक्रमक संचालनक लेल बजटक आवंटन

5.3 कार्यक्रम संचालन

ध्यानमे राखबा योग्य परिचालन कार्य अछि:

क. परामर्शदाता, प्रशिक्षु, कार्यक्रम कर्मचारी आ स्वयंसेवक केर एकटा समूह बनाएब, जँ कोनो हो
ख. संभावित परामर्शदाताक जाँच आ प्रशिक्षु केर सत्यापन

ग. परामर्शदाता, प्रशिक्षु आ कार्यक्रम कर्मचारीक लेल अभिविन्यास आ प्रशिक्षण प्रदान करब
घ. परामर्शदाता आ प्रशिक्षु केर मैपिंग करब

ङ. स्थापित मानदंडक भीतर परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक लेल गतिविधि आ सत्रक योजना बनाएब
च. परामर्श कार्यक्रमक निगरानीक लेल सहायक तंत्र
छ. संपूर्ण कार्यक्रमक अवधिमे प्रतिभागीक योगदानकेँ मान्यता देब
ज. परामर्शदाता आ प्रशिक्षुकेँ हुनक लक्ष्य प्राप्त करबामे सहायता करब

5.3.1 भूमिका आ उत्तरदायित्व सभ

एहि कार्यान्वित कार्यकेँ नीक ढंगसँ कार्यान्वित कएलासँ कार्यक्रमक संचालनशीलता बनाकए राखल जा सकैत अछि आ सफलता प्राप्त कएल जा सकैत अछि।

तालिका 5.1: हितधारक आ उत्तरदायित्व

हितधारक	उत्तरदायित्व
वरिष्ठ अधिकारी /PMU	क. परामर्शदाता प्रशिक्षणक लेल कार्यक्रम, रोडमैप आ पाठ्यक्रम तैयार करब ख. परामर्शदाताक चयन करब ग. प्रशिक्षुक क्षमताक निर्माण करब घ. निरंतर क्षमता निर्माणक संग परामर्शदाताक संमर्थन करब ङ. मनोबल उच्च राखबाक लेल परामर्श पर अपन विचारकेँ रिकार्ड करब आ साझा करबाक लेल प्रतिष्ठित वक्ता लोकनिकेँ आमंत्रित करब च. कार्यक्रमक प्रभावी कार्यान्वयन आ निष्पादन सुनिश्चित करब छ. कार्यक्रमक निगरानी आ मूल्यांकन करब
परामर्शदाता	क. परामर्शदाता प्रमाणन कार्यक्रम पूर्ण करब ख. आन शिक्षकक लेल परामर्श संरचनाकेँ व्यवस्थित आ सुविधाजनक बनाएब ग. परामर्शदातासँ हुनक परामर्श कौशल पर सुझाव आ प्रतिक्रिया माँगब। घ. क्षमता निर्माणक लेल निरंतर प्रशिक्षण/कार्यशालामे भाग लेब।
प्रशिक्षु	क. परामर्श संरचनामे भाग लेब ख. निरंतर व्यावसायिक विकासक लेल सीखू, साझा करू, समाधान करब आ जोड़ब।

5.3.2 परामर्श कार्यक्रमक विभिन्न चरणक संचालन हेतु संस्तुति

क. कार्यक्रमक प्रसार

अ. देश/राज्य/सिस्टममे पेशेवरक लेल परामर्शदाता बनएबाक हेतु चयन प्रक्रिया तैयार करब
आ. परामर्शदाताक रूपमे नामांकित हेबाक लेल मानदंड जारी करब
इ. सिस्टम हितधारकक लेल मानदंड आ चयन समयसीमा जारी करब

ख. परामर्शदाता चनन प्रक्रिया *(अनुलग्नक I देखू)*

परामर्शदाता चयन प्रक्रियाक दू चरण निम्नलिखित अछि जेकरा कार्यान्वित कएल जा सकैत अछि:

अ. चरण 1: आवेदन पत्र जाहिमे जनसांख्यिकीय विवरण माँगल जाएत आ एकटा केस-स्टडी जाहिमे आवेदक ऑनलाइन शिक्षण सेटिंगमे चुनौतीक समाधान करबाक क्षमता केर आकलन कएल जाएत। चयनित आवेदक चरण 2 केर लेल आगू बढ़ताह।

आ. चरण 2: संचार कौशल, प्रेरित करबाक क्षमता, विषय-क्षेत्रक ज्ञान आदिक आकलन करबाक लेल वार्तालाप/साक्षात्कार। साक्षात्कार प्रक्रिया विशेषज्ञक एक समिति द्वारा कएल जाएत। चयनित आवेदककेँ परामर्श मंच पर परामर्शदाताक रूपमे शामिल कएल जाएत।

कोनो विषय-क्षेत्रमे प्रतिष्ठित आ उत्कृष्ट पेशेवरकेँ एनसीटीई द्वारा सीधे एनएमएम केर लेल नियुक्त कएल जाएत।

ग. परामर्शदाताक क्षमता निर्माण

अ. परामर्शदाताक लेल कार्यशाला सभक रूपांकन करब जेकर उद्देश्य ओहि आवश्यकता, कौशल आ प्रौद्योगिकीक संबंधमे ज्ञानक निर्माण करब अछि, जेकर हुनका प्रभावी ढ़ंगसँ परामर्श करबाक लेल आवश्यकता अछि, सन सुविधा कौशल, गहन प्रश्न पूछब, प्रशिक्षुक समूहक भीतर एक संस्कृतिक निर्माण करब आदि।

आ. परामर्श वार्तालाप शुरू हेबासँ पहिने कार्यशाला आदि आयोजित कएल जाएत, जाहिमे सूचनात्मक वीडियो आ नियोजित गतिविधि आदिक माध्यमसँ अभिमुखीकरण/क्षमता निर्माणक लेल क्षेत्र विशेषज्ञ लोकनिकेँ आमंत्रित कएल जाएत।

घ. परामर्शदाताक नियुक्ति (ऑनबोर्डिंग) प्रक्रिया

अ. परामर्श मंच (एनएमएम पोर्टल/मोबाइल एप्लीकेशन) पर परामर्शदाताकेँ शामिल करबाक दिशानिर्देश तैयार करब आ साझा करब।

आ. परामर्शदाता अपन प्रोफाइल बनाओत आ अपेक्षित जानकारी उपलब्ध कराओत।

ङ. प्रशिक्षुक नियुक्ति (ऑनबोर्डिंग) प्रक्रिया

अ. परामर्श मंच पर प्रशिक्षुकेँ शामिल करबाक लेल दिशानिर्देश तैयार करब आ ओकरा साझा करब।

आ. प्रशिक्षु ऑनबोर्डिंग प्रक्रियाकें ट्रैक करबाक लेल रिकार्ड बनाकए राखब।

च. परामर्श संबंधी विचार-विमर्श

अ. परामर्शदाता मंच पर समूह परामर्श सत्र कैं शेड्यूल आ होस्ट कए सकैत अछि।

आ. परामर्शदाता मंच पर समूह परामर्श सत्र आ परामर्शदाताक खोज कए सकैत अछि आ सत्रमे भाग लेबाक लेल नामांकन कए सकैत अछि।

इ. प्रशिक्षु अपन प्रश्नक संग संबंधित विषय-क्षेत्रक परामर्शदातासँ व्यक्तिगत रूपसँ संपर्क कए सकैत अछि। परामर्शदाता आ प्रशिक्षु आपसी समहतिसँ परामर्श वार्तालापक लेल समय आ रूपरेखा तय कए सकैत

अछि।

ई. प्रशिक्षु परामर्शदाताकेँ रेटिंग आ प्रतिक्रिया दए सकैत अछि।

आईटी टीम ऑनबोर्डिंग वा परामर्श विचार-विमर्शक संबंधमे सोझा आबए वला कोनो तकनीकी गड़बड़ीकेँ समाधान करबामे सहायता करत।

छ. निगरानी आ विश्लेषण

अ. मंच पर परामर्श जुड़ावकेँ ट्रैक करब आ आवश्यकतानुसार मासिक/त्रैमासिक रिपोर्ट तैयार करब।

आ. परामर्श कार्यक्रमक विश्लेषण करबाक लेल सभ रिपोर्टकेँ ट्रैक करब आ संकलित करब एवं आवश्यतानुसार सक्षम करएवला उपाय केर सुझाव देब।

5.4 कार्यक्रम मूल्यांकन

निरंतर गुणवत्ता सुधारक लेल परामर्श कार्यक्रमक मूल्यांकनक लेल निम्नलिखित केर आवश्यकता अछि.:

अ. कार्यक्रमक प्रगति नापबाक योजना

आ. कार्यक्रमक अपेक्षित परिणाम नापबाक प्रक्रिया

इ. कार्यक्रमक मूल्यांकन, निष्कर्ष प्रसार पर एक व्यापक रिपोर्ट।

कार्यक्रमक सफलताकेँ तीन मूल्यांकन मानदंडसँ नापल जा सकैत अछि:

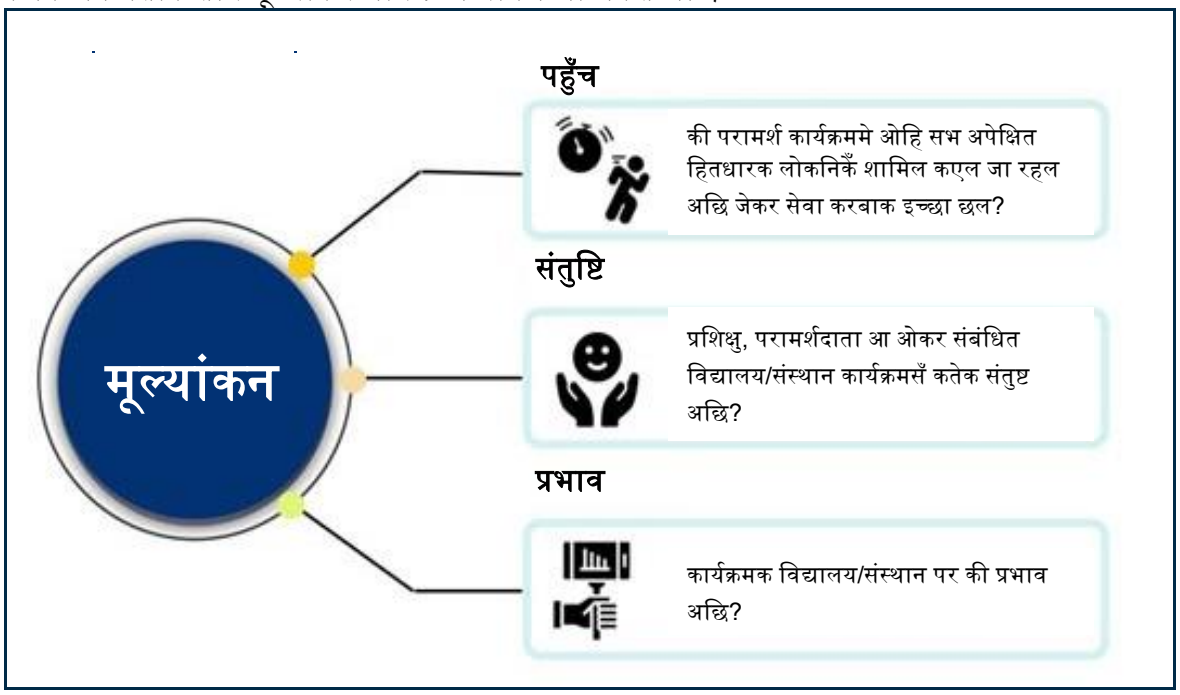

चित्र 5.2: परामर्शदाताक लेल मूल्यांकन माप

क. पहुँच: की परामर्श कार्यक्रममे ओहि सभ अपेक्षित हितधारक लोकनिकेँ शामिल कएल गेल अछि जिनक सेवा करबाक इच्छा छलनि?

कार्यक्रमक मूल्यांकन करैत काल पहुँच एकर सभसँ महत्त्वपूर्ण पहलू अछि जेकरा ध्यानमे राखबाक चाही। कोनो कैडरक सभ सदस्यकेँ परामर्श धरि पहुँच भेटबाक चाही, किएक तँ एहिसँ हुनका अनुकूलित आ व्यापक व्यावसायिक विकासमे संलग्न हेबाक अवसर भेटैत अछि। एहि सूचकक मूल्यांकन हितधारकक मौजूदा डेटाबेसमे कवरेज क' कए देखि कए कएल जएबाक चाही। एहिमे समावेशिता, विविधता, मापनीयता, भाषा आ पहुँच सन महत्त्वपूर्ण तत्त्व सेहो शामिल हेबाक चाही जे विभिन्न संदर्भ वला देशमे सफल कार्यान्वयनक लेल आवश्यक अछि।

यद्यपि ई कार्यक्रम हितधारकक लेल परामर्शकेँ एक आवश्यक वा वैकल्पिक अवसर बना सकैत अछि, मुदा ई प्रश्न पूछब महत्त्वपूर्ण होएत "की ओ हितधारक, जिनका परामर्शसँ सभसँ बेसी लाभ होएत, कार्यक्रमसँ लाभ उठा रहल छथि?" एहिलेल ई आवश्यक अछि जे परामर्श कार्यक्रम, नुस्खा आ विकल्प-आधारित संयोजन होमए। कोनो प्रणालीमे नव अभ्यासकेँ शामिल करब चुनौतीपूर्ण अछि आ उपलब्धता आ पहुँच सुनिश्चित करबाक उपायकेँ आवश्यकतानुसार लागू कएल जएबाक चाही।

ख. संतुष्टि: परामर्शदाता, प्रशिक्षु आ ओकर संबंधित विद्यालय/संस्थान कार्यक्रमसँ संतुष्ठ अछि?

ई मीट्रिक परामर्श संबंधी वार्तालापक गुणवत्ता पर केन्द्रित अछि। ई सुनिश्चित करबाक लेल जे कार्यक्रम जारी रहए आ एकर मांग बनल रहए, सभ भागीदार हितधारकक संतुष्टि आवश्यक अछि। परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक संतुष्टिकेँ समय-समय पर सर्वेक्षणक माध्यमसँ नापल जा सकैछ, जाहिमे ओकरासँ प्रश्न पूछल जाइत अछि जे ई कार्यक्रम ओकर पेशेवर जीवनमे की मूल्य जोड़ैत अछि आ ओकरा अपन निवेशित समय पर की लाभ भेटि रहल अछि। हितधारकक संतुष्टिकेँ दू अलग-अलग मापदंडक उपयोग क' कए नापल जा सकैछ—

अ. सुगमीकृत वार्तालापक गुणवत्ता—ई सुनिश्चित करबाक अछि जे परामर्शदाता आ प्रशिक्षु परामर्श वार्तालापक संरचनाक आनंद लए रहल अछि आ एहि गतिविधि पर खर्च कएल गेल समयकेँ अधिकतम करबाक लेल दुनू पक्षक दिससँ पर्याप्त सहभागिता अछि।

आ. वार्तालापक माध्यमसँ वितरित सामग्रीक गुणवत्ता—ई सुनिश्चित करबाक अछि जे वार्तालापक अवधिमे वितरित कएल गेल सामग्री हितधारकक पेशेवर जीवनमे मूल्य जोड़ैत अछि। ई हितधारकक लेल एतेक परिचित हेबाक चाही जे ओ अपन वर्तमान ज्ञान आधारक संग संबंध बना सकए आ एकरा नीक जकाँ बुझि सकए, तथापि ई एतेक चुनौतीपूर्ण हेबाक चाही जे ओ अपन सोचकेँ नव दिशामे बढ़ा सकए।

ग. प्रभाव: कार्यक्रमक विद्यालय/संस्थान पर की प्रभाव अछि?

ई मीट्रिक परामर्श सिस्टमक प्रभावक आकलन करैत अछि आ एकरा नापब संभवतः सभसँ कठिन अछि। परामर्श कार्यक्रमक उद्देश्यक आधार पर, छात्र पर प्रभाव, विद्यालय संस्कृतिमे बदलाव आदिक आकलन करए पड़ि सकैत अछि। यद्यपि ई नापबाक लेल जे ई एक दीर्घकालिक मीट्रिक अछि आ कार्यक्रमक प्रारंभिक चरणमे संभव नहि भ' सकैत अछि, मुदा रोजमर्राक अभ्यास पर पड़ए वला प्रभावक संबंधमे प्रतिक्रिया, उद्देश्यकेँ प्राप्त करबाक लेल कार्यक्रमकेँ सही दिशामे ल' जएबामे मदति कए सकैत अछि।

दीर्घावधिमे, कार्यक्रमक सफलता आ एकरा जारी करबाक निर्णय, कार्यक्रम द्वारा उत्पन्न प्रभाव पर आधारित हेबाक चाही। यद्यपि एहि मार्गदर्शन कार्यक्रममे बिताओल गेल एक निश्चित समयक बादहि नापल जा सकैत अछि, मुदा ई कार्यक्रमक सफलताक सभसँ महत्त्वपूर्ण संकेतक अछि। विद्यालय सुधार, नव कार्य-संस्कृतिक लेल संक्रमणक तत्परता, बेहतर शिक्षण परिणाम आदि सन प्रभावकेँ नापब आदि। कार्यक्रममे बदलाव करबाक लेल

सही सफलता संकेतक केर उपयोग क' कए आ पर्याप्त बेर एहन कएल जएबाक चाही। एतए किछु उदाहरण देल गेल अछि:

तालिका 5.2: उद्देश्य आ प्रभाव-संकेत

परामर्श कार्यक्रमक उद्देश्य	प्रभाव सूचकांक जे उपयोग कएल जा सकैत अछि:
सेवापूर्व शिक्षक लोकनिकेँ कार्यबलमे शामिल करबाक प्रक्रियाकेँ सरल बनएबाक लेल, सेवापूर्व शिक्षक लोकनिकेँ परामर्श देल जाएत।	क. कार्यबलमे शामिल हेबा पर शिक्षकक संतुष्टिमे प्रतिशत वृद्धि ख. नव शिक्षक लोकनिकेँ छात्रकेँ सीखबाक परिणाममे प्रतिशत वृद्धि ग. नव शिक्षक लोकनिकेँ छात्रक संतुष्टिक स्तरमे प्रतिशत वृद्धि घ. सेवारत शिक्षक-संरक्षक केर लेल प्रदर्शन संकेतकमे प्रतिशत वृद्धि
बुनियादी साक्षरता आ संख्यात्मकतामे छात्र लोकनिकेँ सीखबाक परिणामकेँ बढ़एबाक लेल, एक समूहमे शिक्षक सहकर्मी-परामर्श मंडल बनबैत अछि।	क. बुनियादी साक्षरता आ संख्यात्मक मूल्यांकनमे छात्रक प्रदर्शनमे प्रतिशत वृद्धि ख. उपयुक्त शिक्षण-अधिगम सामग्रीक उपयोग आ कक्षा अवलोकनक अवधिमे दर्ज प्रदर्शनमे वृद्धि ग. शिक्षक संतुष्टि आ समुदाय केर भावनामे प्रतिशत वृद्धि

एनएमएम, यद्यपि एसडीजी4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) सँ प्रेरित अछि, तथापि ई एसडीजी कार्यान्वयन केर समयसीमा धरि सीमित नहि अछि। एहि मिशनकेँ प्रणालीक भीतर परामर्शक लेल सतत प्रक्रिया बनएबाक उद्देश्यसँ शुरू कएल जा रहल अछि। ऊपर सूचीबद्ध प्रभाव संकेतक, परामर्श कार्यक्रमक उद्देश्य आ इच्छित लक्ष्यमे समय पर संशोधन करबामे सहायक होएत।

परिवर्तन लएबाक लेल सकारात्मक सुदृढ़ीकरणक उपयोग करबाक प्रयासमे, सकारात्मक प्रभाव लाबए वला सभ हितधारक केर कार्यकेँ पुरस्कृत आ प्रोत्साहित कएल जएबाक चाही। एहिसँ आन लाभक अतिरिक्त, परामर्श कार्यक्रम द्वारा लाओल गेल परिवर्तन आ सकारात्मक प्रभाव पर निरंतर ध्यान केन्द्रित करब सुनिश्चित होएत। अंततः कोनो मार्गदर्शन कार्यक्रमक मूल्यांकन भारतमे शिक्षा सकारात्मक परिवर्तन लएबाक ओकर क्षमताक आधार पर कएल जएबाक चाही।

5.5 संस्थानीकरण

संस्थागत, संगठनात्मक आ व्यक्तिगत व्यावसायिक लक्ष्यकेँ प्राप्त करबाक लेल परामर्श एक उत्तम तरीका अछि। ई प्रणालीक सामूहिक मूल्य प्रस्तावकेँ बेहतर बनएबाक लेल पारिस्थितिकी तंत्रमे विद्यमान संसाधनक लाभ उठबैत अछि आ एकरा शिक्षा प्रणालीक सभ स्तर पर एक आवश्यक गतिविधिक रूपमे मानल जएबाक चाही। ई आवश्यक गतिविधि एक सतत प्रक्रिया हेबाक चाही जेकरा सभ हितधारकक दैनिक व्यवहारमे स्थायी रूपसँ

शामिल कएल जएबाक चाही।

परामर्श कार्यक्रम शुरूमे हितधारकक बीच बहुत संतुष्टि उत्पन्न कए सकैत अछि, किएक तँ एकर लाभार्थीक बीच सौहार्दक भावना होइत अछि। यद्यपि परामर्श कार्यक्रमकेँ क्रियान्वयन करबामे परामर्शदाता, प्रशिक्षु आ प्रशासनकेँ बहुत समय आ प्रयासक आवश्यकता होइत अछि। एहन कार्यक्रमकेँ जारी राखबाक लेल, परामर्श कार्यक्रमकेँ संस्थागत बनएबाक आवश्यकता होएत।

संस्थानीकरण कोनो संगठन वा संस्कृतिमे कोनो चीजकेँ एक परंपरा वा आदर्शक रूपमे स्थापित करबाक काज थिक। परामर्श कार्यक्रममे सभ संरचनाकेँ संस्थागत अभ्यास आ लाभसँ जोड़ल जएबाक चाही जाहिसँ एकरा महत्त्वपूर्ण स्तर पर स्थायी रूपसँ काज कएल जा सकए। कोनहुँ सतर पर परामर्शकेँ सफलतापूर्वक संस्थागत बनएबाक दूटा तरीका अछि।

5.6 प्रोत्साहन

एहि कार्यक्रममे भागीदारीक लेल गैर-मौद्रिक प्रोत्साहनक उपयोग कएल जाइत अछि, जेकरा परामर्शक, प्रशिक्षु आ ओकरासँ संबद्ध संस्थानकेँ शिक्षा प्रणालीमे विद्यमान संरचनामे आगू बढ़एबामे मदति भेटैत अछि।

एतए किछु उदाहरण देल गेल अछि जे कोन प्रकारेँ परामर्शदाता आ प्रशिक्षुकेँ प्रोत्साहित कएल जा सकैछ:

तालिका 5.3: प्रोत्साहनक प्रकार

उदाहरण संख्या	प्रोत्साहनक प्रकार	विवरण
उदाहरण 1	परामर्शदाताक लेल नवीन अवसर	क. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करएवला परामर्शदाताक लेल एक प्रमुख संस्थानसँ एक विशेष नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम धरि पहुँचबाक अवसर। ख. एनएमएमकेँ शिक्षकक लेल राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) सँ जोड़ल जाएत।
उदाहरण 2	सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करए वला परामर्शदाताक पहिचान करब	क. प्रशंसा प्रमाणपत्र ख. स्पॉटलाइट जेना कि वेबसाइट पर प्रदर्शित करब, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करए वला परामर्शदाता लोकनिक कहानीकेँ उजागर करब आदि। ग. एनएमएम पर वर्षक अंतमे होमए वला सेमिनारमे सर्वोत्तम अभ्यासकेँ प्रदर्शित करबाक अवसर

प्रशिक्षुक उत्कृष्ट प्रदर्शनकेँ सेहो मान्यता देल जाएत आ हुनका प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान कएल जाएत।

5.7 परामर्श कार्यक्रमक चुनौती सभ

परामर्श कार्यक्रम बाधा सभसँ मुक्त नहि अछि। परामर्श कार्यक्रमक रूपरेखा तैयार करब आ ओकरा क्रियान्वित करब एक तरहक चुनौती प्रस्तुत कए सकैत अछि। यद्यपि जँ हम एहि चुनौतीक प्रति जागरूक रही, तँ एकर

समाधान सरल तरीकासँ कएल जा सकैत अछि।

5.7.1 प्रत्याशा सभक असंगति

कोनो परामर्श संरचनामे एक आवश्यक तत्त्व एहिमे शामिल सभ हितधारकक लेल लक्ष्य आ स्पष्ट अपेक्षा सभ निर्धारित करब अछि। लक्ष्य निर्धारित करब आ अपेक्षाकेँ चिह्नित करब एकटा चुनौती बनि सकैत अछि, विशेष रूपसँ तखन, जखन परामर्शदाता वा प्रशिक्षुकेँ ई स्पष्ट नहि होमए जे ओ परामर्शसँ की प्राप्त करए चाहैत अछि।

एहि बाधासँ पूर्ण रूपसँ बचबाक लेल संपूर्ण परामर्श कार्यक्रमक अवधिमे अपेक्षाक संबंधमे निरंतर संप्रेषण करब ई सुनिश्चित करबाक लेल मौका पर जाँच करब आवश्यक भ' जाइत अछि जे सभ लोक एकमत छथि।

5.7.2 असमर्पित प्रशिक्षु

यद्यपि ई महत्त्वपूर्ण अछि जे प्रशिक्षु परामर्श कार्यक्रममे भाग लेबए आ ओकर अधिकतम लाभ उठाबए, मुदा ओकर संबंधमे बनल रहबाक लेल प्रोत्साहित करब सेहो महत्त्वपूर्ण अछि। एहन कैक अंतर्निहित कार्यक्रम भ' सकैत अछि जे प्रशिक्षु केर विनिवेशक कारण बनि सकैत अछि। एहिसँ परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक बीच सहभागिताक गुण प्रभावित होइत अछि आ विभिन्न पक्ष द्वारा कएल गेल प्रयासक उपेक्षा होइत अछि। एहन विनिवेशित प्रशिक्षुकेँ परामर्श कार्यक्रमसँ अधिकतम लाभ प्राप्त करबाक लेल परामर्शक द्वारा प्रेरित आ प्रोत्साहित कएल जएबाक चाही।

5.7.3 परामर्शदातामे प्रेरणाक कमी

कार्यक्रमक लेल उचित संख्यामे परामर्शदाताक चयन करब सभसँ आम चुनौतीमे सँ एक अछि। यद्यपि ई चुनौती महत्त्वपूर्ण अछि, तथापि परामर्शदाताक प्रेरणा आ विशेषज्ञता सेहो ओतबे महत्त्वपूर्ण अछि। प्रेरणाक कमीसँ परामर्शदाता सक्रियता कम प्रभावी भ' जाइत अछि आ प्रशिक्षुक लेल नीक परिणाम नहि भेटैत अछि।

एहिलेल, कार्यक्रमक शुरूआतमे उपयुक्त परामर्शदाताक चयन करब महत्त्वपूर्ण भ' जाइत अछि। एकरा संगहि, परामर्शदाताकेँ उचित प्रशिक्षण प्रदान करब आ संपूर्ण संबंधक अवधिमे ओकरा संग संवाद करब सेहो महत्त्वपूर्ण भ' जाइत अछि।

5.7.4 अधिशेष वा अपर्याप्त संरचना

परामर्शदाताक व्यक्तिगक आवश्यकताकेँ पहिचानब महत्त्वपूर्ण अछि। किछु प्रशिक्षु आ परामर्शदाता विभिन्न प्रकारक उपकरण आ संसाधन धरि पहुँचक सराहना करताह, जखन कि अन्य दबाव महसूस कए सकैत छथि, जँ हुनका उपयोगक लेल मजबूर कएल जाइत अछि तखन। महत्त्वपूर्ण बात ई अछि जे कार्यक्रम रूपांकनकेँ एहि तरहेँ संतुलित कएल जाए जे परामर्शदाता/प्रशिक्षु अपन आवश्यकता आ सुविधाक अनुसार संसाधन धरि पहुँच सकए।

5.7.5 उपेक्षित जाँचबिंदु (चेकप्वाइंट)

परामर्श कार्यक्रमक स्पष्ट जाँच बिंदु, परामर्शदाता आ प्रशिक्षु लोकनिकेँ कार्यक्रमक नीक जकाँ परिभाषित शुरुआत, मध्य आ अंतक सबंधमे परामर्श प्रदान करैत अछि। एहिसँ प्रशिक्षु आ परामर्शदाता, दुनूकेँ संतुष्टि भेटैत अछि। उदाहरणक लेल परामर्शक संबंधक प्रभावी समापन नहि भेलासँ, बादमे परामर्शदाता आ प्रशिक्षु असंतुष्ट रहि सकैत अछि जे सीखल गेल बातकेँ आगू कोना बढ़ाओल जाए।

5.7.6 परामर्शसँ संबंधित मिथक

परामर्शक संबंधमे किछु सामान्य गलत धारणा बाधा उत्पन्न कए सकैत अछि। परामर्शक संबंधमे किछु व्यापक मिथक बाधा उत्पन्न कए सकैत अछि आ प्रतिभागी लोकिनकेँ अनुभवसँ अधिकतम लाभ उठएबासँ हतोत्साहित कए सकैत अछि। किछु आम मिथक अछि:

- "परामर्श समय लेबए वला प्रक्रिया अछि"
- "परामर्शक कैरियर वा निजी जीवनमे कोनो महत्त्व नहि अछि"
- "परामर्शसँ केवल प्रशिक्षुकेँ लाभ होइत अछि, परामर्शदाताकेँ नहि"

कार्यक्रमक शुरूआतमे सुपरिभाषित भूमिका, उत्तरदायित्व आ परिणामक संग स्पष्ट अपेक्षा निर्धारित कएलासँ एहि गलत धारणाकेँ दूर करबामे मदति भेटैत अछि। उचित योजना आ समर्थनक संग परामर्श कार्यक्रम दीर्घ समय धरि जारी रहि सकैत अछि आ एकर प्रभाव दीर्घ समय धरि बनल रहि सकैत अछि। एकबेर जखन कार्यक्रम गति पकड़ि लैत अछि, तँ परामर्शक संस्कृति विकसित भ' जाइत अछि आ अनौपचारिक परामर्श प्रायः औपचारिक कार्यक्रमक संग आगू बढैत अछि।

5.7.7 दुर्गम परामर्श

कोनो परामर्श संरचनाकेँ परामर्श वार्तालाप धरि पहुँचकेँ ध्यानमे राखिकए तैयार कएल जएबाक चाही। उदाहरणक लेल, कोनो विद्यालयमे परामर्श व्यक्तिगत रूपसँ आ एक निश्चित आवृत्ति पर भ' सकैत अछि, जाहिसँ ई सभ परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक लेल आसानीसँ सुलभ भ' सकए। यद्यपि एक राष्ट्रव्यापी परामर्श कार्यक्रमकेँ उद्देश्यक पूर्तिक लेल एक पैघ बुनियादी ढ़ाँचाक आवश्यकता भ' सकैत अछि, जेना एक तकनीकी मंच। मोड आ मीडियाकेँ रूपांकित करैत काल बहुविषयक दृष्टिकोणकेँ अपनाकए परामर्शकेँ बेसी सुलभ बनाओल जा सकैछ।

5.8 शिकायत निवारण तंत्र

एनएमएम सँ संबंधित शिकायतक बेसी पारदर्शिताक संग प्रबंधन आ निवारणक करबाक लेल एनसीटीई द्वारा शिकायत निवारण समितिक गठन कएल जाएत। एहिसँ परामर्शदाता/प्रशिक्षुक सोझा आबएवला समस्याक समाधानक लेल उचित हस्तक्षेप शुरू करएमे मदति भेटत। एहिसँ प्रशिक्षु/परामर्शदाताकेँ अपन चिंता आ सुझावकेँ साझा करबाक अवसर भेटि सकत, जाहिसँ मार्गदर्शन प्रणाली ओकर आवश्यकताक प्रति बेसी संवेदनशील बनि सकत।

NMM
NATIONAL MISSION FOR
MENTORING

अध्याय VI

राष्ट्रीय परामर्श अवसंरचना

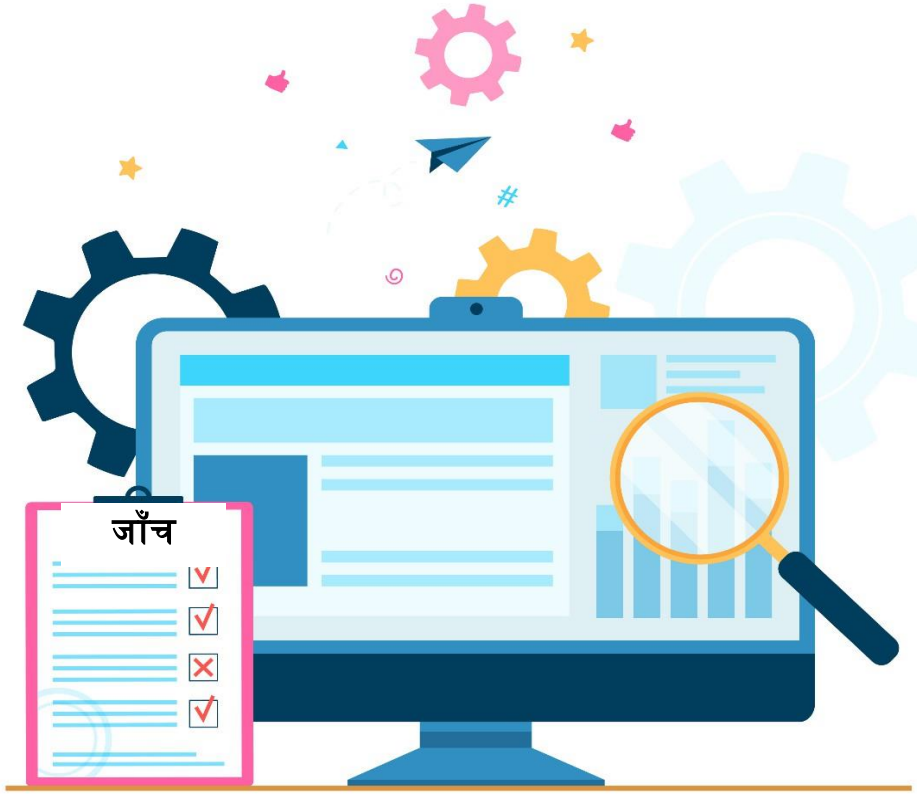

अध्याय-VI: राष्ट्रीय परामर्श अवसंरचना

6.1 परिचय

एनएमएम केर लक्ष्य वृहत स्तर पर सफलतापूर्वक परामर्श प्रदान करब अछि आ एहि प्रौद्योगिकीकेँ सक्षम बनाएब अत्यंत महत्त्वपूर्ण अछि। राष्ट्रीय परामर्श अवसंरचना (एनएमआई) केर परिकल्पना ओपन-सोर्स मॉड्यूलर बिल्डिंग ब्लॉक्सक एक सेट केर रूपमे कएल गेल अछि, जे एनडीईएआर केर अनुरूप अछि आ मापनीयता आ विश्वसनीयताक लेल निर्मित अछि। कैक असंबद्ध आ खंडित परामर्श समाधान अछि, किएक तँ वर्तमानमे परामर्श समाधान/प्रणालीक वितरणक लेल कोनो खुलल प्रोटोकॉल परिभाषित नहि अछि। प्रशिक्षु परामर्शदाताकेँ ताकबाक लेल अलग-अलग समाधान वा सिस्टमक प्रयोग कए रहल अछि। एएमआई केर लक्ष्य यूनिफाइड मेंटरिंग इंटरफेस (यूएमआई) केँ परिभाषित आ सक्षम क' कए एहि कमीकेँ दूर करब अछि—जेकरा बेकन जीएसईपी प्रोटोकॉल पर क्रियान्वित कएल गेल अछि। यूएमआई केर उद्देश्य विविध परामर्श सेवा आ संसाधनक अंतर-संचालनीयता केँ सक्षम बनाएब अछि, जाहिसँ खुलल प्रोटोकॉल/विनिर्देश आ इंटरफेसक माध्यमसँ विविध सेवामे परामर्शदाता आ परामर्श कार्यक्रमक खोज संभव भ' सकए। नवाचार, विविधता आ प्रासंगिकता लएबाक लेल पारिस्थितिकी तंत्रकेँ सक्रिय करब आवश्यक अछि। यूएमआई एक एकीकृत मेंटरिंग नेटवर्क (यूएनएम) केर निर्माणकेँ सक्षम करत, जतए विभिन्न पारिस्थिकी तंत्रक हितकारक समाधानक उपयोग आ निर्माण कए सकैत अछि आ मेंटरिंग उपयोग मामिलाक लेल अपन समाधान/सेवाक विस्तार कए सकैत अछि।

एनएमआई केर उद्देश्य परामर्शदाता आ प्रशिक्षु, दुनूक लेल विभिन्न संदर्भमे मेंटरिंग सेवा आ समाधानकेँ अपनएबामे आसानी सुनिश्चित करब अछि। एहि विशेषताकेँ एकर रूपांकनक प्रत्येक चरणमे सुदृढ़ कएल गेल अछि, जाहिमे एकर सिद्धान्त आ प्रौद्योगिकी घटक शामिल अछि।

6.2 सिद्धान्त-निर्माण

एहि खंडमे मौलिक अवसंरचना सिद्धान्त आ सर्वोत्तमक अभ्यासकेँ रेखांकित क' कए एनएमआई केर डिजिटल अवसंरचनाक पहलू पर ध्यान केन्द्रित कएल गेल अछि:

चित्र 6.1: राष्ट्रीय परामर्शदाता अवसंरचनाक योजना सिद्धान्त

क. माइक्रोसर्विस आर्किटेक्चर: स्तरता आ विविधताकेँ हल करबाक लेल, मॉड्यूलर सेवाकेँ आवश्यकतानुसार बन्हन आ बन्हनमुक्त कएल जा सकैत अछि। एहि शिथिल युग्मित माइक्रोसर्विसेजक माध्यमसँ बदलैत आवश्यकता आ संदर्भक अनुसार कार्यक्षमताक विकासकेँ सक्षम बनबैत अछि।

ख. सुरक्षित आ विश्वसनीय: सुरक्षा आ गोपनीयताक प्रबंधन महत्त्वपूर्ण अछि, एहिलेल ई रूपांकनक एक महत्त्वपूर्ण भाग अछि। ई बुनियादी ढाँचा उपयोगकर्ताक लेल डेटा सुरक्षा आ गोपनीयता सुनिश्चित करैत डेटा सक्षमता प्रदान करबाक लेल रूपांकित कएल गेल अछि।

ग. मुक्त मानक: बुनियादी ढाँचाक निर्माणक लेल मुक्त मानक आ अंतर-संचालनशीलता आवश्यक अछि जाहिसँ ई सुनिश्चित कएल जा सकए जे ई विभिन्न उपयोग मामिलाक समर्थन करैत अछि। एनएमआईकेँ मुक्त प्रोटोकॉल आ एपीआई केर उपयोग क' कए बनाओल गेल अछि जे विशिष्ट मंच, नेटवर्क प्रौद्योगिकी वा भाषासँ कोनो संबंध नहि राखैत अंतर-संचालनशीलता सुनिश्चित करैत अछि। ई अंतरसंचालनीयता प्रदान करबाक लेल मानक पर आधारित अछि। एहिलेल मुक्त एपीआई एक संग काज करबाक लेल विषम प्रौद्योगिकी पर निर्मित विविध परामर्श समाधानक एक विस्तृत शृंखलाक समर्थन करत।

घ. मापनीय आ लचीला: पारिस्थितिकी तंत्र मे पैघ संख्यामे उपयोगकर्ताक लेल मापन करबामे सक्षम हेबाक लेल, मानकीकरण आ क्षैतिज मापन द्वारा परिचालनक मापनीयता सुनिश्चित कएल जाएत।

ङ. पर्यवेक्षकीय क्षमता: बुनियादी ढाँचामे परामर्श संबंधी वार्तालापक काल आदान-प्रदान कएल गेल मूल्यवान जानकारीक अवलोकन टेलीमेट्री केर माध्यमसँ कएल जाएत। एकरा प्रशिक्षु/परामर्शदाता केर लगपासक सभ घटनाकेँ कैप्चर करबा आ ओकरा उपयोग आ विश्लेषणक लेल उपलब्ध करएबाक लेल डिजाइन कएल गेल अछि।

च. विश्वसनीय मंच: एहि बुनियादी ढाँचाक उद्देश्य दुनू पक्ष-परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक लेल व्यावहारिक आ उद्देश्यपूर्ण परामर्श अनुभवक सुविधाक लेल विश्वसनीय मंच बनाएब अछि। ई कार्य विश्वसनीय रजिस्ट्रीक लाभ उठाकए आ परामर्शदाताक नियुक्तिक लेल उचित तत्परता बरतिकए मंच पर प्रमाणित आ सत्यापित परामर्शदाताकेँ सुनिश्चित क' कए कएल जा सकैत अछि।

छ. विकेन्द्रीकृत आ वितरित: बुनियादी ढाँचाकेँ अनुप्रयोग आ समाधानकेँ नेटवर्कक हिस्सा विश्वसनीय संस्था/भंडारसँ डेटा धरि पहुँचबा आ आदान-प्रदान करबामे सक्षम बनएबाक लेल डिजाइन कएल गेल अछि।

ज. मंच सोच: ई बुनियादी ढाँचा हितधारक (समाधान प्रदाता लोकनि) केर पारिस्थितिकी तंत्रकेँ राष्ट्रीय स्तर पर काज करबाक लेल अपन समाधान/सेवाकेँ बनएबा आ विस्तारित करबाक अनुमति दैत अछि।

झ. एकीकृत एवं असमान: बुनियादी ढ़ाँचा मुक्त मानक पर आधारित अछि जे एकीकृत कार्यकेँ सुविधाजनक बनबैत अछि आ विविध समाधानकेँ एक संग काज करबामे सक्षम बनबैत अछि।

ञ. सक्षम पारितंत्र: यूएमआई परामर्श समाधान/अनुप्रयोगक एक पारिस्थितिकी तंत्रकेँ सक्षम बनबैत अछि, जे विभिन्न रिपॉजिटरीमे डेटाक लाभ उठबैत एक संग काज करैत अछि आ उपयोगकर्ताकेँ पहुँचक एकल विंडो प्रदान करैत अछि।

ट. विस्तारशीलता: बुनियादी ढ़ाँचाक निर्माण एहि प्रकारेँ कएल गेल अछि जे नव क्षमता/संस्थाकेँ आसानीसँ नेटवर्कमे भाग लेबाक लेल शामिल कएल जा सकए। विनिर्देशक अनुपालनसँ नव संस्था सभकेँ नेटवर्कक वर्तमान क्षमता आ लाभक, लाभ उठएबामे मदति भेटत।

ठ. अवसंरचना द्वारा समावेशी:

क. उपयोगकर्ताक आधार -

ई बुनियादी ढ़ाँचा उपयोगकर्ताक प्रासंगिक आ विविध आवश्यकताकेँ पूरा करबाक लेल समाधान तैयार करबामे सक्षम बनबैत अछि, उदाहरणक लेल, विभिन्न मंच-फोन, वेब, विभिन्न भाषा आदि पर।

ख. प्रणाली आ प्रक्रिया सभ-

ई बुनियादी ढ़ाँचा आइ मौजूद अनुप्रयोग, समाधान आ विषय-वस्तु सहित विभिन्न प्रणाली आ प्रक्रियाकेँ जोड़बा आ ओकर लाभ उठएबाक लेल डिजाइन कएल गेल अछि।

6.3 परामर्शदाता-प्रशिक्षुक बीच विचार-विमर्शकेँ सक्षम बनाएब

एनएमआई केर एक मुख्य उद्देश्य परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक बीच निर्बाध समकालिक आ असमकालीन मेंटरिंग विचार-विमर्शकेँ सक्षम बनाएब अछि। विचार-विमर्श सार्वभौमिक खोज आ विश्वास द्वारा सक्षम होइत अछि एवं फीडबैक द्वारा संचालित होइत अछि। प्रौद्योगिकी संरचना पर निम्मिलिखित 6 प्रमुख क्रिया सभ सक्षम भ' जाएत—

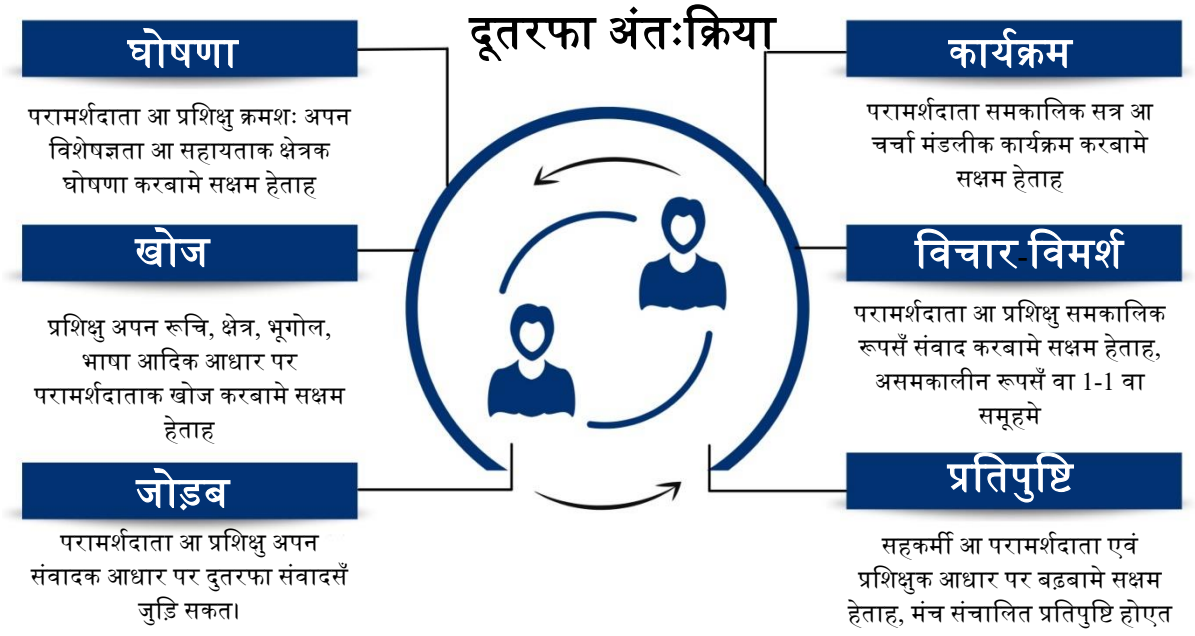

चित्र 6.2: तकनीकी अवसंरचना पर सक्षम मुख्य क्रिया सभ

6.4 तकनीकी घटक सभ

अवसंरचना सिद्धान्तकेँ ध्यानमे राखैत, एनएमआई विभिन्न तकनीकी घटकक प्रस्तुति करैत अछि जे एकर उपयोगकर्ताक लेल कैक परामर्श समाधान सक्षम करैत अछि।

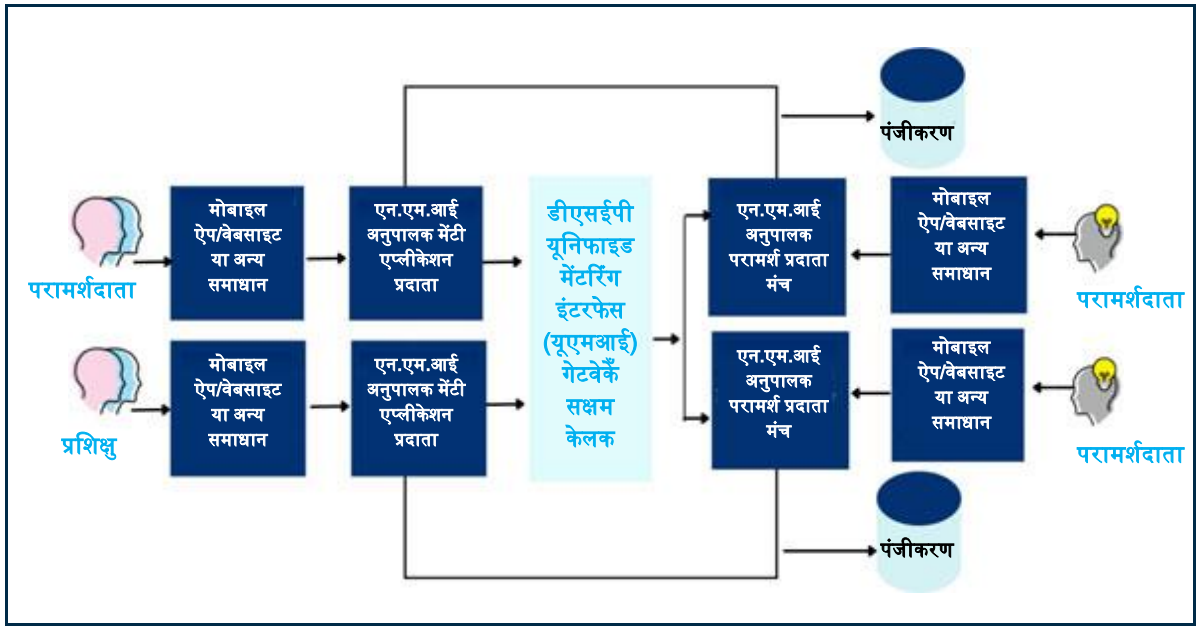

चित्र 6.3: एकीकृत परामर्श नेटवर्क (UMN) –घटक स्तरक दृश्य

क. प्रशिक्षु इंटरफेस (एप/वेबसाइट/अन्य समाधान) प्रशिक्षु एहि इंटरफेसक उपयोग अपन रूचि आ आवश्यकताक आधार पर परामर्शदाता आ सेशन खोजबाक लेल कए सकैत अछि। ओ ओहि परामर्श कार्यक्रममे नामांकन कए सकैत अछि जाहिमे ओकर रूचि अछि।

ख. परामर्शदाता इंटरफेस (एप/वेबसाइट/अन्य समाधान) परामर्शदाता एहि इंटरफेसक उपयोग प्रशिक्षुक संग अपना वार्तालाप/सत्रक योजना बनएबाक लेल करैत अछि। ओ समयक संग कएल गेल विभिन्न विचार-विमर्शक जानकारी आ विश्लेषण सेहो प्राप्त कए सकैत अछि।

ग. मेंटरिंग वर्गीकरण: राष्ट्रीय बुनियादी ढ़ाँचाक भागक रूपमे एक राष्ट्रीय मेंटरिंग टेक्सोनॉमी विकसित कएल जाएत। ई टैक्सोनॉमी परामर्शदाताक विशेषता, परामर्शक क्षेत्र आ वार्तालापक माध्यम सन प्रमुख पहलूकेँ शामिल करत।

घ. एकीकृत मेंटरिंग इंटरफेस (यूएमआई) गेटवे: यूएमआई विविध मेंटरिंग सेवा/समाधानक अंतर-संचालन क्षमताकेँ सक्षम करत, जाहिसँ विविध सेवामे मेंटर/कार्यक्रमक खोजक मार्ग प्रशस्त होएत। यूएमआई केर लक्ष्य मुक्त प्रोटोकॉल पर आधारित एकर मुक्त नेटवर्क बनाकए शिक्षण/परामर्श सेवाकेँ सुव्यवस्थित करब अछि।

ङ. ऐप पंजीकरण: एहिमे सभ मोबाइल एप, वेब पोर्टल आन समाधानक पंजीकरण शामिल अछि जे इंटरफेसक उपयोग करैत अछि।

च. सेवा पंजीकरण: एहिमे मेंटरिंग सिस्टम (एप्लिकेशन) केर पंजीकरण शामिल अछि जे गेटवेक लेल सब्सक्राइब कएल गेल अछि।

छ. बाह्य पंजीकरण: एहिमे पारिस्थिकी तंत्रमे सत्यापित परामर्शदाताक विभिन्न केन्द्रीकृत विश्वसनीय पंजीकरण (शैक्षणिक निकाय, राज्य विभाग आ सीएसओ) शामिल अछि।

ज. मेंटरिंग सेवा: बुनियादी ढ़ाँचा पर माइक्रोसर्विस परामर्शदाताकेँ अपन सत्रक योजना बनएबा आ परामर्शदाता आ प्रशिक्षुक बीचक महत्त्वपूर्ण वार्तालापकेँ सक्षम बनाओल जाएत।

6.5 एकीकृत परामर्श इंटरफेस (यूएमआई)

यूएमआई एक नेटवर्क इंटरफेस अछि जे बेकन डीएसईपी विनिर्देश पर बनाओल गेल अछि। ई नेटवर्क विभिन्न प्रदाता आ उपभोक्ताकेँ सहजतासँ वार्तालाप करबाक अनुमति दैत अछि।

6.5.1 खोजशीलता

सभ परामर्शदाता (अनुभवी संसाधन व्यक्ति/सेवानिवृत्त प्रोफेसर/शिक्षक आदि) एकहि इंटरफेस पर दृश्यमान आ सुलभ हेताह, भनहि ओ अपन डिवाइस पर कोनो मेंटरिंग एप्लिकेशन इंस्टॉल केने होथि। एकर उपयोगकर्ताकेँ संसाधनसँ जुड़बाक लेल कैक एप्लीकेशन इंस्टॉल करबाक ठाम पर एकहि मंच पर परामर्शदाताक एक पैघ पूल धरि पहुँचबाक सुविधा भेटत।

6.5.2 विश्वसनीयता

प्रभावी परामर्श वार्तालाप तखनहि संभव अछि जखन मंच पर शामिल सभ लोकक बीच विश्वास स्थापित होमए। विभिन्न शैक्षणिक संस्थान आ राज्य विभाग द्वारा विश्वसनीय सलाहकारक रजिस्ट्रीक माध्यमसँ विश्वास सक्षम कएल जाएत। मंच पर सभ विश्वसनीय परामर्शदाता प्रोफाइलक लेल सत्यापन योग्य क्रेडेंसियल सक्षम कएल जाएत।

6.6 एकीकृत परामर्श नेटवर्क

एनएमआई केर निरंतर विकास, उपयोग आ सुधारक लेल एकटा पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण पर विचार कएल जाएत। नवाचार, विविधता आ संदर्भीकरण लएबाक लेल पारिस्थितिकी तंत्रकेँ सक्रिय करब आवश्यक अछि। यूएनएम विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रकेँ एनएमआई केर लाभ उठएबा आ एहिमे योगदान करबाक लेल प्रेरित करबाक एक प्रयास होएत। एहि तरहक बुनियादी ढ़ाँचासँ हितकारक लोकनिकेँ पारिस्थितिकी तंत्रक उपयोग करबा, शीर्ष पर समाधान बनएबा आ उपयोगक मामिलाक परामर्शक लेल अपन समाधान/सेवाक विस्तार करबाक अनुमति भेटत। ई मूल मानसिकतामे बदलावसँ अबैत अछि जाहिसँ ई सुनिश्चित कएल जा सकए जे मंचकेँ एक सर्वव्यापी, एकरूप, अखंड समाधानक रूपमे नहि बनाओल गेल अछि।

एहि नेटर्ककेँ बनएबा आ बनाकए राखबाक लेल सभ संबंधित हितधारकक संग नियमित रूपसँ प्रयास कएल जाएत।

6.7 मंच प्रबंधन

एनएमआई केर लाभ उठाबएवला परामर्श कार्यक्रमकेँ वांछित परिणाम प्राप्त करबाक लेल प्रभावशाली प्रशासनक आवश्यकता होएत। उत्तम प्रशासनक लेल निम्निलिखित मानदंड आ प्रश्नकेँ संबोधित करबाक आवश्यकता होएत।

तालिका 6.1: मानदंड आ प्रश्न

मानदंड	प्रश्न
उपयुक्तता	• अहाँ ई कोना सुनिश्चित कए सकैत छी जे तकनीकी अवसंरचना उपयोगकर्ताक स्थानीय आ सामाजिक-आर्थिक स्थितिक अनुकूल आ उपयुक्त अछि? • अहाँ ई कोना सुनिश्चित कए सकैत छी जे तकनीकी अवसंरचना उपयुक्त अछि आ उपयोगकर्ताक स्थानीय एवं सामाजिक-आर्थिक स्थितिक अनुकूल अछि? • अहाँ ई कोना सुनिश्चित कए सकैत छी जे मंच विचार-विमर्श रचनात्मक विचार-विमर्श पर आधारित होमए? • अहाँ ई कोना सुनिश्चित कए सकैत छी जे बुनियादी ढ़ाँचाक लाभ उठाकए कार्यक्रम मालिक द्वारा उचित फीडबैक तंत्र स्थापित कएल जाएत?
स्थिरता	• मंच, डेटा आदिक मालिक के अछि? • अहाँ कोना सुनिश्चित कए सकैत छी जे मंचक प्रभावी ढंगसँ उपयोग कएल जाए आ उचित फीडबैक पर विचार कएल जाए? एहिमे प्रशिक्षण कार्यक्रम आ फीडबैक तंत्र शामिल होएत।
विकासशीलता	• अहाँ कोना कार्यकर्ताक परिसंपत्ति (जेना डेटा, सॉफ्टवेयर, सामग्री आदि) मे योगदान करबामे कोना सक्षम करैत छी? • अहाँ सेवाक खोज आ उपभोगकेँ कोना सक्षम करैत छी? • अहाँ मंच विस्तारकेँ कोना सक्षम करैत छी?

NMM
NATIONAL MISSION FOR
MENTORING

अध्याय VII

यात्रा आ आगामी मार्ग

अध्याय-VII: यात्रा आ आगामी मार्ग

7.1 एनएमएम केर यात्रा

एनएमएम केर घोषणा वर्ष 22-21केर केन्द्रीय बजटमे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकारक एक आदेशक रूपमे कएल गेल छल। शिक्षा मंत्रालय एहि कार्यकेँ पूरा करबाक उत्तरदायित्व एनसीटीईकेँ सौंपलक। एनएमएम केर कार्यप्रणालीकेँ विकसित करबाक लेल कैक शोध कएल गेल। विभिन्न हितधारक लोकनिसँ सुझाव/प्रतिक्रिया आमंत्रित करबाक लेल नवंबर 2021 मे एनसीटीई वेवसाइट आ MyGov पोर्टल पर परामर्श मार्गदर्शिका पर प्रारंभिक मसौदा अपलोड कएल गेल छल। एकर बाद देशभरिमे शिक्षाविद, शैक्षिक प्रशासक, विद्यालय, विश्वविद्यालय, शिक्षक, प्रशिक्षण, एससीईआरटी, डीआईईटी, प्रधानाचार्य, शिक्षक, गैर सरकारी संगठन आ आन हितधारक लोकनिक संग 15 ओपन हाउस चर्चा आयोजित कएल गेल, जाहिसँ जमीनी दृष्टिकोणक संग परामर्श मार्गदर्शिका तैयार करबाक लेल सुझाव/विचार कएल जा सकए (संदर्भ, अनुलग्नक-IV)।

एनसीटीई 29 जुलाई 2022 केँ देशभरिक 30 केन्द्रीय विद्यालय (15 केवि, 10 जेएनवी आ 5 सीबीएसई) मे पायलट मोडमे एनएमएम केर शुरूआत केलक। 30 विद्यालयक प्रधानाचार्य आ नोडल अधिकारीक संग एनएमएम पर 2 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रमक आयोजन कएल गेल। एनसीटीई विभिन्न क्षेत्रसँ 60 परामर्शदाता लोकनिकेँ शामिल केलक अछि। 60 चयनित परामर्शदाता लोकनिक लेल 2 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित कएल गेल। एनएमएम वेब पोर्टल (संदर्भ, अनुलग्नक-V) केर शुभारंभ कएल गेल, जे खोज, विश्वास आ रचनात्मक फीडबैक पर आधारित प्रभावी परामर्श सत्र आयोजित करबाक लेल एक इंटरफेसक रूपमे कार्य करैत अछि। मेंटरिंग इंटरैक्शनकेँ प्रभावी आ कुशलतापूर्वक सुविधाजनक बनएबामे परामर्शदाता केर सहायताक लेल विभिन्न मॉड्यूल विकसित कएल गेल अछि।

एनएमएम पर ब्लूबुककेँ उपर्युक्त आंतरिक परामर्श, 15 ओपन हाउस चर्चा, पायलटसँ प्राप्त सुझाव, आन हितकारक लोकनिक चर्चा आ आउटरिच कार्यक्रमक परिणामस्वरूप फीडबैक/सुझावकेँ शामिल कएलाक पश्चात् अंतिम रूप देल गेल अछि। एनएमएम केर कार्यान्वयन, निगरानी आ विश्लेषणकेँ सुविधाजनक बनएबाक लेल एनसीटीईमे एकटा डिजिटल मंच, राष्ट्रीय शिक्षक गुणवत्ता केन्द्र (एनसीटीक्यू) केर स्थापना कएल गेल अछि। यूएमआई केर संचालन एनसीटीक्यूसँ कएल जाएत।

7.2 आगामी मार्ग

एनएमएम शिक्षकक पेशेवर विकास आ प्रगतिक लेल अमूल्य पहल अछि। परामर्शदाताक भूमिका अपन प्रशिक्षुकेँ परामर्श, सहायता आ विशेषज्ञता प्रदान करब अछि। ई ज्ञान साझा करबा सहयोग आ चिंतनक एक मंच अछि। एनएमएम केर लेल कार्यान्वयन योजनाक अवधारणा एहि प्रकारेँ बनाओल गेल अछि:

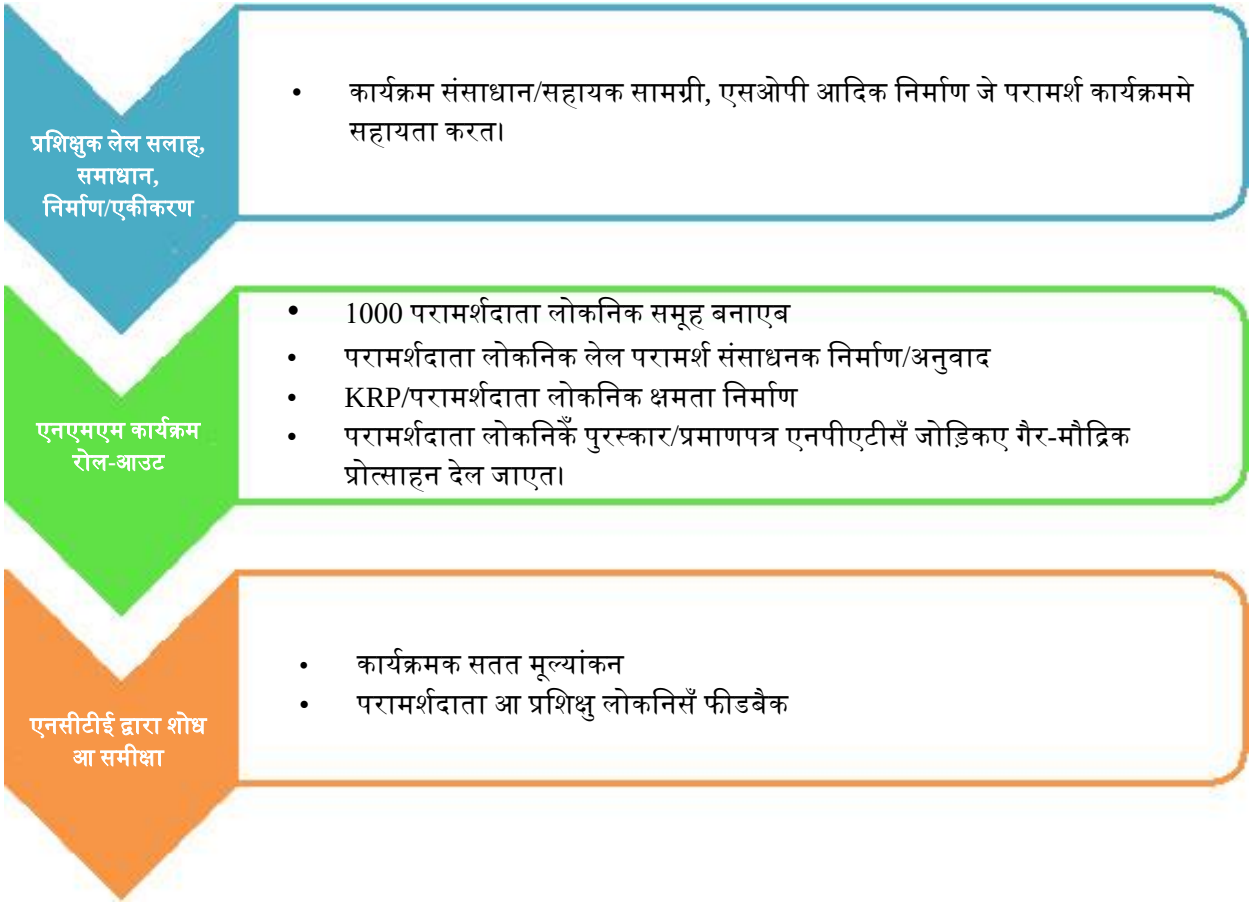

चित्र 7.1: आगामी मार्ग

संदर्भ

Hansman, C. A. (Ed.) . (2002) . Critical perspectives on mentoring: Trends and issues. ERIC Clearinghouse on Adult, Career, and Vocational Education, Center on Education and Training for Employment, College of Education, the Ohio State University.

Knowles, M. S. (1980) . The modern practice of adult education: From pedagogy to andragogy.

Englewood Cliffs, NJ: Cambridge Adult Education.

Kukreja, S., Arora, R., Mahajan, R., & Singh, T. (2020) . Mentorship Program: Modern Outlook of Traditional Knowledge. International Journal of Applied and Basic Medical Research, 10(2) , 65–67. https://doi.org/10.4103/ijabmr.IJABMR_109_20

Ministry of Human Resource Development. (2020, July 29) . National Education Policy 2020. www.Education.Gov.In; Government of India.

https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf#page=29&zoom=100, 97, 630

National Institute of Technical Teachers Training and Research. (2020, September) . Making Mentoring Relevant: NEP 2020 PERSPECTIVE. NITTTR (nitttrc.ac.in) ; National Institute o f Te c h n i c a l Te a c h e r s T r a i n i n g a n d R e s e a r c h . R e t r i e v e d f r o m ReportonMakingMentoring.pdf (nitttrchd.ac.in)

National University of Educational Planning and Administration (NUEPA) New Delhi, Teachers in the Education System, How We Manage the Teacher Workforce in India. (2016)
.http://www.niepa.ac.in/download/Research/Teachers_in_the_Indian_Education_System.pdf

National University Of Educational Planning And Administration (NUEPA) (2014) School Leadership Development National Program Design and Curriculum Framework. National University of Educational Planning and Administration (NUEPA)

https://www.education.gov.in/en/sites/upload_files/mhrd/files/upload_document/SLDP_ Framework_NCSL_NUEPA.pdf

Parsloe, E., & Leedham, M. (2009) . Coaching and mentoring: Practical conversations to improve learning. Kogan Page Publishers. Retrieved from https://rb.gy/9e732

Soka Gakkai. (2020) . The Oneness of Mentor and Disciple. Soka Gakkai (Global) .

https://www.sokaglobal.org/resources/study-materials/buddhist-concepts/the-oneness-of-mentor-and-disciple.html#:~:text=In%20Buddhism%2C%20which%20is%20concerned,to%20free

%20them%20from%20suffering

Together Platform. “Mentor Handbook.” Together Platform,
https://www.togetherplatform.com/handbook/mentor. Accessed 16 Aug. 2021.

अनुलग्नक

1. परामर्शदाता चयनक लेल संरचनात्मक डिजाइन:

परामर्शदाता चयन प्रक्रियाक लेल अनुशंसित डिजाइन।

2. परामर्शदाताक भूमिका आ उत्तरदायित्व:

परामर्श कार्यक्रमक लेल परामर्शदाता लोकनिक भूमिका आ सूची तैयार करैत काल परामर्शक लेल नमूना उपकरण।

3. एनएमएम केर लेल 15 ओपन हाउस चर्चा

4. एनएमएम वेब पोर्टल

अनुलग्नक - I

परामर्शदाता चयनक लेल संरचनात्मक डिजाइन

परामर्श कार्यक्रमक लेल

परामर्शदाताक चयन

उद्देश्य: परामर्शदाता कार्यक्रमक लेल परामर्शदाताक चयन करबाक लेल स्क्रीनिंग प्रक्रियाकेँ डिजाइन आ निष्पादित करब।

डिजाइन तैयार करब

कार्यक्रम डिजाइनर

कार्यक्रम प्रबंधक

एक आदर्श परामर्शदातामे किछु विशेष गुण होइत अछि, जाहिसँ मार्गदर्शक आ प्रशिक्षु, दुनू संबंधसँ अधिकतम लाभ सकैत छथि।

परामर्शदाताक गुण

विविधताक प्रति जागरूकता

परामर्शदाताक गुण

सहानुभूति

अनुभव

लचीलापन

प्रेरणादायक

नेतृत्व कौशल

विशेषज्ञता

प्रतिबिंब

समालोचनात्मक चिन्तन

रचनात्मकता

संभावित परामर्शदाताक विशेषताक परीक्षण स्क्रीनिंग प्रक्रियाक माध्यमसँ कएल जएबाक चाही। स्क्रीनिंग प्रक्रियाकेँ एहि बातकेँ ध्यानमे राखैत तैयार कएल जएबाक चाही जे कार्यक्रमकेँ कोन स्तर पर क्रियान्वित कएल जएबाक अछि। उपलब्ध संसाधन आ आवेदक समूहक आकारक आधार पर, चयन प्रक्रियामे प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त डेटा संकलन विधि एवं व्यक्तिगत गतिविधि आ साक्षात्कारक संयोजन होएब आवश्यक भ' जाइत अछि।

परामर्श कार्यक्रमक लेल

परामर्शदाताक चयन

आवेदन प्रपत्र

प्रारंभिक आवेदन पत्रक उपयोग जनसांख्यिकी, पछिला अनुभव, विशेषज्ञताक साक्ष्य आदिक संबंधमे जानकारी एकत्र करबाक लेल कएल जएबाक चाही। आवेदन पत्रमे ऑनलाइन शिक्षण सेटिंगमे चुनौतीकेँ हल करबाक लेल परामर्शदाताक दृष्टिकोण/क्षमताक आकलन करबाक लेल केस स्टडी सेहो शामिल कएल जा सकैत अछि। ई प्रपत्र आवेदकक मूल्यांकन करबाक लेल प्रयोग कएल जाएवला एकमात्र उपकरण भ' सकैत अछि (वृहत स्तरक कार्यक्रम, कम संसाधन उपलब्धता) वा एकर उपयोग साक्षात्कारक संग संयोजनमे कएल जा सकैत अछि (छोट स्तरक कार्यक्रम, उच्च संसाधन उपलब्धता)।

संवाद/साक्षात्कार

साक्षात्कारसँ आवेदककेँ बेसी व्यक्तिपरक रूपसँ बुझबामे मदति भेटि सकैत अछि तँ किछु कौशलक विश्लेषण करबामे मदति भेटि सकैत अछि, जेकर आवेदन पत्रमे परीक्षण करब कठिन होइत अछि। एहिमे एहन प्रश्न शामिल भ' सकैत अछि जे आवेदकक अंत:क्रियात्मक विशेषता सभ जेना सजगता, सक्रियता, विश्लेषणात्मक तर्क आदिक परीक्षण करैत हो।

ऑनलाइन फार्म, संबंधित डेटाबेस प्रणाली, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल आदि सन उपकरणक उपयोग अनुप्रयोगकेँ होस्ट करबा, मूल्यांकन करबा आ ओकर विश्लेषण करबाक लेल कएल जा सकैत अछि।

परामर्श कार्यक्रमक लेल

परामर्शदाताक चयन

जनसांख्यिकी

- नाम
- संपर्क सूचना (फोन/पता/ई-मेल)
- भाषा ज्ञान
- संबद्ध संस्थान (नाम, नगर, राज्य, देश)

अनुभव

- वर्तमान भूमिका/पदनाम
- क्षेत्रमे काज करबाक अनुभव
- वर्तमान भूमिकामे काज करबाक अनुभव

ज्ञान आ विशेषज्ञता

- परामर्श कार्यक्रमक निर्दिष्ट सामग्री पर आधारित प्रश्नावली जे कि दक्षताक जाँचक लेल होमए।
- परामर्श कार्यक्रमक सामग्रीक संग पूर्व अनुभवसँ प्राप्त शिक्षा वा सीखबाक माध्यम
- क्षेत्रमे प्रासंगिक पुरस्कार, सम्मान, उपलब्धि सभ

सक्रियता

- निबंध/साक्षात्कार प्रश्न, जाहिमे ई स्पष्ट करबाक लेल कहल गेल होमए जे ओ परामर्शदाता किएक बनए चाहैत छथि:
- कार्यक्रममे आवेदन करबाक हुनक उद्देश्य की छनि?
- ओ कार्यक्रम कैं की दए सकताह?
- ओ कार्यक्रमसँ कोना लाभान्वित हेताह?
- हुनका लागैत छनि जे शिक्षा प्रणालीकैं कार्यक्रमसँ लाभ कोना हेतैक?

सावधानी आ चिंतन क्षमता

- परामर्श कार्यक्रमक माध्यमसँ समाधान कएल जाए वला प्रासंगित समस्या सभ पर प्रकाश देमए वला केस स्टडी।
- अनुवर्ती प्रश्न बहुविकल्पीय वा व्यक्तिपरक भ' सकैत अछि, आवेदन पत्रमे वा व्यक्तिगत रूपसँ पूछल जा सकैत अछि, जाहिसँ ओकर निम्नलिखित योग्यताक परीक्षण कएल जा सकए:
- चुनौतीक पहिचान करब,
- उचित सहायताक निर्माण करब,
- सुझाव आ प्रतिपुष्टि तैयार करब,
- समस्याक समाधान करब,
- विभिन्न नेतृत्व शैलीकैं बुझब,
- असहमति आ निष्क्रियताकैं सम्हारब आ
- उत्तर नहि जानबाक स्थितिकैं सम्हारब

प्रेरणादायक आ उत्प्रेरक

- वीडियो अनुबोधन/साक्षात्कार प्रश्नमे ई स्पष्ट करबाक लेल कहल गेल अछि जे ओ अपन टीमकैं निरंतर सीखबा आ सुधारबाक लेल कोन प्रकारेँ प्रेरित करैत छथि। आवेदक केर निम्नलिखित योग्यताक आधार पर प्रतिक्रियाक परीक्षण कएल जएबाक चाही:
- स्पष्ट भाषण
- शारीरिक भाषाक उचित उपयोग
- प्रश्नक उत्तर दैत पर्याप्त विवरण
- चिंतनशील सोचक प्रदर्शन
- ऊर्जावान भाषण
- प्रेरक कहानी सुनाएब

परामर्श कार्यक्रमक लेल

परामर्शदाताक भूमिका आ उत्तरदायित्व

उद्देश्य: सफल परामर्श संबंधक लेल एक संरक्षकक भूमिका आ उत्तरदायित्व सभक पहिचान करब

भूमिका:

परामर्शदाता आ प्रशिक्षुकेँ परामर्श, सलाह, फीडबैक आ सहायता प्रदान करैत अछि, जे प्रशिक्षुक संग वार्तालाप कएल गेल विशिष्ट लक्ष्य आ उद्देश्य पर निर्भर करैत अछि।

उत्तरदायित्व सभ:

तैयारी

समर्थन

विकास

- नियमित आधार पर प्रशिक्षु लोकनिसँ मिलबा आ परामर्श समाप्त हेबाक लेल सहमत समय धरि संबंधकेँ बढ़ावा देबाक प्रतिबद्धता
- एकटा सुरक्षित आ सहायक स्थान बनाकए प्रशिक्षु लोकनिक संग विश्वासक संबंध बनाएब, जे गोपनीयता बनाकए राखैत अछि आ प्रशिक्षु आ संरक्षक केर सीमाक सम्मान करैत अछि
- प्रशिक्षु-संचालित संबंधक लेल स्थान बनाएब, जतए प्रशिक्षु अपन विकास आ कैरियरक योजना बनएबाक जिम्मेदारी लैत अछि
- परामर्श गतिविधिक केर प्रशिक्षु लोकनि आ पर्यवेक्षक केर संग स्पष्ट संवाद बनाकए राखब

तैयारी

समर्थन

विकास

- प्रशिक्षु लोकनिक संग संबंधक लेल प्रशिक्षु लोकनिकेँ स्पष्ट लक्ष्य आ उद्देश्य स्थापित करब आ हुनका दृष्टिकोणक आधार पर कार्ययोजनाक दिस निर्देशित करब
- अपन यात्रा पर विचार करब आ अपन प्रशिक्षुक संग विशेषज्ञता साझा करबाक लेल प्रासंगिक उदाहरण प्रस्तुत करब

परामर्श कार्यक्रमक लेल

परामर्शदाताक भूमिका आ उत्तरदायित्व

- समस्याक संबंधमे विचारशील वार्तालापकेँ प्रोत्साहित क' कए प्रशिक्षु केर समूहक लेल प्रभावी रूपसँ परामर्श सत्रक सुविधा प्रदान करब।
- अपन अलग-अलग प्रशिक्षु केर दृष्टिकोणमे विविधताकेँ बुझब आ ओकर सराहना करब।
- संघर्षकेँ पहिचानब आ ओहिसँ निपटबाक लेल देखभाल करए वला तरीका अपनाएब, प्रशिक्षुक संग मतभेद पर चर्चाकेँ आमंत्रित करब।
- समस्याक संबंधमे ओकर समझकेँ स्पष्ट करबाक लेल गहन जाँच वला प्रश्न (मुक्त अंत वला "कोना" आ "की") पूछब।
- प्रशिक्षुक बातकेँ सक्रिय रूपसँ सुनब आ प्रशिक्षुकेँ ई एहसास कराएब जे ओकर बात सुनल जा रहल अछि।
- प्रशिक्षु लोकनिकेँ आरामदायक चुनौती प्रदान क' कए ओकरा वर्तमान समस्याकेँ सोझरएबाक लेल सशक्त बनाकए एवं भविष्यक लेल ओकरासँ निपटबाक रणनीति विकसित क' कए सुधारक दिशामे निवेश करब।
- प्रशिक्षु केर आवश्यकताक आधार पर अलग-अलग सहायता प्रदान करब।
- ईमानदार, खुलल, सकारात्मक आ रचनात्मक फीडबैक प्रदान करब।
- पेशेवर विकास गतिविधिक पहिचान करबा, आवश्यकतानुसार उपयुक्त संसाधन आ आन सलाहकारसँ जुड़बा आ नेटवर्किंग करबामे प्रशिक्षु लोकनिक सहायता करब।
- प्रशिक्षु लोकनिकेँ ओकर द्वारा सह-निर्मित कार्ययोजनाक प्रति उत्तरदायी बनाएब आ नियमित अंतराल पर कार्ययोजनाक समीक्षा करब।

तैयारी

समर्थन

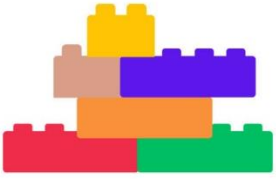

विकास

- अपन कार्य आ परामर्श उत्तरदायित्वक बीच समयक प्रभावी प्रबंधन करब
- प्रशिक्षण, फीडबैक चक्र आदिक माध्यमसँ परामर्श कौशलक निर्माण आ सुधार करबाक लेल पेशेवर विकासमे संलग्न होएब।

एनएमएम पर ओपन हाउस चर्चाक सूची

क्रम सं.	संस्थान/विश्वविद्यालयक नाम	चर्चाक तरीका	दिनांक	आवृत्त राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश
1.	कॉटन यूनिवर्सिटी गुवाहाटी, असम	शारीरिक	16.11.2021	असम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश
2.	एससीईआरटी गंगटोक, सिक्किम	मिश्रित	10.12.2021	सिक्किम, मिजोरम
3.	एससीईआरटी जम्मू आ कश्मीर	मिश्रित	13.12.2021	जम्मू कश्मीर आ लद्दाख
4.	एससीईआरटी पटना, बिहार	मिश्रित	15.12.2021	बिहार, झारखंड
5.	दिल्ली विश्वविद्यालय	शारीरिक	16.12.2021	दिल्ली, हरियाणा
6.	बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान	मिश्रित	17.12.2021	राजस्थान
7.	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	मिश्रित	18.12.2021	तेलंगाना, आंध्र प्रदेश
8.	एससीईआरटी पुणे, महाराष्ट्र	मिश्रित	28.12.2021	महाराष्ट्र, गोआ
9.	भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर, गुजरात	शारीरिक	30.12.2021	गुजरात
10.	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, उत्तर प्रदेश	मिश्रित	12.01.2022	उत्तर प्रदेश
11.	एससीईआरटी भोपाल, मध्य प्रदेश	मिश्रित	17.01.2022	मध्य प्रदेश
12.	एससीईआरटी हिमाचल प्रदेश	मिश्रित	20.01.2022	हिमाचल प्रदेश
13.	एससीईआरटी पंजाब	मिश्रित	24.01.2022	पंजाब
14.	केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा	मिश्रित	04.03.2022	हरियाणा आ चंडीगढ़
15.	स्कूल शिक्षा निदेशालय पुडुचेरी	शारीरिक	07.03.2022	पुदुचेरी

अनुलग्नक - IV
*एनएमएम **वेब** पोर्टल*

एनएमएम वेब पोर्टल
परामर्शदाताक लेल

1. लॉग इन

2. हमर प्रोफ़ाइल

Sangita Pradhan

★★★★★

Language(s) Known

Sr. No.	Language	Speak	Read	Write
1.	Hindi	☑	☑	☑
2.	Marathi	☑	☑	☑
3.	English	☑	☑	☑

Registration No.	MTR000064
Full Name	Sangita Pradhan
Email	sangita********@gmail.com
Contact Number	954*******
Gender	Female
Address	Ganganagar, Rajasthan
Languages	**English**
Role	**Teacher (Primary)**
Area of Mentoring	**Instructional Leadership Skills - Social Science**
Professional Experience (in years)	**15+**

About Yourself

Credited with extensive experience and professionalism having numerous key responsibilities in the field of education. Around 20 years of experience as an art educator. Always been passionate about teaching, focussed on vigorous planning & implementation at both State and National levels in various capacities. More..

Current Work Status

Working

Name of the organisation/school
(If retired, please mention the name of the school/organisation last worked at)

Kendriya Vidyalaya, Ganganagar

Click Here to Update your Profile

1. परार्शदाताक पंजीकरण

2. प्रशिक्षुक पंजीकरण

Mentee Profile

Basic Information | **Language Proficiency** | **Mentoring Required For**

Registration No.	4		
First Name*	Somit	**Last Name**	Mishra
Gender*	Male	**Email ID***	ncte.mentee@gmail.com
Mobile Number *	888888888	**State***	ASSAM
District / City*	GUWAHATI	**Pin Code***	781022
Organisation Type*	Central Board of Secondary Education (CBSE)	**Name of the School/Institutions***	Kendriya Vidyalaya, Khanapar
Your Experience in years*	6-8		
Language*	**English** x **Dogri** x + Add		
Stage*	**Primary** x Select		
Role*	**Teacher (Primary)** x **Teacher (Upper Primary)** x **Teacher (Secondary)** x + Add		

अद्यतन

3. परामर्शदाताक लेल प्रतिपुष्टि

Somit Mishra

Feedback for Mentor: Sangeeta Pradhan (Instructional Leadership Skills-Social Science)

On a Scale of I to V, V being the highest

Sr. No.	Questions	V	VI	III	II	I
1.	How effective was the mentor in providing guidance and support during your interactions?	0	0	0	0	0
2.	How much did the mentor challenge you to think critically and independently?	0	0	0	0	0
3.	How effective was the mentor in providing guidance and support during your interactions?	0	0	0	0	0
4.	To what extent was the mentor able to create a comfortable and safe environment for open communication and learning?	0	0	0	0	0
5.	Refrain from encouraging mentees to ask questions during the discussion	0	0	0	0	0

Other Remarks (If any)

It was an insightful learning experience. The mentor was supportive throughout the session.

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)

National Council for Teacher Education
(A Statutory Body of the Government of India)
By e-mail / Hand / Speed Post / Fax

File No. NCTE-Acad013/3/2021-Academic Section-HQ 20th September 2021

OFFICE ORDER

In supersession to office order of even number dated 31st August 2021, a Committee is constituted to work out the modalities for the creation of a national document and an online platform for Mentoring in Teacher Education at National Council for Teacher Education (NCTE) under National Mission for Mentoring. The details of the committee are given below:

S. No.	Name and Organization	Designation
1.	**Prof. S.C. Roy,** North Eastern Regional Institute of Education, Shillong	Chairperson
2.	**Dr. Ashok Pandey,** Director, Ahlcon International School, Mayur Vihar Phase 1 Delhi	Member
3.	**Prof. Sharad Sinha,** NCERT	Member
4.	**Ms. Kalpana Kapoor** Educationist, Mentor and Leadership Coach	Member
5.	**Shri Sushant Tharappan** Head, Infosys Leadership Institute	Member
6.	**Shri Jagdish Babu,** Chief Operating Officer, Ekstep Foundation.	Member
7.	**Shri Sanjay Purohit,** Chief Curator, Societal Platform	Member
8.	**Dr. Amina Charania,** Associate Professor, Tata Institute of Social Sciences, Mumbai	Member
9.	**Ms. Khushboo Awasthi** Chief Operating Officer, ShikshaLokam.	Member
10.	**Shri Sushil Bhardwaj** State co-ordinator, Punjab	Member
11.	**Shri Abhimanyu Yadav,** Section Officer, National Council of Teacher Education, New Delhi	Convener

Cont. 2/-

जी-7, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली -110075
G-7, Sector-10, Dwarka, New Delhi - 110075
Phone : +91-11-20893266, Fax : +91-11-20893270 Email : ms@ncte-india.org
Website : www.ncte.gov.in

12.	**Ms. Monika Mishra** Academic Consultant, NCTE	Co-convener
13.	**Ms. Shailla Draboo** Academic Consultant, NCTE	Co-convener

2. The Terms of Reference (ToR):

i. Various sub-committees may be formed from among these members by the chairperson of the committee as per need.
ii. Identification of the focus areas and structured planning for mentoring including formulation of programmatic norms for the effective implementation of the mission as per the directive of NEP 2020.
iii. Formulation of norms for cross linking of experts from school to college.
iv. Review of data and membership received through digital consultation /institutional consultation.
v. Development of the manual on National Mission on Mentoring (NMM) containing guidelines for the prospective mentors and mentees which may be adapted/ adopted by the states /UTs in their own chapters of State Mentoring Mission.
vi. Setting up of Data Strategy Center for the NMM, at the national and regional levels in the headquarters of the National Council for Teachers Education (NCTE).
vii. Preparation of the short term and long-term mentoring manual on Indian languages and subjects specifically for underrepresented population targets groups etc.
viii. Formulation of guidelines for tapping up the potential of senior experienced and retired teachers and also include experts drawn from different sections of societies including professionals from different sectors such as engineering, medical, subject expert teachers, defense personnel, craft persons, trade persons music and dance practitioners etc.
ix. Developing and designing of platform for mentoring including matching of mentor and mentees, agreement and certainty matrix.
x. Chalking out the strategies for reaching out to the target audience of NMM, monitoring and their communication process.
xi. The detailed plan of Action on pilot run of NMM and development of the framework for the national level pool of mentors and mentees.
xii. The Chairperson of the Committee may co-opt other experts to the committee as per need.

2. The committee is expected to submit the complete report along with a plan of Action within a period of 3 months from 31st August 2021.

Cont. 3/-

3. The NCTE shall provide secretarial assistance for holding of virtual and face to face meetings of the committee and arrangements for payments of TA /DA /Sitting charges as per NCTE norms.

This has the approval of the competent authority.

(Kesang Y. Sherpa, IRS)
Member Secretary, NCTE

Copy to:

1. PS/SO to CP/MS for information please.
2. Deputy Secretary /Under Secretary GA/Academics/Accounts, NCTE
3. Copy to all members etc.
4. Guard /Office file.

पैरा 15.11, एनईपी 2020

राष्ट्रीय परामर्श मिशनक स्थापना उत्कृष्ट व्यवसायी लोकनिक एहन विशाल समूहक संग कएल जाएत जे विद्यालयी शिक्षक लोकनिकेँ अल्पकालिक आ दीर्घकालिक परामर्श/पेशेवर सहायता करएबाक इच्छुक होएताह।

Language consultancy and translation facilitated by

National Translation Mission

Central Institute of Indian Languages, Mysore

गुरुर्गुरुतमो धाम

NCTE

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

(भारत सरकारक एक सांविधिक निकाय)

National Council for Teacher Education

(A Statutory Body of the Government of India)